RNI N.- BIHBIL/2022/88070

राष्ट्रीय द्विभाषिक सामाचार पत्र

www. bordernewsmirror.com

बॉर्डर न्यूज मिरर

"खबरों से समझौता नहीं"

पटना, वर्ष: 7 , अंक: 126 , शुक्रवार, 19 जून 2026 मूल्य: 5:00, पृष्ठ:8 9471060219, 9470050309 www.bordernewsmirror@gmail.com

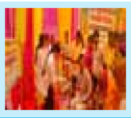
कोटवा जन कल्याण शिविर का एसडीओ ने किया निरीक्षण, आमजन की समस्याओं के ... 03

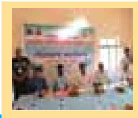
किसानों की समृद्धि से ही देश का विकास संभव : बिंदेश्वरी यादव 04

बॉलीवुड अभिनेत्री कृति सेनन को अपने निवेश पर मिला शानदार... 07

संक्षिप्त समाचार

शहीद की पत्नी को मिले 21 लाख माता-पिता नाराज

- कहा-बेटे को बरगलाकर कोर्ट मैरिज की,असम में एयरफोर्स प्लेन क्रैश में मौत हुई थी

जहानाबाद (एजेंसी)। असम के जोरहाट में 13 जून को वायुसेना के विमान हादसे में जहानाबाद के लेफ्टिनेंट शुभम कुमार शहीद हो गए थे। उनकी शहादत के बाद परिवार में सरकार की ओर से मिली सहायता राशि को लेकर विवाद शुरू हो गया है। शहीद के पिता अमरेंद्र शर्मा का आरोप है कि शुभम की पत्नी श्रेया ने अधिकारियों से मिलीभगत कर 21 लाख का चेक हड़प लिया है। वो चेक लेकर अपने

घर चली गई। उन्होंने कहा,बिहार सरकार की इस मदद की जानकारी हमें नहीं दी गई। अगर श्रेया राय मेरे बेटे की पत्नी थी तो उसे अंतिम संस्कार से श्राद्ध तक परिवार के साथ रहना चाहिए था। दरअसल, पिता का कहना है कि दोनों की शादी तय हो चुकी थी, लेकिन दादी की मौत की वजह से एक साल

टाली गई थी। इस बीच श्रेया के परिवार वालों ने शुभम को बरगलाकर अहमदाबाद में कोर्ट मैरिज करा दी थी। जिसका उन्हें पता नहीं था। 25 साल की उम्र में शहीद हुए शुभम के पिता अमरेंद्र शर्मा ने बताया, 2017 में शुभम ने पहली ही कोशिश में एनडीए एग्जाम क्लियर कर लिया था। उसके बाद उन्हें 2018 से 2021 तक ट्रेनिंग के लिए पुणे भेजा गया। ट्रेनिंग के बाद पहली पोस्टिंग हैदराबाद में हुई।

यूक्रेनी ड्रोन अटैक से मॉस्को की तेल रिफाइनरी में आग

कई उड़ानें प्रभावित, रातभर में दागे गए 555 ड्रोनों को किया नष्ट

कीव (एजेंसी)। यूक्रेन ने एक हफ्ते में दूसरी बार ड्रोन हमले में रूस की राजधानी मॉस्को की एक तेल रिफाइनरी को निशाना बनाया। इसके कारण हवाई अड्डों पर कमर्शियल फ्लाइट्स का संचालन रोकना पड़ा। गुरुवार को कई यूक्रेनी ड्रोन ने मॉस्को में कई स्थानों पर हमला किया जिससे एक तेल रिफाइनरी में आग लग गई। चार साल से भी अधिक

समय पहले शुरू हुए रूसी आक्रमण के बाद से इसे यूक्रेन के सबसे बड़े ड्रोन हमलों में से एक माना जा रहा है। रूस के रक्षा मंत्रालय ने कहा कि उसकी वायु रक्षा प्रणालियों ने रातभर में विभिन्न क्षेत्रों में यूक्रेन की ओर से दागे गए 555 ड्रोनों को नष्ट कर दिया, जिनमें से लगभग 200 ड्रोन को मॉस्को की ओर बढ़ते समय रास्ते में ही रोक दिया गया। मॉस्को के मेयर सर्गेई सोबयानिन ने कहा कि शहर के दक्षिण-पूर्वी बाहरी इलाके में स्थित मॉस्को तेल रिफाइनरी पर कई ड्रोन गिरे। वहीं, रूसी परिवहन मंत्रालय ने कहा कि इस हमले के कारण मॉस्को के चार हवाई अड्डों से उड़ानों का संचालन रोक दिया गया।

यातायात रोक दिया गया

ब्रॉडकास्टर आरआईए ने गृह मंत्रालय के हवाले से बताया कि ऑइल रिफाइनरी के पास शहर के रिंग रोड पर यातायात रोक दिया गया था। रूसी अधिकारियों ने कहा, वायु रक्षा बल एक बड़े पैमाने पर हमले को विफल करने में लगे हुए हैं। मॉस्को के मेयर सर्गेई सोबयानिन ने इसकी पुष्टि की है।

भक्तों का भरोसा सर्वोपरि...

राम मंदिर में स्वतंत्र सीईओ की हो नियुक्ति

चंदा चोरी पर नृपेंद्र मिश्र ने कह दी बड़ी बात

अयोध्या (एजेंसी)। अयोध्या में श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट में चढ़ावे और दान में कथित धांधली और फर्जीवाड़े की खबरों और चल रही सीबीआई जांच के बीच राम मंदिर निर्माण समिति के अध्यक्ष और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के पूर्व प्रधान सचिव नृपेंद्र मिश्र ने बड़ी सलाह दी है। हालिया घटनाक्रम से दुखी मिश्रा ने बुधवार को सुझाव दिया कि राम मंदिर ट्रस्ट के कामकाज को संभालने के लिए एक स्वतंत्र सीईओ की नियुक्ति की जानी चाहिए। उन्होंने यह भी सुझाव दिया कि इस पद पर किसी पूर्व आईपीएस अधिकारी की नियुक्ति की जानी चाहिए, ताकि मंदिर का प्रबंधन अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप हो सके। उन्होंने कहा कि इससे राम मंदिर के प्रबंधन को अधिक पेशेवर और पारदर्शी बनाया जा सकता है। एक विशेष इंटरव्यू में नृपेंद्र मिश्र ने कहा कि राम मंदिर में पारदर्शिता और श्रद्धालुओं का भरोसा सर्वोपरि है।

छोटे जिले जैसा है प्रबंधन का कार्य

प्रधानमंत्री के पूर्व प्रधान सचिव मिश्र ने राम मंदिर प्रबंधन की जटिलताओं को फोकस करते हुए बताया कि 71 एकड़ में फैले मंदिर परिसर की गतिविधियां किसी छोटे जिले के बराबर हैं, जहां प्रतिदिन लगभग एक लाख श्रद्धालु दर्शन के लिए आते हैं। लोगों की जरूरतों को संभालना आसान नहीं।

राम मंदिर सनातन धर्म का अंतरराष्ट्रीय प्रतीक

बता दें की सुप्रीम कोर्ट की व्यवस्था के तहत नृपेंद्र मिश्र को राम मंदिर निर्माण समिति का अध्यक्ष बनाया गया था। उनकी जिम्मेदारी केवल निर्माण तक ही सीमित है, लेकिन उन्हें मंदिर ट्रस्ट का पदेन सदस्य भी बनाया गया है। ऐसे में उनकी जिम्मेदारी मंदिर निर्माण से आगे अब प्रबंधन और पारदर्शिता में भी है। उन्होंने कहा, यह मंदिर सनातन धर्म का प्रतीक है।

जांच के घेरे में हालिया विवाद

पिछले कुछ समय में भूमि खरीद और दान से जुड़ी शिकायतों पर प्रतिक्रिया देते हुए मिश्र ने बताया कि एक विशेष जांच दल वर्तमान मामलों की जांच कर रहा है और 15 दिनों के भीतर अपनी रिपोर्ट सौंप देगा। उन्होंने कहा कि दो साल पहले भूमि खरीद को लेकर उठे विवाद के बाद पारदर्शिता बरतने की चेतावनी दी गई थी, लेकिन अब सामने आए मुद्दे अधिक गंभीर हैं।

भविष्य में किसी भी विवाद की गुंजाइश न रहे

मिश्र ने इस बात पर जोर दिया कि राज्य और केंद्र सरकार को मंदिर प्रबंधन के इस पेशेवर ढांचे पर जल्द निर्णय लेना चाहिए। उनका यह प्रस्ताव ऐसे समय में आया है जब राम मंदिर न केवल भारत बल्कि वैश्विक स्तर पर करोड़ों हिंदुओं की आस्था का केंद्र बन चुका है। मिश्र ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की शासन शैली की भी प्रशंसा की।

अमेरिका-ईरान में खत्म हो गई जंग

- *तय तारीख से एक दिन पहले हो गया समझौता*
- *दोनों प्रेसीडेंट ने दस्तखत किए,ट्रम्प चिल्लाकर बोले-डील साइन*

तेहरान/वॉशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिका और ईरान के बीच जंग खत्म करने के लिए अंतरिम समझौते पर दस्तखत हो गए हैं। डोनाल्ड ट्रम्प ने बुधवार रात को फ्रांस के वर्साय पैलेस में इससे जुड़े एमओयू पर साइन किए। इस दौरान फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों मौजूद थे। डील पर दस्तखत करने के बाद ट्रम्प वर्साय पैलेस से बाहर आए। इस दौरान किसी रिपोर्टर ने उनसे पीस डील को लेकर पूछा, तो उन्होंने चिल्लाते हुए कहा, 'डील साइन हो गई है।' ट्रम्प के बाद ईरानी राष्ट्रपति मसूद पजशकियान ने भी ईरान से इलेक्ट्रॉनिक दस्तखत किए।

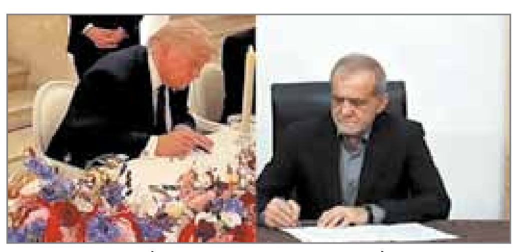

होर्मुज से बारूदी सुरंगें हटाने में मदद करेगा जर्मनी

जर्मनी ने होर्मुज स्ट्रेट में संभावित सैन्य मिशन की तैयारी के तहत दो जहाज लाल सागर की ओर भेजे हैं, जो बाद में होर्मुज में बारूदी सुरंगें हटाने के अभियान में मदद करेंगे। यह जानकारी जर्मनी के रक्षा मंत्री बोरिस पिस्टोरियस ने गुरुवार को दी। पिस्टोरियस ने कहा,इस समय हमारा एक माइनस्वीपर और एक सप्लाई जहाज स्वेज नहर पार कर लाल सागर की ओर बढ़ रहे हैं।

चेतावनी भी-ईरान ने शर्तें नहीं मानीं तो नाकेबंदी फिर लगेगी

अमेरिकी रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ ने कहा है कि अगर ईरान अमेरिका के साथ हुए समझौते की शर्तों का पालन नहीं करता, तो अमेरिका फिर से सैन्य कार्रवाई शुरू कर सकता है और उस पर कड़ी नौसैनिक नाकेबंदी दोबारा लगा सकता है। नाटो देशों के रक्षा मंत्रियों की बैठक के बाद हेगसेथ ने पत्रकारों से कहा, राष्ट्रपति पहले ही साफ कर चुके हैं कि बातचीत के दौरान अगर ईरान अपने वादे पूरे नहीं करता, तो हम दोबारा कार्रवाई शुरू करने के लिए तैयार रहेंगे। दुनिया में तेल की कीमत तय करने वाला ब्रेंट क्रूड पिछले तीन दिनों से 80 डॉलर प्रति बैरल से नीचे बना हुआ है। गुरुवार को ब्रेंट क्रूड करीब 2 फीसदी गिरकर 78 डॉलर प्रति बैरल पर आ गया। जंग के दौरान इसकी कीमत 114.44 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच गई थी। यानी अब यह उस स्तर से करीब 35 डॉलर सस्ता हो चुका है। अमेरिका का कच्चा तेल भी गिरकर करीब 74 डॉलर प्रति बैरल पर आ गया है, जो तीन महीने का सबसे निचला स्तर है।

चुनाव में हार के बाद अब ममता को 'हाई' झटका

ऋतब्रत बनर्जी ही बंगाल में बने रहेंगे नेता विपक्ष

कलकत्ता हाईकोर्ट ने रोक लगाने से किया इंकार

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल में एक साथ कई मुश्किलों और चुनौतियों से जूझ रही ममता बनर्जी को अब विधानसभा में नेता विपक्ष के मुद्दे पर बड़ा झटका लगा है। गुरुवार को कलकत्ता हाईकोर्ट ने टीएमसी के बागी नेता ऋतब्रत बनर्जी को नेता विपक्ष बनाए जाने पर रोक लगाने से इंकार कर दिया। ममता बनर्जी ने चुनावों के बाद शोभनदेव चट्टोपाध्याय को नेता विपक्ष बनाया था, लेकिन उनकी नियुक्ति में विधायकों के फर्जी दस्तखत का आरोप लगा। इसके बाद पार्टी विधायकों में बगावत हुई। उन्होंने ऋतब्रत बनर्जी को नेता चुना था। ऋतब्रत बनर्जी को विधानसभा अध्यक्ष ने नेता विपक्ष मान लिया था। इस फैसले को ममता बनर्जी ने कलकत्ता हाईकोर्ट में चुनौती दी थी। जहां से अब ममता बनर्जी को झटका लगा है। जस्टिस कृष्णा राव ने इस मामले में कोई अंतरिम आदेश नहीं दिया है।

नेता विपक्ष के तौर पर काम करेंगे ऋतब्रत बनर्जी

हाई कोर्ट द्वारा स्पीकर के फैसले पर रोक लगाने से इनकार करने के बाद ऋतब्रत बनर्जी विपक्ष के मान्यता प्राप्त नेता के तौर पर काम करते रहेंगे। ऋतब्रत बनर्जी का दावा है कि उनके साथ टीएमसी के 64 विधायक हैं। पहले उन्होंने 58 विधायका दावा किया था। इसके बाद पश्चिम बंगाल विधानसभा के स्पीकर रथिनद्र बोस ने बागी गुट के दावे को स्वीकार कर लिया और ममता बनर्जी खेमे द्वारा समर्थित आधिकारिक उम्मीदवार को दरकिनार करते हुए ऋतब्रत बनर्जी को विपक्ष का नेता नियुक्त कर दिया। इसके बाद ममता बनर्जी के गुट ने कलकत्ता हाई कोर्ट का रुख किया और तर्क दिया कि स्पीकर के फैसले ने आधिकारिक तौर पर मान्यता प्राप्त राजनीतिक दल को दरकिनार कर दिया और विधायी दल की मान्यता से जुड़े संवैधानिक सिद्धांतों का उल्लंघन किया है।

अब बदले हुए रूप में आएगा परिसीमन बिल

- एनडीए सरकार खेलेगी '50 परसेंट' वाला दांव

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्र सरकार के प्रस्तावित परिसीमन बिल को लेकर राजनीतिक बहस एक बार फिर तेज हो गई है। अलग अलग राज्यों में प्रमुख विपक्षी दलों में टूट के बाद यह चर्चा है कि एनडीए लोकसभा और राज्यसभा में अपना कुनबा बढ़ाने की तैयारी में हैं ताकि परिसीमन बिल को पास कराया जा सके। इस बीच अब आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू ने परिसीमन बिल को लेकर नया हिंट दे दिया है। उन्होंने संकेत दिए हैं कि भाजपा सरकार नए बदलावों के साथ परिसीमन बिल एक बार फिर संसद में पेश कर सकती है।

उद्धव सेना की बैठक सिर्फ 3 सांसद पहुंचे

- बाकी 6 को नोटिस जारी,बागियों को वाय+सिक्योरिटी मिली

मुंबई (एजेंसी)। दिल्ली में शिवसेना (यूबीटी) की संसदीय दल की बैठक हुई। बैठक में 9 में से सिर्फ 3 लोकसभा सांसद अनिल देसाई, अरविंद सावंत और राजाभाऊ वाजे पहुंचे। पार्टी ने अपने सभी लोकसभा सांसदों को व्हिप जारी कर दिल्ली में होने वाली बैठक में मौजूद रहने का निर्देश दिया था। बैठक में पहुंचे सांसद अरविंद सावंत ने कहा कि जो सांसद नहीं आए पार्टी उनके खिलाफ नोटिस जारी करेगी। राज्यसभा सांसद संजय राउत ने कहा कि हमारे सांसदों को किडनैप किया गया है। जो बैठक में आएगा वो हमारे साथ है, जो नहीं आएगा वो गद्दार। गृह मंत्रालय ने महाराष्ट्र पुलिस को 6 बागी सांसदों वाय+ सिक्योरिटी बढ़ाने के निर्देश दिए गए हैं। 6 सांसदों ने बुधवार सुबह बगावत की थी।

- 6 सांसदों के गुट को दल-बदल कानून से मिल सकती है राहत- लोकसभा में शिवसेना के 9 सांसद हैं। दल-बदल कानून के तहत किसी दल में टूट के बाद अयोग्यता से बचने के लिए कम से कम दो-तिहाई सांसदों का साथ होना जरूरी है। यानी अगर 9 में से 6 सांसद एक साथ अलग होने का फैसला करते हैं, तो वे खुद को वैध गुट बताने का दावा कर सकते हैं।

नीट री एग्जाम

आखिर इतना हंगामा क्यों बरपा है...

2 दिन में 4 नीट स्टूडेंट ने किया सुसाइड

- अब गुजरात का छात्र छठी मंजिल से कूदा
- तमिलनाडु की छात्रा ने लिखा-दोबारा एग्जाम से डर

कोयंबटूर (एजेंसी)। तमिलनाडु के कोयंबटूर में नीट की तैयारी कर रही 19 साल की छात्रा अनुकीर्तना ने बुधवार सुबह जहर खाकर आत्महत्या कर ली। मौत से पहले छात्रा ने अपने चाचा और करीबी रिश्तेदारों को वॉट्सएप मैसेज भेजे थे। मैसेज में उसने लिखा- 'मैंने नीट परीक्षा दी थी और मेडिकल कॉलेज में एडमीशन का इंतजार कर रही थी, लेकिन परीक्षा कैंसिल हो गई। अब दोबारा परीक्षा देने से डर लग रहा है। मेरे पापा ने मुझ पर बहुत पैसा खर्च किया है, मैं अब उनका सामना कैसे करूंगी, नहीं जानती।' वहीं, अहमदाबाद के न्यू रानीप इलाके में बुधवार रात करीब 2.30 बजे 17 साल के छात्र ने आनंदम फ्लैट्स के ब्लॉक बी की छठी मंजिल से छलांग लगा दी। पुलिस जांच में पता चला कि छात्र नीट परीक्षा की तैयारी कर रहा था। आत्महत्या का कारण अभी तक पता नहीं चल पाया है।

पिछले दो दिनों में नीट स्टूडेंट की आत्महत्या का यह चौथा मामला है। इससे पहले 16 जून को देहरादून में 23 साल की रिया थापा और लखनऊ में 17 साल की एक छात्रा ने सुसाइड किया था। 12 मई को नीट परीक्षा रद्द होने के बाद देश भर में अब तक लगभग 12 स्टूडेंट्स जान दे चुके हैं।

कोयंबटूर स्थित घर के कमरे में बेहोश मिली थी छात्रा- अनुकीर्तना कोयंबटूर के कोवईपुदुर स्थित पार्क टाउन की रहने वाली थी। उसके पिता सेंथिल प्रभु ट्रेड यूनियन के जिला सचिव हैं। दो बेटियों में अनुकीर्तना बड़ी थी। उसने एट्टिमडई के एक प्राइवेट स्कूल से 12वीं तक पढ़ाई की थी। डॉक्टर बनकर गरीबों की मदद करना उसका सपना था। हालांकि, पेपर लीक के कारण नीट परीक्षा रद्द होने और 21 जून को री-एग्जाम की घोषणा से वह गहरे सदमे में आ गई थी। बुधवार सुबह उसने रिश्तेदारों को एक लंबा वॉट्सएप मैसेज भेजा। छात्रा का मैसेज पढ़ने के बाद परिजन उसके घर पहुंचे। कमरे का दरवाजा तोड़ने पर वह बेहोश मिली। उसे तुरंत शहर के एक निजी अस्पताल ले जाया गया, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई।

पेपर लीक के कारण 3 मई को परीक्षा रद्द हुई

नीट-यूजी परीक्षा 3 मई 2026 को देश भर में आयोजित की गई थी। करीब 23 लाख छात्र परीक्षा में शामिल हुए। परीक्षा के बाद कई राज्यों से प्रश्नपत्र लीक होने और कुछ अभ्यर्थियों को पहले से पेपर मिलने के आरोप सामने आए। जांच में गड़बड़ियों के संकेत मिलने पर एनटीए ने 12 मई को परीक्षा रद्द कर दी। इसके बाद केंद्र सरकार और जांच एजेंसियों की समीक्षा के आधार पर दोबारा परीक्षा कराने का फैसला लिया गया। म नीट यानी नेशनल एलिजिबिलिटी कम एंट्रेंस टेस्ट भारत में मेडिकल और डेंटल कोर्सेज में एडमीशन के लिए होने वाली राष्ट्रीय प्रवेश परीक्षा है। इसकी शुरुआत 2013 में हुई थी। इस परीक्षा के माध्यम से देश के सभी सरकारी और निजी मेडिकल कॉलेजों में नीट, पीजी, आयुष और नर्सिंग जैसे कोर्सेज में एडमिशन मिलता है, जिसमें कई प्रतिष्ठित कॉलेज शामिल हैं। सरकार नीट को लेकर इस बार काफी सतर्क है।

संक्षिप्त समाचार

मेरिट लिस्ट को लेकर विवाद लगातार गहराता जा रहा

मुजफ्फरपुर। मुजफ्फरपुर बीआरए बिहार विश्वविद्यालय में पीएचडी एडमिशन टेस्ट (PAT) 2023-24 की मेरिट लिस्ट को लेकर विवाद लगातार गहराता जा रहा है। अलग-अलग छात्र संगठनों ने मेरिट लिस्ट में धांधली, रोस्टर नियमों के उल्लंघन और गोल्ड मेडलिस्ट छात्रों की अनदेखी का आरोप लगाते हुए आंदोलन का ऐलान किया है। आज विश्वविद्यालय गेस्ट हाउस में संयुक्त छात्र संगठनों की ओर से आयोजित प्रेस वार्ता में छात्र नेताओं ने कहा कि यदि जल्द निष्पक्ष जांच कर कार्रवाई नहीं की गई, तो चरणबद्ध आंदोलन को और तेज किया जाएगा। छात्र नेता डॉ. चंदन यादव ने आरोप लगाया कि PAT 2023-24 की मेरिट लिस्ट तैयार करने में रोस्टर नियमावली की अनदेखी की गई है और मेधावी छात्रों के अधिकारों का हनन हुआ है। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय प्रशासन ने अपने चहेतों और रिश्तेदारों को फायदा पहुंचाने के लिए गोल्ड मेडलिस्ट छात्रों को मेरिट लिस्ट से बाहर कर दिया। यह मेधा और पारदर्शिता दोनों के साथ धोखा है। उन्होंने बताया कि मेरिट लिस्ट जारी होने के बाद छात्र संगठनों ने इसका विरोध किया था। उस दौरान कुलपति ने एक सप्ताह के अंदर पूरे मामले की जांच कर निर्णय लेने का आश्वासन दिया था, लेकिन चार सप्ताह से अधिक समय बीत जाने के बावजूद कोई कार्रवाई नहीं हुई। इसी कारण पूरे मामले की बिंदुवार शिकायत लोकभवन को भी भेजी गई है। छात्र नेताओं ने घोषणा की कि 20 जून को बड़ी संख्या में छात्र लंगट सिंह कॉलेज गेट से कुलपति आवास तक मशाल जुलूस निकालेंगे। उनका कहना है कि यह आंदोलन केवल मेरिट लिस्ट की गड़बड़ी के खिलाफ नहीं, बल्कि विश्वविद्यालय में पारदर्शिता और मेधा के सम्मान की लड़ाई है। इतिहास विभाग के गोल्ड मेडलिस्ट अभिषेक कुमार ने आरोप लगाया कि उन्हें जानबूझकर मेरिट लिस्ट से बाहर रखा गया। उन्होंने कहा कि कुलपति ने जांच के लिए एक सप्ताह का समय मांगा था, लेकिन तीन सप्ताह से अधिक गुजरने के बाद भी कोई निर्णय नहीं लिया गया। अभिषेक ने इंटरव्यू प्रक्रिया पर भी सवाल खड़े करते हुए कहा कि चयन प्रक्रिया पूरी तरह पारदर्शी नहीं थी। उन्होंने आरोप लगाया कि कुछ अभ्यर्थियों को पक्षपातपूर्ण तरीके से अधिक अंक दिए गए, जबकि गोल्ड मेडलिस्ट होने के बावजूद उन्हें अपेक्षाकृत कम अंक देकर मेरिट लिस्ट से बाहर कर दिया गया। भूगोल विभाग के गोल्ड मेडलिस्ट अविनाश कुमार ने भी चयन प्रक्रिया पर गंभीर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि उन्हें जानबूझकर PAT 2023-24 की मेरिट लिस्ट से बाहर रखा गया। उनके अनुसार इंटरव्यू और मूल्यांकन प्रक्रिया में पक्षपात करते हुए कुछ अभ्यर्थियों को अधिक अंक देकर चयनित किया गया। प्रेस वार्ता में छात्र लोजपा विश्वविद्यालय अध्यक्ष चंदन पासवान, ऑल इंडिया स्टूडेंट्स फेडरेशन के अभिषेक कुशवाहा, एनएसयूआई जिला अध्यक्ष आदित्य कुमार, समीर झा, नीरज कुमार समेत विभिन्न छात्र संगठनों के प्रतिनिधि मौजूद रहे। सभी ने एक स्वर में मेरिट लिस्ट की निष्पक्ष जांच और दोषियों पर कार्रवाई की मांग की।

कांटी में ट्रेन के आगे कूदकर युवक ने दी जान

कांटी, मुजफ्फरपुर। मुजफ्फरपुर-मोतिहारी रेल खंड पर कांटी के कपरपुरा स्टेशन के पास श्रीसियां में बुधवार को एक सुसाइड करने की घटना सामने आई। एक युवक ने ट्रेन के आगे कूदकर आत्महत्या कर ली। मौके से रेलवे ट्रैक के किनारे एक सुसाइड नोट भी बरामद किया गया है। बरामद सुसाइड नोट में मृतक युवक ने अपनी पत्नी की बेवफाई का उल्लेख किया है। उसने लिखा है कि उसकी पत्नी किसी अन्य व्यक्ति के साथ प्रेम संबंध में थी, जिससे वह मानसिक रूप से बेहद परेशान था। इसी गहरे सदमे और तनाव के कारण उसने आत्महत्या जैसा कदम उठाने का निर्णय लिया। मृतक की पहचान स्थानीय निवासी अभय कुमार के तौर पर हुई है। जानकारी के अनुसार, उसकी शादी पिछले साल 2025 ही हुई थी। घटना के वक्त युवक ने सफेद शर्ट और जींस पहनी हुई थी। घटना की सूचना मिलने के बाद जीआरपी मौके पर पहुंची। घटना की सूचना कांटी थाना को भी दी गई। पुलिस ने जांच किया। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजने की तैयारी थी, लेकिन परिजनों ने पोस्टमार्टम के लिए इनकार कर दिया। परिजनों ने मृतक का अंतिम संस्कार कर दिया। कांटी थाना प्रभारी रविकांत पाठक ने बताया कि मृतक की पहचान कर ली गई है और उसके परिजनों को सूचित किया गया था, पोस्मार्टम से इनकार करने पर परिजन शव सौंप दिया गया है। घटना स्थल से सुसाइड नोट मिलने से प्रथम दृष्टया मामला आत्महत्या का प्रतीत हो रहा है। परिजन के आवेदन के आधार पर कार्रवाई की जाएगी।

वैशाली में किन्नर से डेढ़ करोड़ की चोरी

हाजीपुर (वैशाली)। वैशाली के सदर थाना क्षेत्र में 12 मई की शाम एक ट्रांसजेंडर से डेढ़ करोड़ रुपये से अधिक के आभूषण और 8.75 लाख रुपये नकद चोरी हो गए। यह घटना स्टेशन रोड पर रेल कोच रेस्टोरेंट और पेट्रोल पंप के बीच हुई। पुलिस कार्रवाई में देरी के विरोध में सैकड़ों किन्नरों ने जिला मुख्यालय पर धरना प्रदर्शन शुरू कर दिया है। पीड़ित ट्रांसजेंडर सपना कुमारी ने सदर थाना में अज्ञात बदमाशों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराई है। उन्होंने बताया कि शुक्रवार देर रात वह अपने ड्राइवर सौरभ कुमार के साथ अपनी एक्सयूवी कार से पटना से महुआ लौट रही थीं। स्टेशन रोड पर रेल कोच रेस्टोरेंट के सामने एक अज्ञात व्यक्ति ने उनकी चलती गाड़ी के रेडिएटर के पास कुछ फेंका। गाड़ी करीब 10 मीटर आगे बढ़ी ही थी कि एक दूसरे अज्ञात व्यक्ति ने इशारा कर गाड़ी से धुआं निकलने की बात कही। इसके बाद ड्राइवर ने गाड़ी रोक दी। धुआं निकलने की बात सुनकर सपना कुमारी और ड्राइवर गाड़ी से नीचे उतरे। उन्हें गाड़ी के अंदर दम घुटने जैसा महसूस हुआ। वे गाड़ी को सड़क किनारे खड़ी कर उसका बोनट खोलकर देखने लगे। इसी अफरा-तफरी का फायदा उठाकर बदमाशों ने गाड़ी की बीच वाली सीट पर रखे गहने और रुपयों से भरे बैग पर हाथ साफ कर दिया। चोरी हुए गहने और रुपये किन्नर समाज के थे, जो उन्हें शगुन के रूप में मिले थे। पुलिस सीसीटीवी फुटेज खंगालकर बदमाशों की पहचान करने में जुटी है। मामले में अपेक्षित पुलिस कार्रवाई न होने से किन्नर समाज में रोष है, जिसके चलते सैकड़ों किन्नरों ने जिला मुख्यालय पर धरना प्रदर्शन शुरू कर दिया है।

भ्रष्टाचार उजागर करने पर पत्रकार का अल्कोहल जांच, हाजीपुर में ब्रेथ एनलाइजर लेकर आधी रात पहुंची पुलिस

हाजीपुर (वैशाली)। हाजीपुर में शराबबंदी कानून के तहत एक पत्रकार के घर पर हुई छापेमारी पर सवाल खड़े हो गए हैं। मंगलवार देर रात उत्पाद विभाग और नगर थाना पुलिस ने दैनिक अखबार 'अहान' के संपादक मनीष कुमार सिंह के राजेंद्र चौक स्थित किराए के मकान पर छापा मारा। ब्रेथ एनालाइजर जांच में पत्रकार में अल्कोहल की मात्रा शून्य पाई गई। यह घटना मंगलवार रात करीब 10 बजे हुई, जब पुलिस और उत्पाद विभाग की टीम पांच गाड़ियों से मौके पर पहुंची। पत्रकार मनीष कुमार सिंह ने बताया कि उनके परिवार के सदस्य सो रहे थे। उन्होंने आरोप लगाया कि उनके परिवार में किसी ने कभी नशा नहीं किया, फिर भी उनकी पत्नी और बच्चों के सामने पूरे घर की तलाशी ली गई। पत्रकार ने इस पूरी घटना का वीडियो अपने मोबाइल में रिकॉर्ड किया। वीडियो में एक महिला कांस्टेबल पत्रकार से ब्रेथ एनालाइजर पर सांस फुंकवाती दिख रही है, जिसमें अल्कोहल की मात्रा 'नील' दर्ज हुई। रिपोर्ट शून्य आने के बाद एक महिला अधिकारी ने सिविल ड्रेस में मौजूद एक युवक को इशारा किया, जिस पर उत्पाद विभाग के इंस्पेक्टर ने उन्हें फटकार लगाई। दोनों अधिकारियों के बीच तीखी बहस भी हुई। मनीष कुमार सिंह ने आरोप लगाया कि यह कार्रवाई प्रशासन के भ्रष्टाचार को लगातार उजागर करने के प्रतिशोध में की गई है। स्थानीय निवासियों ने सवाल उठाया कि क्या पुलिस अब सड़कों के बजाय घरों में सो रहे लोगों की जांच कर रही है। उन्होंने यह भी बताया कि हाजीपुर के राजेंद्र चौक और उत्पाद विभाग कार्यालय के पास नालों की सफाई के दौरान अक्सर बड़ी मात्रा में शराब की बोतलें मिलती हैं, लेकिन उन मामलों में कोई कार्रवाई नहीं होती।

दफादार-चौकीदार मांगों के लिए प्रदर्शन पर उतरे

डाकबंगला चौराहा होते सीएम आवास मार्च करने की तैयारी, पुलिस ने की बैरिकेडिंग

एजेंसी, पटना

पटना में आज बिहार भर से पहुंचे हजारों दफादार-चौकीदार मांगों को लेकर प्रदर्शन पर उतर गए हैं। प्रदर्शनकारी गांधी मैदान से जेपी गोलंबर, डाकबंगला चौराहा होते हुए मुख्यमंत्री आवास की ओर मार्च करने की तैयारी में हैं। संभावित भीड़ और कानून-व्यवस्था को देखते हुए प्रशासन ने गांधी मैदान, जेपी गोलंबर और डाकबंगला चौराहे पर भारी संख्या में पुलिस बल की तैनाती की है।

पहले भी हुआ था लाठीचार्जः इससे पहले फरवरी में चौकीदार-दफादारों ने डाकबंगला चौराहे की बैरिकेडिंग पार कर आगे बढ़ने की कोशिश की थी। पुलिस ने उन्हें रोकने का प्रयास किया, लेकिन प्रदर्शनकारियों के आगे बढ़ने पर लाठीचार्ज किया गया था। उस दौरान कई प्रदर्शनकारी घायल हुए थे, जबकि एक आंदोलनकारी के गंभीर रूप से जख्मी होने की भी सूचना सामने आई थी।

शांतिपूर्ण प्रदर्शन की अनुमतिः पिछले प्रदर्शनों के दौरान हंगामा को देखते हुए इस बार प्रशासन पूरी तरह सतर्क है। गांधी मैदान से लेकर सीएम हाउस जाने वाले पूरे रूट पर सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है। अधिकारियों का कहना है कि प्रदर्शनकारियों को शांतिपूर्ण ढंग से अपनी बात रखने की अनुमति है, लेकिन किसी भी स्थिति में कानून-व्यवस्था से खिलवाड़ नहीं होने दिया जाएगा।

बिहार के 21 जिलों में बारिश का अलर्ट

एजेंसी, पटना

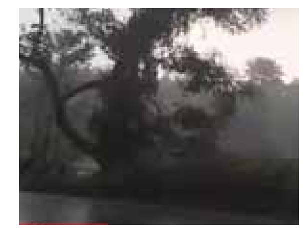

बिहार में मानसून की रफ्तार धीमी होने के कारण प्रदेश में सामान्य से कम बारिश हो रही है। वहीं, पटना समेत दक्षिण बिहार के कई इलाके तेज धूप और भीषण गर्मी की चपेट में हैं। मौसम विभाग ने आज 21 जिलों में बारिश का यलो अलर्ट जारी किया है। इन जिलों में 50Kmph की रफ्तार से तेज हवा चलने की संभावना है। अगले 48 घंटों के दौरान मौसम में बदलाव की संभावना है। उधर, अररिया में तेज बारिश के दौरान आकाशीय बिजली गिरने से दो लोगों की मौत हो गई। 42 डिग्री के साथ कैमूर प्रदेश का सबसे गर्म जिला रहा। 8 जिलों का तापमान 40 डिग्री से ऊपर रहा।

8 जिलों का तापमान 40°C पारः छपरा, पटना, औरंगाबाद, शेखपुरा, गया, रोहतास, बक्सर, कैमूर में बुधवार को पारा 40°C से ज्यादा रहा। कैमूर में 42.1°C, बक्सर में 41.5°C तापमान दर्ज किया गया।

19 जून से पूरे बिहार में बिगड़ सकता है मौसमः मौसम विभाग के अनुसार, 19 जून से पूरे बिहार में मौसम का असर व्यापक रूप से देखने को मिलेगा। उत्तर बिहार के जिलों के लिए ऑरेंज अलर्ट, जबकि दक्षिण बिहार के जिलों के लिए येलो अलर्ट जारी किया गया है। पूर्वी चंपारण, पश्चिम चंपारण और सीतामढ़ी में भारी से बहुत भारी बारिश होने की संभावना है। इसके अलावा, राज्य के अधिकांश जिलों में बारिश, मेघगर्जन और वज्रपात को लेकर चेतावनी जारी की गई है।

बिहार यूथ कांग्रेस चुनाव के लिए नामांकन शुरू, इंडियन यूथ कांग्रेस ऐप से होगी चुनाव प्रक्रिया

एजेंसी, पटना

बिहार यूथ कांग्रेस चुनाव के लिए आज से नामांकन की प्रक्रिया शुरू हो चुकी है। यह चुनाव कुल 6 पदों के लिए- स्टेट प्रेसिडेंट, स्टेट जनरल सेक्रेटरी, डिस्ट्रिक्ट प्रेसिडेंट, डिस्ट्रिक्ट जनरल सेक्रेटरी, असेंबली कमिटी और ब्लॉक कमिटी होगा। सभी 53 संगठननत्मक जिलों में चुनाव होगा। 9 जून को पुराने कमेटी का कार्यकाल समाप्त हो चुका है और अब नई कमेटी के गठन के लिए यह चुनाव प्रक्रिया जारी है। बिहार में कुल 638 ब्लॉक है तो स्टेट प्रेसिडेंट का चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार को कम से कम 64 ब्लॉक में से एक-एक रेफरेंस आना जरूरी है।

मेंबरशिप ड्राइव कर करीब 10 लाख युवा कांग्रेस से जुड़ेंगेः बिहार यूथ कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष शिव प्रकाश गरीबदास ने कहा कि, 'बिहार में यूथ कांग्रेस के मेंबरशिप का ड्राइव शुरू हो चुका है। इस मेंबरशिप ड्राइव के जरिए करीब 10 लाख बिहार के युवा कांग्रेस से जुड़ेंगे। इस मेंबरशिप को नई धार देने के लिए और बिहार के युवाओं की आवाज बुलंद करने के लिए राहुल गांधी 11 जुलाई को बिहार आ रहे हैं।' शिव प्रकाश गरीबदास ने अपील करते हुए कहा कि, 'कार्यकर्ता अधिक संख्या में पहुंचकर राहुल जी की आवाज को मजबूत करें। अपनी आवाज से कांग्रेस की आवाज बनकर पेपर लीक की सरकार से मुक्ति पाए।'

इंडियन यूथ कांग्रेस ऐप से होगी चुनाव प्रक्रियाः इस चुनाव में जनरल, ओबीसी, ईबीसी, महिला, माइनॉरिटी सभी को जगह दी गई है। प्रदेश अध्यक्ष के चुनाव के लिए 20,000 फीस है, जिसमें से एससी, एसटी और महिला के लिए 10000 है। पूरी चुनाव की प्रक्रिया इंडियन यूथ कांग्रेस ऐप के जरिए होगी। लोगों को सबसे पहले इस ऐप से रजिस्टर करना है। फिर नामांकन भरने के बाद सभी डाक्यूमेंट्स को जमा करना है। अगर किसी तरह का FIR दर्ज है, तो उसकी भी जानकारी देनी है। उसके बाद 8 सेकंड का वीडियो भी रिकॉर्ड करना है। इसके बाद सभी नॉमिनेशन की स्क्रुटनी की जाएगी।

पटना यूनिवर्सिटी मुख्यालय की बढ़ी सुरक्षा, बंदूकधारी जवान तैनात

एजेंसी, पटना

पटना यूनिवर्सिटी प्रशासन ने मुख्यालय की सुरक्षा कड़ी कर दी है। सामान्य सुरक्षा कर्मियों को हटाकर सभी गेट पर बंदूकधारी सुरक्षा कर्मी तैनात किए गए हैं। यहां तक की गेट पर लोहे की चादरें लगा दी गई है, ताकि आंदोलनकारी ग्रिल पर पैर रख कर गेट को पार नहीं कर सके। यूनिवर्सिटी प्रशासन ने यह सारी सुरक्षा आंदोलनकारी छात्र अंदर प्रवेश नहीं कर सके, इसे देखते हुए किया है। बीते दिनों पटना यूनिवर्सिटी में कई प्रदर्शन हुए हैं और कई छात्र धरने पर भी बैठे हैं।

रजिस्ट्रर पर इंट्री करने के बाद मिलेगा प्रवेशः यूनिवर्सिटी के मुख्य द्वार से प्रवेश करने से पहले गेट पर वहां रजिस्ट्रर पर इंट्री करने के बाद ही छात्रों को अंदर जाने दिया जाएगा। यूनिवर्सिटी के सभी गेटों पर सीसीटीवी से निगरानी भी रखी जा रही है। विश्वविद्यालय के DSW प्रो. कामेश्वर पंडित ने बताया कि, 'बहुत सारे गेट डैमेज हो चुके थे, इसीलिए रिनोवेशन के क्रम में सभी गेट का मरम्मत किया गया है। पहले गेट पूरी तरह से खुला था, इसलिए उसे कुछ लेवल तक कवर कर दिया गया है, ताकि बाहर से कोई अवरोध न दिखे।'

सभी गेटों पर बंदूकधारी सुरक्षा कर्मी तैनातः पटना यूनिवर्सिटी प्रशासन इन दिनों मुख्यालय की सुरक्षा चाकचौबंद करने में लगा हुआ है। नई व्यवस्था के तहत विश्वविद्यालय प्रशासन ने मुख्यालय के सभी छह गेट पर लोहे की मोटी चादर भी लगा दी है। इससे अंदर नहीं देखा जा सकेगा। पटना यूनिवर्सिटी परिसर में सामान्य सुरक्षा कर्मियों को हटाकर सभी गेट से लेकर कुलपति कार्यालय, डीएसडब्ल्यू और प्राक्टर कार्यालय तक बंदूकधारी सुरक्षा कर्मी तैनात किए गए हैं।

> ❒ छात्र आंदोलन के चलते किया बदलाव, गेट पर इंट्री करने के बाद ही मिलेगा प्रवेश

महिला आयोग ने मुंगेर एसपी से मांगी जांच रिपोर्ट

डायन बताकर महिला पर तलवार में हुआ था हमला

> ◆ दोषियों पर तुरंत कार्रवाई के लिए कहा

एजेंसी, पटना

मुंगेर जिला के मुफस्सिल थाना क्षेत्र के एक गांव में डायन बताकर महिला पर तलवार से हमला किया गया था। इस मामले में बिहार राज्य महिला आयोग ने खुद संज्ञान लिया है। महिला आयोग की अध्यक्ष ने मुंगेर के एसपी को पत्र लिखा है और इस मामले पर दोषियों के विरुद्ध तुरंत कार्रवाई करने को कहा है।

मुंगेर में गंगा स्नान के दौरान शुरू हुआ विवादः सोमवार को मुफस्सिल थाना क्षेत्र के नौवागढ़ी बजरंगबली नगर की रहने वाली एक महिला को 'डायन' बताकर उन पर तलवार से वार किए गए। पीड़िता अपने परिजनों के साथ मनियारचक गंगा घाट पर स्नान करने गई थीं। इसी दौरान उनके पड़ोसी की पत्नी वहां पहुंची और उनके साथ विवाद शुरू कर दिया। इस खूनी हमले में महिला गंभीर रूप से घायल हो गई है, जिन्हें इलाज के लिए आनन-फानन में सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

बेटे की गंगा में डूबने से हुई मौत, पड़ोसी को माना डायनः पीड़िता ने पुलिस को बताया कि इस खूनी रंजिश की शुरुआत करीब एक साल पहले हुई थी। लगभग एक साल पहले पड़ोसी जानों मंडल के बेटे की गंगा नदी में डूबने से मौत हो गई थी। इस दुखद घटना के बाद से ही पड़ोसी का पूरा परिवार पीड़िता को ही दोषी मानने लगा और उन्हें 'डायन' कहकर लगातार मानसिक और शारीरिक रूप से प्रताड़ित करता आ रहा था। इसी अंधविश्वास के चलते सोमवार को गंगा घाट पर उन पर जानलेवा हमला किया गया।

'सुरक्षा घटाने-आवास का फैसला सुरक्षा समिति का, राजनीतिक हस्तक्षेप नहीं', लालू के आरोपों पर अशोक चौधरी का पलटवार

एजेंसी, पटना

पटना के 10 सर्कुलर रोड स्थित राबड़ी आवास और सुरक्षा घटाने के विवाद पर राजनीति तेज हो गई है। बीते कल RJD सुप्रीमो लालू यादव ने मीडियो को दिए बयान में कहा था कि, 'सब नीतीश कुमार करवा रहे हैं।' इस बयान पर जदयू नेता और बिहार सरकार के मंत्री अशोक चौधरी का बड़ा बयान आया है। उन्होंने कहा कि, 'लालू जी मेंटली गड़बड़ा गए हैं। जब तक नीतीश कुमार सत्ता ने थे, तो आप राबड़ी आवास में रहे। अब जब सरकार ने आपको एक व्यवस्थित जगह अलग से दे दिया है, तब आप जबरदस्ती दबाव बना रहे हैं। कह रहे हैं कि सब नीतीशवे करवा रहा है।' सुरक्षा घटाने के आरोपों और जवानों को लौटाने के सवाल पर मंत्री अशोक चौधरी ने कहा कि, 'सुरक्षा और आवास का सभी निर्णय तो सुरक्षा समिति और पुलिस विभाग करती है न। इसमें किसी तरह का कोई राजनीतिक हस्तक्षेप नहीं है।' राबड़ी आवास और सुरक्षा से जुड़े मुद्दे पर राजद सुप्रीमो लालू यादव ने पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा, "हां, हमारी सुरक्षा हटा ली गई है। सब कुछ नीतीश कुमार करवा रहे हैं।" इससे पहले सिंगापुर से लौटने के दौरान दिल्ली एयरपोर्ट पर सुरक्षा घटाने और बंगला खाली करने के नोटिस को लेकर उन्होंने कहा था, "सब पागल हो गए हैं। घृणा कर रहे हैं। मुझे उन लोगों से कोई फर्क नहीं पड़ता।"

वहीं बंगला विवाद और सुरक्षा में कटौती को लेकर पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी और नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने सीएम सम्राट चौधरी पर निशाना साधा था। दोनों नेताओं ने आरोप लगाया था कि सम्राट चौधरी बदला ले रहे हैं।

बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री लालू यादव और राबड़ी देवी की सुरक्षा को लेकर बिहार पुलिस ने x पर पोस्ट कर जानकारी दी हैं। यह बयान बिहार पुलिस ने तब दिया हैं, जब दोनों पूर्व मुख्यमंत्री ने सुरक्षा में कटौती के बाद अपनी पूरी सुरक्षा लौटा दी थी। बिहार पुलिस ने कहा है कि दोनों माननीय को सुरक्षा सरकार के तरफ़ से प्रदान की गई है। दोनों नेताओं को वर्तमान में विशेष सुरक्षा दल अधिनियम 2010 के अनुसार सुरक्षा प्रदान किया गया है, जिसमें अंगरक्षक/ आवास गार्ड/ स्कॉट गार्ड/ पायलट के अतिरिक्त BR Car भी उपलब्ध कराया गया है। रविवार रात लालू यादव के साथ उनकी बेटी और सांसद Misa Bharti भी मौजूद थीं। बंगला खाली करने के सवाल पर उन्होंने कहा, "हम 15 दिन के अंदर बंगला खाली कर देंगे।" वहीं, लालू परिवार की सुरक्षा घटाए जाने के मुद्दे पर मीसा भारती ने कहा, "लालू जी और राबड़ी जी को सुरक्षा की जरूरत नहीं है। लालू-राबड़ी के साथ उनके चाहने वाले बहुत हैं। मैं भी अपनी सुरक्षा लौटा रही हूं।" इधर, बीते रविवार को राबड़ी देवी पटना के कौटिल्य नगर स्थित घर का कामकाज देखने पहुंची थीं। बताया जा रहा है कि सरकारी आवास खाली करने के बाद लालू परिवार इसी घर में शिफ्ट होगा।

विवाद बंगला खाली करने के नोटिस से शुरू हुआः 29 मई को भवन निर्माण विभाग ने राबड़ी देवी को बंगला खाली करने के लिए तीसरा नोटिस दिया। दिल्ली से पटना लौटते ही पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी के तेवर बेहद आक्रामक नजर आए। उन्होंने सरकार को खुली चुनौती देते हुए कहा, '10, सर्कुलर रोड वाला आवास किसी भी कीमत पर खाली नहीं करेंगे। सम्राट चौधरी अभी नए-नए मुख्यमंत्री बने हैं।

CM बोले- बंगला खाली होने से कोई माई का लाल नहीं रोक सकताः मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने राबड़ी देवी के बयान का जवाब दिया। उन्होंने कहा, 'कुछ लोगों को लगता है मेरा घर खाली हो जाएगा। पक्का खाली होगा। धरती पर कोई रोक नहीं सकता है। कोई माई का लाल रोक नहीं सकता है। कोई राजतंत्र नहीं है। लोकतंत्र है। मां को अलग घर चाहिए। बेटे को अलग घर चाहिए। मां-बेटे और पति को अलग-अलग सुरक्षा चाहिए। बिहार में हरा गमछा, हरा गमछा शांति का प्रतीक है। जो गुंडागर्दी करेगा उसे तो जेल में डालेंगे ही ना। जो गुंडागर्दी करेगा उसके लिए एक ही जगह है मुजफ्फरपुर की जेल।' CM सम्राट चौधरी ने कहा, बंगला किसी की बपौती नहीं है। लोगों को बंगले से मोह हो गया है। बेटे को अलग घर चाहिए, मां को अलग घर चाहिए। मैं जब मुख्यमंत्री आवास में गया तो मैंने कहा, आप बाहर लिखवा दीजिए ये लोकसेवक का आवास है।

बिहटा प्रखंड परिसर में नए भवन का निर्माण कार्य शुरू, पुराने भवनों पर चला बुलडोजर

एजेंसी, पटना

पटना जिले के बिहटा प्रखंड परिसर में नए प्रखंड कार्यालय और आवासीय भवनों के निर्माण की दिशा में काम शुरू हो गया है। गुरुवार से परिसर में मौजूद पुराने सरकारी भवनों को जेसीबी और बुलडोजर की मदद से ध्वस्त किया जा रहा है। प्रशासन के अनुसार, जिन भवनों को हटाया जा रहा है वे करीब 50 साल से अधिक पुराने हो चुके हैं। इन्हें हटाकर यहां आधुनिक सुविधाओं से युक्त नया प्रखंड मुख्यालय, सभागार और सरकारी आवासीय परिसर विकसित किया जाएगा।

प्रशासनिक ढांचे को आधुनिक बनाने की तैयारीः चल रहे कार्य का निरीक्षण करने के लिए बिहटा के प्रखंड विकास पदाधिकारी शिवजन्म राम स्वयं मौके पर पहुंचे। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्माण और ध्वस्तीकरण कार्य को तय मानकों के अनुसार पूरा करने के निर्देश दिए। जानकारी के मुताबिक, प्रखंड परिसर में मौजूद कई पुराने भवन लंबे समय से अनुपयोगी हो चुके थे। स्थानीय स्तर पर यह भी रिपोर्ट दी गई थी कि कुछ भवनों का उपयोग असामाजिक तत्वों द्वारा किया जा रहा था। इसके बाद भवनों को हटाने और नए निर्माण की प्रक्रिया को मंजूरी दी गई। प्रखंड विकास पदाधिकारी ने बताया कि बिहार सरकार के भवन निर्माण विभाग की ओर से नए प्रखंड मुख्यालय और सभागार के निर्माण की योजना स्वीकृत की गई है। उन्होंने कहा कि परिसर में मौजूद लगभग 10 पुराने सरकारी भवनों को चरणबद्ध तरीके से ध्वस्त किया जाएगा। इसके बाद इसी स्थान पर नया प्रशासनिक परिसर बनाया जाएगा।

नई इमारत में होंगी आधुनिक सुविधाएंः अधिकारियों के मुताबिक, मौजूदा प्रखंड कार्यालय काफी पुराना हो चुका था और कामकाज में कई तरह की दिक्कतें आ रही थीं। नए भवन में आधुनिक प्रशासनिक सुविधाएं विकसित की जाएंगी, जिससे आम लोगों को सरकारी सेवाएं प्राप्त करने में अधिक सुविधा मिलेगी।

> ❒ बनेगा नया आधुनिक प्रखंड मुख्यालय और आवासीय परिसर

प्रवर्तन निदेशालय की रिपोर्ट पूरी तरह से गलत

एजेंसी, पटना

बिहार में हुए टेंडर घोटाला का मास्टरमाइंड और ठेकेदार रिशु श्री बेहद शातिर है। स्पेशल विजिलेंस यूनिट (SVU) की टीम को उसका शातिराना अंदाज देखने को मिला है। वो भी उस दौरान जब रिशु श्री 5 दिनों की पुलिस रिमांड पर है। सूत्रों के मुताबिक, बेउर जेल से बाहर आने के बाद उसका तौर तरीका बदला हुआ मिला।

उसके हाव-भाव पूरी तरह से बदले गए हैं। जब टीम ने उससे पूछताछ शुरू की तो वह शुरुआत में सपोर्ट ही नहीं कर रहा था। बार-बार कह रहा था कि उसने कुछ नहीं किया है। उसे फंसाया गया है। सवाल पूछे जाने पर गोलमोल बातें कर घूमा रहा था। पूछताछ के दौरान रिशु श्री ने यहां तक कह दिया कि प्रवर्तन निदेशालय (ED) की रिपोर्ट पूरी तरह से गलत है। फर्जी तरीके से बनाई गई है। इसके आधार पर SVU ने जो FIR दर्ज की है, वो भी सही नहीं है। मतलब, वह जांच एजेंसियों के ऊपर ही सवाल खड़ा कर रहा था। जब SVU ने उसे गिरफ्तार किया था, तब उस वक्त की पूछताछ में वो सारे सवालों का जवाब सही तरीके से दे रहा था।

संक्षिप्त समाचार

शराब के खिलाफ पुलिस की बड़ी कार्रवाई, 202 लीटर नेपाली शराब बरामद, एक तस्कर गिरफ्तार

बीएनएम@ मोतिहारी। जिले में शराब तस्करों के विरुद्ध चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत पुलिस ने अलग-अलग थाना क्षेत्रों में कार्रवाई करते हुए भारी मात्रा में नेपाली शराब बरामद की है। इस दौरान एक शराब कारोबारी को गिरफ्तार किया गया है, जबकि एक चोरी की मोटरसाइकिल भी जब्त की गई है। पुलिस के अनुसार, घोड़ासहन थाना क्षेत्र में विशेष अभियान के दौरान 69.3 लीटर नेपाली शराब के साथ एक शराब कारोबारी को गिरफ्तार किया गया। कार्रवाई के दौरान उसके पास से एक चोरी की मोटरसाइकिल भी बरामद की गई। गिरफ्तार आरोपी के विरुद्ध घोड़ासहन थाना कांड संख्या-131/26 (उत्पाद अधिनियम) दर्ज कर अग्रिम कार्रवाई की जा रही है। वहीं ढाका थाना क्षेत्र में गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस ने यादवपुर बखरी गांव में छापेमारी की। इस दौरान बृज किशोर यादव, पिता सोनीलाल यादव, के घर के पीछे से 444 बोतल नेपाली शराब बरामद की गई। बरामद शराब की कुल मात्रा 133 लीटर बताई गई है। पुलिस ने बताया कि दोनों मामलों में उत्पाद अधिनियम के तहत कार्रवाई की जा रही है। शराब तस्करी एवं कारोबार में संलिप्त अन्य लोगों की पहचान कर उनकी गिरफ्तारी के लिए छापेमारी जारी है। पुलिस अधिकारियों ने कहा कि जिले में शराबबंदी कानून को प्रभावी ढंग से लागू करने के लिए विशेष अभियान लगातार चलाया जा रहा है और अवैध शराब के कारोबार में शामिल लोगों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी।

डकैती, आर्म्स एक्ट व विस्फोटक पदार्थ मामले में दोषी को 10 वर्ष की सजा

बीएनएम@ बेतिया। बेतिया पुलिस द्वारा प्रस्तुत साक्ष्य एवं समर्पित चार्जशीट के आधार पर एक चर्चित आपराधिक मामले में न्यायालय ने अभियुक्त को दोषी ठहराते हुए कठोर कारावास एवं जुर्माने की सजा सुनाई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, जिला एवं अपर सत्र न्यायाधीश (एडीजे-09), बेतिया की अदालत ने शिकरपुर थाना कांड संख्या-310/12 के आरोपी रमेश कुमार यादव, पिता सोनेलाल यादव, निवासी जटियाही, थाना धनुषा (नेपाल) को दोषी करार दिया। अभियुक्त द्वारा अपना अपराध स्वीकार किए जाने के आधार पर अदालत ने भारतीय दंड संहिता की धारा 395, आर्म्स एक्ट की धारा 27 तथा विस्फोटक पदार्थ अधिनियम की धारा 3/4 के तहत सजा सुनाई। अदालत ने अभियुक्त को धारा 395 के तहत 10 वर्ष के कठोर कारावास एवं 10 हजार रुपये जुर्माना, धारा 27 आर्म्स एक्ट के तहत 3 वर्ष के कठोर कारावास एवं 5 हजार रुपये जुर्माना की सजा सुनाई। वहीं विस्फोटक पदार्थ अधिनियम की धारा 4 के तहत 10 वर्ष के कठोर कारावास एवं 10 हजार रुपये जुर्माना लगाया गया। धारा 3 के तहत अभियुक्त को अब तक जेल में बिताई गई अवधि के बराबर दंडित माना गया है। अदालत ने आदेश दिया कि सभी सजाएं साथ-साथ चलेंगी। बताया गया कि अभियुक्त वर्ष 2013 से ही जेल में बंद है। मामले में अभियोजन पक्ष की ओर से अपर लोक अभियोजक चंद्रशेखर प्रसाद ने प्रभावी पैरवी की। बेतिया पुलिस ने बताया कि सुदृढ़ अनुसंधान, साक्ष्य संकलन एवं समय पर चार्जशीट दाखिल किए जाने के कारण अभियुक्त को सजा दिलाने में सफलता मिली है। पुलिस अधिकारियों ने कहा कि गंभीर अपराधों में संलिप्त अपराधियों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई जारी रहेगी तथा दोषियों को कानून के अनुसार सजा दिलाने के लिए पुलिस प्रतिबद्ध है।

पुलिस अधीक्षक ने सुनी जनशिकायतें, समस्याओं के समाधान का दिया निर्देश

बीएनएम@ बगहा। पुलिस अधीक्षक कार्यालय, बगहा में गुरुवार को जन सुनवाई कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान पुलिस अधीक्षक ने आम नागरिकों की शिकायतें सुनीं और उनके त्वरित एवं नियमानुसार निष्पादन के लिए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। जन सुनवाई में बड़ी संख्या में पहुंचे आवेदकों ने अपनी-अपनी समस्याएं और शिकायतें पुलिस अधीक्षक के समक्ष रखीं। पुलिस अधीक्षक ने सभी मामलों को गंभीरता से सुनते हुए उनके समाधान के लिए आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। पुलिस प्रशासन ने बताया कि पुलिस कार्यालय बगहा में प्रत्येक कार्य दिवस पर सुबह 10 बजे से दोपहर 2 बजे तक जन सुनवाई आयोजित की जाती है। इस दौरान आम नागरिक अपनी शिकायतें, समस्याएं एवं आवेदन प्रस्तुत कर सकते हैं, जिन पर नियमानुसार कार्रवाई की जाती है। पुलिस अधीक्षक ने कहा कि आम जनता की समस्याओं का त्वरित समाधान पुलिस की प्राथमिकता है। जन सुनवाई के माध्यम से लोगों की शिकायतों का निष्पक्ष एवं पारदर्शी तरीके से निस्तारण किया जा रहा है। बगहा पुलिस ने आमजन से अपील की है कि किसी भी प्रकार की समस्या या शिकायत होने पर वे जन सुनवाई कार्यक्रम में पहुंचकर अपनी बात रख सकते हैं। पुलिस प्रशासन लोगों की सेवा और सुरक्षा के लिए सदैव तत्पर है।

लूटकांड में दो दोषियों को तीन-तीन वर्ष की सजा, पांच-पांच हजार रुपये का जुर्माना

बीएनएम@ बगहा। बगहा पुलिस द्वारा प्रस्तुत साक्ष्य, पुलिस गवाही एवं समर्पित चार्जशीट के आधार पर लूट के एक मामले में न्यायालय ने दो अभियुक्तों को दोषी ठहराते हुए तीन-तीन वर्ष के कठोर कारावास एवं जुर्माने की सजा सुनाई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, रामनगर थाना कांड संख्या-306/24, दिनांक 11 जुलाई 2024 में विकास कुमार, पिता केदार प्रसाद, निवासी सोनखर, थाना रामनगर के साथ बरगजवा शाही जी के बगीचा के पास लूट की घटना हुई थी। इस मामले में रामनगर थाना में धर्मेंद्र कुमार उर्फ बिच्चु, पिता कैलाश यादव तथा बिल्टू यादव उर्फ बिल्टू कुमार यादव, पिता सुदर्शन यादव, दोनों निवासी सेमरा बड़गो, थाना रामनगर, जिला पश्चिम चंपारण के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज की गई थी। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस पदाधिकारी ने अनुसंधान के दौरान वैज्ञानिक एवं तकनीकी साक्ष्य एकत्रित किए और न्यायालय में अंतिम आरोप पत्र समर्पित किया। पुलिस अधीक्षक, बगहा भी इस कांड की लगातार निगरानी कर रहे थे। सुनवाई के उपरांत न्यायालय ने दोनों अभियुक्तों को भारतीय न्याय संहिता की धारा 309(4) एवं 317(2) के तहत दोषी पाते हुए तीन-तीन वर्ष के कठोर कारावास तथा प्रत्येक को पांच हजार रुपये अर्थदंड की सजा सुनाई। अर्थदंड नहीं देने की स्थिति में पांच माह का अतिरिक्त कठोर कारावास भुगतना होगा। मामले में अभियुक्तों को सजा दिलाने में अनुमंडल अभियोजन पदाधिकारी अनीश कुमार की महत्वपूर्ण भूमिका रही। बगहा पुलिस ने कहा कि अपराधियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई जारी रहेगी तथा वैज्ञानिक अनुसंधान और प्रभावी अभियोजन के माध्यम से दोषियों को कानून के अनुसार सजा दिलाने का प्रयास लगातार किया जा रहा है।

'लूटकांड में पुलिस की त्वरित कार्रवाई, घटना में प्रयुक्त मोटरसाइकिल बरामद

बीएनएम@बगहा। भैरोगंज थाना क्षेत्र में हुई लूट की घटना के मामले में बगहा पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए घटना में प्रयुक्त मोटरसाइकिल बरामद कर ली है। इस संबंध में भैरोगंज थाना कांड संख्या 91/26, दिनांक 17 जून 2026 को भारतीय न्याय संहिता की धारा 309(4) के तहत मामला दर्ज किया गया है। पुलिस द्वारा की गई कार्रवाई के दौरान बरामद मोटरसाइकिल को विधिसम्मत कार्रवाई के लिए पुलिस अभिरक्षा में रखा गया है। मामले में आगे की जांच एवं अनुसंधान जारी है तथा घटना में शामिल अन्य आरोपियों की पहचान और गिरफ्तारी के लिए छापेमारी की जा रही है। बगहा पुलिस ने बताया कि अपराध नियंत्रण एवं विधि-व्यवस्था संधारण को लेकर पुलिस लगातार सक्रिय है। आमजन की सुरक्षा और अपराधियों के विरुद्ध प्रभावी कार्रवाई के लिए विशेष अभियान चलाया जा रहा है। पुलिस अधिकारियों ने कहा कि मामले के सभी पहलुओं की गहन जांच की जा रही है और दोषियों को जल्द ही गिरफ्तार कर कानून के दायरे में लाया जाएगा।

महात्मा गांधी केंद्रीय विश्वविद्यालय के पांच एमबीए छात्रों का प्रतिष्ठित कंपनियों में चयन

बीएनएम@ मोतिहारी

महात्मा गांधी केंद्रीय विश्वविद्यालय (एमजीसीयू), मोतिहारी के प्रबंधन विज्ञान विभाग के लिए गौरवपूर्ण उपलब्धि सामने आई है। एमबीए सत्र 2024-26 के पांच छात्रों का कैंपस प्लेसमेंट के माध्यम से प्रतिष्ठित कंपनियों में चयन हुआ है। चयनित छात्रों में आयुष कुमार, रितेश कुमार सोनू, विशाल कुमार सिंह एवं उत्तम कुमार का चयन श्रीराम फाइनेंस लिमिटेड में हुआ है, जबकि रौशन कुमार का चयन तिरुपति स्कैफोल्डिंग एंड शटरिंग, बेंगलुरु में किया गया है। विश्वविद्यालय प्रशासन के अनुसार चयनित विद्यार्थियों को उनकी योग्यता, कौशल और दक्षता के आधार पर प्रबंधकीय, विपणन एवं व्यवसाय विकास से जुड़े महत्वपूर्ण दायित्व सौंपे जाएंगे। यह सफलता छात्रों की कड़ी मेहनत, समर्पण तथा विभाग द्वारा उपलब्ध कराए गए गुणवत्तापूर्ण शिक्षण, प्रशिक्षण और मार्गदर्शन का परिणाम है। चयनित विद्यार्थियों को आकर्षक वेतन पैकेज के साथ-साथ करियर विकास के उत्कृष्ट अवसर भी प्राप्त होंगे। इस उपलब्धि पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. संजय श्रीवास्तव ने सभी चयनित विद्यार्थियों को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल एवं सफल भविष्य की कामना की। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों की यह सफलता विश्वविद्यालय की शैक्षणिक उत्कृष्टता, गुणवत्तापूर्ण शिक्षण तथा उद्योगोन्मुखी प्रशिक्षण का प्रतिफल है। उन्होंने विश्वास जताया कि ये विद्यार्थी अपने-अपने कार्यक्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर विश्वविद्यालय का नाम राष्ट्रीय स्तर पर गौरवान्वित करेंगे। प्रबंधन विज्ञान विभाग की विभागाध्यक्ष प्रो. सपना सुगंधा ने भी चयनित छात्रों को बधाई देते हुए कहा कि विद्यार्थियों की यह उपलब्धि विभाग की शैक्षणिक उत्कृष्टता, उद्योगोन्मुखी प्रशिक्षण तथा छात्रों के सर्वांगीण विकास के प्रति विभाग की प्रतिबद्धता को दर्शाती है। विभाग के अन्य संकाय सदस्य प्रो. सरोज रंजन, डॉ. शिवेन्द्र सिंह, डॉ. अरुण कुमार, डॉ. कमलेश कुमार एवं डॉ. राजीव रंजन चौबे ने भी चयनित विद्यार्थियों को बधाई देते हुए उनके सफल एवं उज्ज्वल व्यावसायिक जीवन की शुभकामनाएं दीं। वहीं चयनित विद्यार्थियों ने अपनी सफलता का श्रेय विश्वविद्यालय के शिक्षकों, विभाग तथा उनके निरंतर मार्गदर्शन, सहयोग और प्रेरणा को दिया। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय में प्राप्त ज्ञान, कौशल एवं व्यावहारिक अनुभव ने उन्हें कॉर्पोरेट जगत की चुनौतियों का सफलतापूर्वक सामना करने के लिए तैयार किया है। यह उपलब्धि विश्वविद्यालय की गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और बेहतर प्लेसमेंट व्यवस्था का प्रमाण है।

रिमांड पर लिए गए आर्म्स एक्ट के आरोपी की निशानदेही पर पिस्टल बरामद

बीएनएम@ तुरकौलिया

पुलिस ने आर्म्स एक्ट के एक आरोपी को रिमांड पर लेकर पूछताछ की, जिसके बाद उसकी निशानदेही पर पिस्टल बरामद कर ली गई। बरामद हथियार आरोपी के घर के बगल स्थित खेत से मिला है। रिमांड पर लिया गया आरोपी जयसिंहपुर बाबू टोला निवासी आरिफ अंसारी है। पुलिस के अनुसार आरिफ ने अपने साथियों के साथ मिलकर जयसिंहपुर शम्भू टोला निवासी मासूम अली को घेरकर मारपीट और छीनाझपटी की थी। घटना के दौरान आरोपियों ने मासूम अली की कनपटी पर पिस्टल तान दी थी और गोली चलाने की कोशिश कर रहे थे। इसी बीच पीड़ित ने साहस दिखाते हुए उनका विरोध किया और धक्का-मुक्की के दौरान पिस्टल की मैगजीन बाहर गिर गई। मैगजीन में दो जिंदा कारतूस भी मौजूद थे। घटना के समय शोर सुनकर ग्रामीण मौके पर पहुंच गए, जिसके बाद एक आरोपी मिंटू अंसारी को पकड़ लिया गया, जबकि आरिफ अंसारी और उसका साथी तबरेज मौके से फरार हो गए। पुलिस दबाव बढ़ने पर आरिफ ने बाद में न्यायालय में आत्मसमर्पण कर दिया था। पुलिस को पहले ही मैगजीन और कारतूस मिल चुके थे, लेकिन पिस्टल बरामद नहीं हो सकी थी। इसके बाद पुलिस ने आरिफ को रिमांड पर लेकर पूछताछ की। पूछताछ के दौरान मिली जानकारी के आधार पर उसके घर के समीप खेत से पिस्टल भी बरामद कर ली गई। थानाध्यक्ष संपत कुमार ने बताया कि पूछताछ में आरोपी ने कई महत्वपूर्ण जानकारियां दी हैं। उसके बताए गए अन्य लोगों की तलाश की जा रही है। वहीं मामले में फरार आरोपी तबरेज की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी जारी है।

राज्य निर्वाचन आयोग के सचिव ने किया ईवीएम वेयरहाउस का निरीक्षण, अधिकारियों को दिए आवश्यक निर्देश

बीएनएम@ मोतिहारी

राज्य निर्वाचन आयोग, बिहार, पटना के सचिव मुकेश कुमार सिन्हा के पूर्वी चंपारण आगमन पर जिला स्कूल, मोतिहारी स्थित ईवीएम वेयरहाउस का निरीक्षण किया गया। आयोग के निर्देशानुसार मधुबन नगर पंचायत तथा पंचायत आम निर्वाचन- 2026 का मतदान मल्टी पोस्ट एस- 3 ईवीएम के माध्यम से कराया जाना है। इसके लिए जिले को कुल 3,200 ईवीएम प्राप्त हुई हैं, जिनका सुरक्षित भंडारण जिला स्कूल, मोतिहारी स्थित वेयरहाउस में किया गया है। आयोग के निर्देशानुसार मल्टी पोस्ट एस-3 ईवीएम की एसटी यूएटी/एफएलसी की प्रक्रिया भी संचालित की जा रही है। सचिव ने इस दौरान चल रहे वीएटी/एफएलसी कार्य का भी निरीक्षण कर उसकी प्रगति की जानकारी ली। निरीक्षण के दौरान ईवीएम से संबंधित अभिलेखों एवं पंजीयों की जांच की गई तथा आयोग द्वारा निर्धारित मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) के अनुरूप ईवीएम के रख-रखाव का अवलोकन किया गया। उपस्थित पदाधिकारियों और कर्मियों को आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए गए। इस अवसर पर रामजनम पासवान (नोडल पदाधिकारी-सह-जिला पंचायत राज पदाधिकारी), करुणानंद चूष पुरषोत्तम (वेयरहाउस प्रभारी-सह-अपर जिला पंचायत राज पदाधिकारी), मास्टर ट्रेनर नागेंद्र कुमार, रमेश कुमार, अभय कुमार सिन्हा (नाजिर, जिला पंचायत कार्यालय), अनुराग कुमार, चंदन कुमार (अभिलेखपाल सहायक एवं प्रधान सहायक), अनिल कुमार (अभिलेखपाल सहायक) सहित अन्य कर्मी उपस्थित रहे।

कोटवा जन कल्याण शिविर का एसडीओ ने किया निरीक्षण, आमजन की समस्याओं के त्वरित समाधान का दिया निर्देश

बीएनएम@ मोतिहारी

सदर अनुमंडल पदाधिकारी निशांत सिहारा ने गुरुवार को जिला के कोटवा प्रखंड में आयोजित प्रखंड सहयोग -सह- जन कल्याण शिविर का निरीक्षण किया। पूर्वाह्न 11:05 बजे शिविर पहुंचकर उन्होंने विभिन्न विभागों द्वारा लगाए गए काउंटरों की व्यवस्थाओं का जायजा लिया और आम लोगों से प्राप्त आवेदनों एवं समस्याओं की जानकारी ली। निरीक्षण के दौरान प्रखंड स्तर के सभी विभागों के पदाधिकारी उपस्थित पाए गए। सामान्य प्रशासन विभाग, बिहार सरकार के निर्देश के आलोक में विभिन्न योजनाओं एवं विभागों के लिए अलग-अलग काउंटर स्थापित कर आमजन की समस्याओं से संबंधित आवेदन प्राप्त किए जा रहे थे। एसडीओ ने प्रत्येक काउंटर का निरीक्षण कर संबंधित अधिकारियों एवं कर्मियों से विभागीय योजनाओं की प्रगति और प्राप्त शिकायतों की जानकारी ली। उन्होंने अधिकारियों को आमजन के साथ सौहार्दपूर्ण व्यवहार करने तथा उनकी समस्याओं का त्वरित, गुणवत्तापूर्ण एवं निर्धारित समयसीमा के भीतर समाधान सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। इस दौरान उन्होंने शिविर में पहुंचे लोगों से भी बातचीत की। लोगों ने ऐसे शिविरों को जनहित में उपयोगी बताते हुए सकारात्मक प्रतिक्रिया व्यक्त की। निरीक्षण में शिविर की व्यवस्थाएं संतोषजनक पाई गईं। अंत में एसडीओ ने सभी पदाधिकारियों को अपराह्न 5 बजे तक शिविर में उपस्थित रहकर लोगों की समस्याएं सुनने और उनके समाधान की दिशा में कार्रवाई सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। साथ ही प्रखंड विकास पदाधिकारी, कोटवा को शिविर की व्यवस्थाओं एवं कार्यों की स्वयं निगरानी करने का आदेश दिया।

आर्म्स एक्ट मामले में अभियुक्त को सजा, न्यायालय ने सुनाया कारावास व जुर्माना

बीएनएम@ मोतिहारी

मोतिहारी पुलिस द्वारा प्रस्तुत साक्ष्य एवं आरोप पत्र (चार्जशीट) के आधार पर आर्म्स एक्ट के एक मामले में न्यायालय ने अभियुक्त को दोषी ठहराते हुए कारावास एवं जुर्माने की सजा सुनाई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, माननीय न्यायालय जेएम-1 मोतिहारी की न्यायिक पदाधिकारी सुमिता रंजन ने हरसिद्धि थाना कांड संख्या-167/25 (आर्म्स एक्ट) से संबंधित मामले की त्वरित सुनवाई करते हुए अभियुक्त अवनीश कुमार, पिता नागेश्वर सिंह, निवासी खोड़ीपाकड़, थाना हरसिद्धि, जिला पूर्वी चंपारण को दोषी करार दिया। न्यायालय ने अभियुक्त को आर्म्स एक्ट की धारा 25(1-B)A के तहत 15 माह के कारावास तथा 3,000 रुपये अर्थदंड की सजा सुनाई है। वहीं धारा 26 आर्म्स एक्ट के तहत एक वर्ष के कारावास एवं 2,000 रुपये अर्थदंड से दंडित किया गया है। मोतिहारी पुलिस ने बताया कि मामले के अनुसंधान के दौरान जुटाए गए साक्ष्यों एवं अभियोजन पक्ष द्वारा न्यायालय में प्रस्तुत तथ्यों के आधार पर अभियुक्त के विरुद्ध आरोप सिद्ध हुए। मामले में अभियोजन पदाधिकारी अजीत प्रताप सिंह ने प्रभावी पैरवी की। पुलिस अधिकारियों ने कहा कि अवैध हथियारों के विरुद्ध कार्रवाई लगातार जारी रहेगी तथा कानून का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

वारंटियों के खिलाफ विशेष अभियान, चार गिरफ्तार

बीएनएम@ हरसिद्धि

हरसिद्धि थाना पुलिस ने न्यायालय से निर्गत वारंटों के निष्पादन को लेकर चलाए जा रहे विशेष छापामारी अभियान के तहत चार वारंटियों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार सभी आरोपितों को आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी करने के बाद माननीय न्यायालय में प्रस्तुत करने के लिए भेज दिया गया। पुलिस के अनुसार ट्रायल नंबर 399/25 के वारंटी घीवाढार गांव निवासी बिंदा राम (पिता- भेखर राम), सुरेश राम (पिता- भेखर राम) तथा उपेंद्र राम (पिता- सुरेश राम) को गिरफ्तार किया गया। वहीं ट्रायल नंबर 1035/25 के वारंटी कृतपुर निवासी रेहाना खातून (पति- ताहिद मोहम्मद) को भी पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। थानाध्यक्ष सुनील कुमार ने बताया कि न्यायालय से निर्गत वारंटों के निष्पादन के लिए थाना क्षेत्र में लगातार विशेष अभियान चलाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि फरार वारंटियों एवं अभियुक्तों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस की कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी। थानाध्यक्ष ने स्पष्ट किया कि कानून का उल्लंघन करने वाले या न्यायालय के आदेशों की अवहेलना करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

हत्या की साजिश नाकाम, दो आरोपी गिरफ्तार; देशी पिस्टल व कारतूस बरामद

बीएनएम@ मोतिहारी

पूर्वी चम्पारण पुलिस ने एक संभावित हत्या की वारदात को समय रहते विफल कर दिया है। पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। उनके पास से एक देशी पिस्टल, पांच जिंदा कारतूस और दो मोबाइल फोन बरामद किए गए हैं। पुलिस अधीक्षक कार्यालय से जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, डुमरियाघाट थाना क्षेत्र के पहल चौक स्थित चंदन सिंह ढाबा के समीप कुछ अपराधी किसी गंभीर आपराधिक घटना को अंजाम देने की योजना बना रहे थे। सूचना मिलने पर अरेराज अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी के निर्देश पर चकिया अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी के नेतृत्व में विशेष टीम गठित कर छापेमारी की गई। छापेमारी के दौरान नीरज तिवारी और कुंदन ठाकुर उर्फ अवनीश ठाकुर को गिरफ्तार किया गया। तलाशी में उनके पास से एक देशी पिस्टल, पांच जिंदा कारतूस तथा दो मोबाइल फोन बरामद हुए। पुलिस की प्रारंभिक पूछताछ में खुलासा हुआ है कि पकड़ीदयाल थाना कांड संख्या-65/2016 के हत्या मामले में दोषसिद्ध अभियुक्त राणा सिंह ने जेल से अपने सहबंदी सूरज तिवारी के माध्यम से उसी मामले के गवाह माधोलाल सहनी की हत्या के लिए पांच लाख रुपये की सुपारी दी थी। गिरफ्तार आरोपी नीरज तिवारी अपने सहयोगियों के साथ मिलकर इस हत्या की योजना को अंजाम देने की तैयारी कर रहा था। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान सरैया बदुराहा निवासी नीरज तिवारी तथा भवानीपुर निवासी कुंदन ठाकुर उर्फ अवनीश ठाकुर के रूप में हुई है। पुलिस ने दोनों के विरुद्ध अग्रिम कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है। इस कार्रवाई में चकिया अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी संतोष कुमार, केसरिया अंचल के पुलिस निरीक्षक निक्कू कुमार सिंह, संग्रामपुर थाना अध्यक्ष अनुप कुमार, डुमरियाघाट थाना अध्यक्ष विवेक कुमार बालेन्दु, शुभांशु शेखर प्रसाद सिंह, डीआईयू टीम तथा संग्रामपुर एवं डुमरियाघाट थाना के सशस्त्र बल शामिल थे। पुलिस का कहना है कि अपराध और अपराधियों के विरुद्ध अभियान लगातार जारी रहेगा तथा आमजन की सुरक्षा के लिए त्वरित कार्रवाई की जाती रहेगी।

संक्षिप्त समाचार

लूटकांड की सूचना छिपाने पर रामनगर थानाध्यक्ष व गश्ती पदाधिकारी निलंबित

बीएनएम@ बगहा। पुलिस जिला बगहा के रामनगर थाना क्षेत्र में हुई लूट की घटना की सूचना को गंभीरता से लेते हुए पुलिस प्रशासन ने बड़ी कार्रवाई की है। मामले में लापरवाही बरतने के आरोप में रामनगर थानाध्यक्ष एवं गश्ती पदाधिकारी को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है। पुलिस अधीक्षक कार्यालय से जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार रामनगर थाना क्षेत्र में लूट की घटना की सूचना प्राप्त होने के बाद पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी, बगहा से मामले की जांच कराई गई। जांच में पता चला कि भैरोगंज थाना क्षेत्र के बॉसगांव परसौनी निवासी सतीश चंद्र पांडेय के साथ अज्ञात अपराधियों ने मारपीट कर 20 हजार रुपये नकद एवं मोबाइल फोन लूट लिया था। पीड़ित द्वारा घटना की सूचना रामनगर थाना को दी गई थी, लेकिन तत्कालीन थानाध्यक्ष दीपक कुमार तथा गश्ती पदाधिकारी अखिलेश कुमार राय ने घटना की जानकारी समय पर वरीय अधिकारियों को नहीं दी। साथ ही प्राथमिकी दर्ज कर अनुसंधान शुरू करने में भी लापरवाही बरती गई। पुलिस प्रशासन ने इसे घोर लापरवाही एवं अनुशासनहीनता मानते हुए पुलिस की छवि धूमिल करने तथा आम जनता के बीच अविश्वास पैदा करने वाला कृत्य बताया है। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस उप-महानिरीक्षक के अनुमोदन के बाद पुलिस निरीक्षक दीपक कुमार, थानाध्यक्ष रामनगर तथा पुलिस अवर निरीक्षक अखिलेश कुमार राय, गश्ती पदाधिकारी रामनगर थाना को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है। पुलिस अधीक्षक ने स्पष्ट किया है कि थाना स्तर पर घटित किसी भी छोटी या बड़ी घटना की सूचना वरीय अधिकारियों को समय पर नहीं देने तथा आवश्यक कानूनी कार्रवाई में लापरवाही बरतने वाले पुलिसकर्मियों के विरुद्ध भविष्य में भी सख्त कार्रवाई की जाएगी। पुलिस प्रशासन ने आमजन से पुलिस का सहयोग करने तथा किसी भी आपराधिक घटना की सूचना तत्काल पुलिस को देने की अपील की है।

मुहर्रम को शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने को लेकर शांति समिति की बैठक आयोजित

बीएनएम@ चकिया। आगामी मुहर्रम पर्व को शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न कराने के उद्देश्य से इमामगंज थाना क्षेत्र के जलवाटोली में शांति समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक का नेतृत्व अनुमंडल पदाधिकारी (एसडीएम) चकिया एवं अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी (एसडीपीओ) चकिया ने संयुक्त रूप से किया। बैठक में जनप्रतिनिधियों, स्थानीय गणमान्य लोगों तथा शांति समिति के सदस्यों के साथ मुहर्रम जुलूस, सुरक्षा व्यवस्था, यातायात प्रबंधन एवं विधि-व्यवस्था से संबंधित विभिन्न बिंदुओं पर चर्चा की गई। अधिकारियों ने सभी उपस्थित लोगों से आपसी भाईचारा एवं सामाजिक सौहार्द बनाए रखने की अपील की। इस दौरान जनप्रतिनिधियों एवं आयोजन समिति के सदस्यों को पर्व को शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। अधिकारियों ने कहा कि किसी भी प्रकार की अफवाह पर ध्यान न दें तथा किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तुरंत प्रशासन को दें। प्रशासन की ओर से स्पष्ट किया गया कि मुहर्रम के दौरान सुरक्षा व्यवस्था के पुख्ता इंतजाम किए जाएंगे तथा असामाजिक तत्वों पर विशेष नजर रखी जाएगी। बैठक में उपस्थित लोगों ने भी प्रशासन को पूर्ण सहयोग का भरोसा दिलाया और पर्व को शांतिपूर्ण वातावरण में मनाने का संकल्प लिया।

मोहर्रम जुलूस को लेकर दो पक्षों में तनाव, चार गिरफ्तार

बीएनएम@ डुमरियाघाट। डुमरियाघाट थाना क्षेत्र के जलवा टोली गांव में मोहर्रम जुलूस के दौरान दो पक्षों के बीच उत्पन्न तनाव एवं मारपीट की घटना को लेकर पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए दोनों पक्षों के आवेदन के आधार पर अलग-अलग प्राथमिकी दर्ज की है। इस संबंध में डुमरियाघाट थाना कांड संख्या 191/26 एवं 192/26 दर्ज किया गया है। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने दोनों पक्षों से कुल चार लोगों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार व्यक्तियों में वसीम आलम (पिता- नसीम आलम), अरबाज आलम (पिता- आबिद अंसारी), मंटू कुमार (पिता- रामेश्वर प्रसाद) एवं ऋतिक कुमार (पिता- मनोहर प्रसाद) शामिल हैं। सभी आरोपी जलवा टोली, थाना डुमरियाघाट, जिला पूर्वी चंपारण के निवासी हैं। पुलिस द्वारा बताया गया कि क्षेत्र में शांति एवं विधि-व्यवस्था बनाए रखने के लिए आवश्यक कार्रवाई की जा रही है। मामले की जांच जारी है।

मधुबनी प्रखंड के पूर्व प्रमुख सावित्री देवी का निधन

बीएनएम@ बगहाः बगहा अनुमंडल के गंडक पार स्थित मधुबनी प्रखंड के पूर्व प्रखंड प्रमुख सावित्री देवी की आकस्मिक निधन हो गया। वे लगभग 60 वर्ष की थी। उनके निधन की खबर सुनते ही पूरे क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ पड़ी । पूर्व प्रमुख सावित्री देवी लंबे समय से सामाजिक एवं जनहित के कार्यों से जुड़ी रही। उनके आवास पर शोक व्यक्त करने वालों का तांता लगा रहा। विभिन्न राजनीतिक एवं सामाजिक संगठनों के लोगों ने उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए उनके योगदान को याद किया। सामाजिक कार्यकर्ताओं ने कहा कि पूर्व प्रमुख का निधन क्षेत्र के लिए अपूरणीय क्षति है। परिजनों के अनुसार उनका अंतिम संस्कार गुरुवार की दोपहर पूरे सम्मान के साथ धनहा नारायणी नदी के तट पर किया गया। शोकसभा में उपस्थित लोगों ने दिवंगत आत्मा की शांति के लिए दो मिनट का मौन रखकर श्रद्धांजलि अर्पित की।

राबड़ी आवास और सुरक्षा विवाद पर बढ़ी सियासी तकरार

अशोक चौधरी ने लालू यादव पर किया पलटवार

बीएनएम@ पटना। पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी के सरकारी आवास और सुरक्षा व्यवस्था को लेकर बिहार की राजनीति में घमासान मचा हुआ है। राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद द्वारा सुरक्षा वापस लौटाने और आवास खाली करने के नोटिस पर सवाल उठाने के बाद सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच आरोप-प्रत्यारोप का दौर तेज हो गया है। लालू यादव ने सुरक्षा व्यवस्था में बदलाव और आवास संबंधी कार्रवाई के लिए मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को जिम्मेदार ठहराया है। वहीं राबड़ी देवी और नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने भी सरकार पर राजनीतिक द्वेष से कार्रवाई करने का आरोप लगाया है। इस बीच जदयू नेता और राज्य सरकार के मंत्री अशोक चौधरी ने कहा कि सुरक्षा और आवास से जुड़े निर्णय पूरी तरह प्रशासनिक प्रक्रिया के तहत लिए जाते हैं। उन्होंने कहा कि इन मामलों का निर्णय सुरक्षा समिति और पुलिस विभाग करते हैं, इसमें किसी प्रकार का राजनीतिक हस्तक्षेप नहीं होता। अशोक चौधरी ने लालू यादव के आरोपों को खारिज करते हुए कहा कि उन्हें रहने के लिए वैकल्पिक और व्यवस्थित व्यवस्था उपलब्ध कराई गई है। उन्होंने यह भी कहा कि सुरक्षा वापस लौटाने का निर्णय व्यक्तिगत है और यदि भविष्य में कोई अप्रिय घटना होती है तो इसकी जिम्मेदारी संबंधित व्यक्ति की होगी।

बगहा दो के राजस्व अधिकारी विजिलेंस कार्रवाई की आशंका से चिंतित

पीएम समेत शीर्ष अधिकारियों को भेजा पत्र

बीएनएम@ बगहाः बगहा-2 अंचल में पदस्थापित राजस्व अधिकारी रवि प्रकाश चौधरी ने अपने कर्तव्यों के निर्वहन के दौरान राजनीतिक दबाव और संभावित प्रतिशोधात्मक कार्रवाई की आशंका जताते हुए प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्री, राज्यपाल, मुख्य सचिव, डीजीपी तथा अन्य उच्च संवैधानिक एवं प्रशासनिक पदाधिकारियों को पत्र भेजकर अपनी चिंता व्यक्त की है। 17 जून को भेजे गए इस पत्र में उन्होंने दावा किया है कि अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई के कारण कुछ प्रभावशाली लोगों की नाराजगी का सामना करना पड़ रहा है और उन्हें आशंका है कि उनके विरुद्ध झूठी शिकायतें या विजिलेंस जांच कराकर फंसाने की कोशिश की जा सकती है।राजस्व अधिकारी ने अपने पत्र में उल्लेख किया है कि 5 जून 2026 को न्यायालय से अधिकृत अतिक्रमण उन्मूलन अभियान के दौरान राजनीतिक विरोध के कारण कार्रवाई बाधित हुई थी।

किसानों की समृद्धि से ही देश का विकास संभव : बिंदेश्वरी यादव

» खरीफ महाअभियान सह प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित

बीएनएम@ हरसिद्धि

प्रखंड मुख्यालय स्थित किसान भवन में गुरुवार को शारदीय खरीफ महाअभियान सह प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में कृषि विभाग के अधिकारियों ने किसानों को सरकारी योजनाओं, किसान पंजीकरण एवं आधुनिक कृषि तकनीकों की जानकारी दी। इस दौरान किसानों ने अनुदानित धान बीज की आपूर्ति में हो रही देरी का मुद्दा प्रमुखता से उठाया। किसानों ने कहा कि अधिकांश किसानों द्वारा धान की बुआई पहले ही कर दी गई है, जबकि अनुदानित बीज बाद में उपलब्ध कराए जा रहे हैं। इससे सरकार की योजना का अपेक्षित लाभ नहीं मिल पा रहा है। किसानों ने विभाग से मांग की कि भविष्य में बुआई से पूर्व ही बीजों की उपलब्धता सुनिश्चित की जाए। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्रखंड विकास पदाधिकारी गुलशन कुमार ने किसानों को कृषि विभाग द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं, फार्मर रजिस्ट्रेशन, उन्नत धान बीजों के उपयोग तथा बीज उपचार की प्रक्रिया की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि सभी किसान अपना पंजीकरण अवश्य कराएं, ताकि उन्हें विभागीय योजनाओं एवं अनुदान का लाभ समय पर मिल सके। प्रखंड कृषि पदाधिकारी राघव प्रसाद ने किसानों को वैज्ञानिक खेती अपनाने की सलाह देते हुए कहा कि रासायनिक उर्वरकों के अत्यधिक प्रयोग से मिट्टी की उर्वरता प्रभावित होती है। उन्होंने मिट्टी की नियमित जांच, संतुलित उर्वरक उपयोग तथा जैविक खेती को बढ़ावा देने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि आधुनिक तकनीक और वैज्ञानिक पद्धतियों को अपनाकर किसान उत्पादन और आय दोनों में वृद्धि कर सकते हैं। मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित प्रखंड कृषि सलाहकार समिति के अध्यक्ष बिंदेश्वरी यादव ने कहा कि "भारत कृषि प्रधान देश है और किसानों की समृद्धि से ही देश का विकास संभव है।" उन्होंने किसानों से सरकारी योजनाओं का अधिकाधिक लाभ लेने, प्रशिक्षण कार्यक्रमों में सक्रिय भागीदारी निभाने तथा आधुनिक कृषि तकनीकों को अपनाने की अपील की। साथ ही उन्नत बीज एवं उर्वरकों की समय पर उपलब्धता सुनिश्चित करने की आवश्यकता पर बल दिया। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रखंड कृषि पदाधिकारी राघव प्रसाद ने की, जबकि संचालन कृषि सलाहकार बाबूआकांत दास ने किया। इस अवसर पर कार्यपालक सहायक धनंजय कुमार, सामान्य नोडल पदाधिकारी सुरेश कुमार, कृषि समन्वयक वीरेंद्र कुमार, प्रमोद कुमार, कृष्ण कुमार, सहायक तकनीकी प्रबंधक प्रिंस राज, अंकित कुमार निराला, प्रखंड उद्यान पदाधिकारी सुनील कुमार मिश्रा, किसान सलाहकार देवेंद्र सिंह, बादल पांडेय, रंजन कुमार सिंह, संतोष सिंह, लवकुश कुमार, मो. साबिर आलम, अरविंद भारद्वाज, जयराम सिंह, विजय कुमार सिंह, भारतेंदु प्रसाद, सुनीता कुमारी, ओमप्रकाश बैठा सहित कृषि विभाग के कई अधिकारी, कर्मचारी एवं बड़ी संख्या में किसान उपस्थित थे।

राहत: अब EWS प्रमाणपत्र निर्गत तिथि से एक वर्ष तक रहेगा मान्य

बीएनएम@ पटना

बिहार सरकार ने आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग (EWS) प्रमाणपत्र की वैधता अवधि को लेकर महत्वपूर्ण फैसला लिया है। सामान्य प्रशासन विभाग द्वारा जारी नए आदेश के अनुसार अब EWS प्रमाणपत्र अपनी निर्गत तिथि से पूरे एक वर्ष तक मान्य रहेगा। इससे प्रतियोगी परीक्षाओं, सरकारी नौकरियों और शैक्षणिक संस्थानों में आरक्षण का लाभ लेने वाले हजारों अभ्यर्थियों को राहत मिलेगी। अब तक बिहार में EWS प्रमाणपत्र जारी होने की तिथि से अगले 31 मार्च तक ही वैध माना जाता था। वित्तीय वर्ष समाप्त होते ही इसकी वैधता खत्म हो जाती थी, जिसके कारण अभ्यर्थियों को बार-बार नया प्रमाणपत्र बनवाना पड़ता था। नई व्यवस्था के तहत अब प्रमाणपत्र जारी होने की तारीख से सीधे 12 महीने तक प्रभावी रहेगा। सामान्य प्रशासन विभाग ने इस संबंध में बिहार पब्लिक सर्विस कमीशन समेत सभी आयोगों, पर्षदों और भर्ती एवं परीक्षा आयोजित करने वाली संस्थाओं को नए नियम का पालन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया है। माना जा रहा है कि इससे आवेदन और दस्तावेज सत्यापन की प्रक्रिया अधिक सरल और व्यवस्थित होगी। उच्च जातियों के विकास के लिए गठित राज्य आयोग के सदस्य राजकुमार सिंह ने कहा कि पहले प्रमाणपत्र की वैधता को लेकर अभ्यर्थियों को कई व्यावहारिक समस्याओं का सामना करना पड़ता था। नए आदेश से इस भ्रम की स्थिति समाप्त होगी और सभी के लिए एक समान व्यवस्था लागू होगी। EWS प्रमाणपत्र सामान्य वर्ग के उन परिवारों को जारी किया जाता है जो सरकार द्वारा निर्धारित आय और संपत्ति मानकों के भीतर आते हैं। इसके आधार पर शिक्षा और सरकारी नौकरियों में 10 प्रतिशत आरक्षण का लाभ मिलता है। पात्रता के लिए परिवार की वार्षिक आय 8 लाख रुपये से कम होनी चाहिए। गौरतलब है कि कुछ महीने पहले बिहार सरकार ने EWS प्रमाणपत्र से संबंधित दिशा-निर्देश भी जारी किए थे। नई गाइडलाइन में यह स्पष्ट किया गया था कि आय की गणना में केवल पति, पत्नी और बच्चों की आय को शामिल किया जाएगा, जबकि माता-पिता की आय को नहीं जोड़ा जाएगा। इस बदलाव से पात्र अभ्यर्थियों के लिए प्रमाणपत्र प्राप्त करना और भी आसान हो गया है।

22 को ताजपुर थाने का घेराव करेगी भाकपा माले

बीएनएम@ समस्तीपुर

ताजपुर क्षेत्र में लगातार बढ़ रही आपराधिक घटनाओं, हत्याकांडों तथा लंबित मामलों में आरोपियों की गिरफ्तारी नहीं होने के विरोध में भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (माले) ने 22 जून को ताजपुर थाना घेराव करने की घोषणा की है। इस संबंध में पार्टी की ओर से पुलिस अधीक्षक अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी एवं अनुमंडल पदाधिकारी को लिखित सूचना भी भेजी गई है। भाकपा माले के प्रखंड सचिव सुरेंद्र प्रसाद सिंह ने बताया कि 22 जून को सुबह 11 बजे ताजपुर के जनता मैदान से एक विशाल प्रतिवाद मार्च निकाला जाएगा। यह जुलूस नगर क्षेत्र के विभिन्न मार्गों से होते हुए ताजपुर थाना पहुंचेगा, जहां प्रदर्शन, सभा तथा प्रशासन को मांगपत्र सौंपने का कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि ताजपुर एवं आसपास के क्षेत्रों में हत्या, लूट, छिनतई और गोलीबारी जैसी घटनाओं में लगातार वृद्धि हुई है। अपराधियों की गिरफ्तारी में हो रही देरी के कारण आम जनता के बीच भय और असुरक्षा का वातावरण बना हुआ है। कई गंभीर मामलों में अब तक पुलिस द्वारा संतोषजनक कार्रवाई नहीं किए जाने से लोगों में प्रशासन के प्रति नाराजगी बढ़ रही है।थाना घेराव कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए भाकपा माले के नेता ब्रह्मदेव प्रसाद सिंह, आसिफ होदा, मो. एजाज, प्रभात रंजन गुप्ता, शंकर महतो, ललन दास एवं राजदेव प्रसाद सिंह सहित अन्य कार्यकर्ता लगातार जनसंपर्क अभियान और बैठकें कर रहे हैं।

विकसित बिहार 2047 के निर्माण में अहम भूमिका निभाएंगे मुख्यमंत्री फेलोज

» 106 युवाओं को मिला प्रशासन से जुड़ने का अवसर

बीएनएम@ समस्तीपुर

बिहार सरकार की महत्वाकांक्षी मुख्यमंत्री फेलोशिप योजना के तहत चयनित फेलोज़ के लिए गुरुवार को पटना स्थित अधिवेशन भवन, पुराना सचिवालय में ओरिएंटेशन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। सामान्य प्रशासन विभाग के अंतर्गत बिहार प्रशासनिक सुधार मिशन सोसाइटी (बीपीएसएमएस) द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में विकास आयुक्त बिहार मिहिर कुमार सिंह , सामान्य प्रशासन विभाग के अपर मुख्य सचिव एवं बीपीएसएमएस के मिशन निदेशक डॉ. बी. राजेन्दर , आईआईएम बोध गया के प्रतिनिधियों सहित कई वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।कार्यक्रम को संबोधित करते हुए डॉ. बी. राजेन्दर ने कहा कि "विकसित बिहार 2047" मुख्यमंत्री फेलोशिप योजना की मूल अवधारणा है। उन्होंने कहा कि वर्ष 2047 तक विकसित बिहार के निर्माण के लक्ष्य को प्राप्त करने में युवा फेलोज़ की महत्वपूर्ण भूमिका होगी। यह योजना राज्य की सामान्य नियुक्ति प्रक्रियाओं से अलग है, क्योंकि इसके माध्यम से युवा न केवल प्रशासनिक कार्यों को सीखेंगे, बल्कि सुशासन और नीति-निर्माण की प्रक्रिया में प्रत्यक्ष योगदान भी देंगे। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री फेलोशिप लागू करने वाले अग्रणी राज्यों में बिहार शामिल है और इसकी परिकल्पना युवाओं की प्रतिभा को शासन व्यवस्था से जोड़ने के उद्देश्य से की गई है। इससे प्रशासनिक सुधार, नवाचार और बेहतर नीति क्रियान्वयन को बढ़ावा मिलेगा।विकास आयुक्त मिहिर कुमार सिंह ने कहा कि वास्तविक परिवर्तन जमीनी स्तर पर दिखाई देता है। उन्होंने फेलोज़ को वर्तमान में जिलों में आयोजित सहयोग शिविरों और सरकारी योजनाओं के क्रियान्वयन का गहन अध्ययन करने की सलाह दी। गौरतलब है कि मुख्यमंत्री फेलोशिप योजना को 9 सितंबर 2025 को मंत्रिपरिषद की मंजूरी मिली थी। योजना के अंतर्गत कुल 121 पदों के लिए आवेदन आमंत्रित किए गए थे, जिनमें कठोर चयन प्रक्रिया के बाद 106 उम्मीदवारों का चयन हुआ है।

रामाधीन महाविद्यालय में छात्रों ने ली नशामुक्ति की शपथ

बीएनएम@ शेखपुरा।

रामाधीन महाविद्यालय, शेखपुरा की राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) इकाई द्वारा नशामुक्ति शपथ ग्रहण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं, शिक्षकों एवं कर्मियों ने भाग लेकर नशे से दूर रहने तथा समाज को नशामुक्त बनाने का संकल्प लिया।कार्यक्रम पदाधिकारी डॉ. नवलता ने कहा कि नशा युवाओं के भविष्य और समाज के विकास के लिए गंभीर चुनौती है। उन्होंने विद्यार्थियों से नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक रहने तथा अपने आसपास के लोगों को भी इसके प्रति जागरूक करने की अपील की। प्राचार्य प्रो. (डॉ.) मोहम्मद शहाबुद्दीन ने कहा कि स्वस्थ, जागरूक और नशामुक्त युवा ही विकसित भारत की मजबूत नींव रख सकते हैं।

धनहा पुल पर वीडियो बनाने वालों के खिलाफ प्रशासन सख्त, होगी कार्रवाई

बीएनएम@ बगहा

बगहा अनुमंडल के धनहा गौतमबुद्ध सेतु पुल पर लगातार भीड़ बढ़ने और वीडियो बनाने की दौर लगातार जारी है। जिस पर सोशल मीडिया क्रिएटर्स को लेकर प्रशासन सतर्क है। मधुबनी प्रखंड विकास पदाधिकारी कुंदन कुमार ने स्पष्ट निर्देश देते हुए कहा कि कोई भी ऐसा कार्य नहीं किया जाना चाहिए, जिससे अपनी आजादी के नाम पर दूसरे लोगों को परेशानी का सामना करना पड़े। उन्होंने कहा कि पुल पर अनावश्यक भीड़ लगाकर यदि यातायात नियमों का उल्लंघन किया जाता है, तो संबंधित लोगों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। वहीं, धनहा थाना अध्यक्ष अमित कुमार सिंह ने कहा कि जिन लोगों के कारण यातायात व्यवस्था प्रभावित हो रही है, उन्हें चिन्हित कर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी। हालांकि फिलहाल प्रशासन की ओर से लोगों, खासकर युवाओं और क्रिएटर्स को समझाने का प्रयास किया जा रहा है। उनका मानना है कि यदि बच्चे और युवा स्वयं जागरूक होकर नियमों का पालन करें, तो यह सभी के लिए बेहतर होगा। इधर, कई जिम्मेदार सोशल मीडिया क्रिएटर्स भी लगातार इस मुद्दे को उठाते हुए अन्य क्रिएटर्स और आम लोगों से अपील कर रहे हैं कि

धनहा पुल पर वीडियो बनाने का सिलसिला अब बंद किया जाए।लोगों ने कहा कि धनहा पुल वीडियो बनाने का अड्डा बन गया है। 3 बजे दोपहर के बाद शाम होते ही धनहा गौतम बुद्ध सेतु पर वीडियो बनाने के लिए भीड़ जुड़ जाती है।

जन कल्याण चौपाल सह खेत बचाओ अभियान का आयोजन

» किसानों को दी गई योजनाओं की विस्तृत जानकारी

बीएनएम@ समस्तीपुर

मोहिउद्दीन नगर प्रखंड क्षेत्र की राजाजान पंचायत में गुरुवार को जन कल्याण चौपाल सह खेत बचाओ अभियान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में प्रखंड एवं पंचायत स्तर के कृषि कर्मियों सहित बड़ी संख्या में किसानों ने भाग लिया। कार्यक्रम की अध्यक्षता आत्मा प्रखंड अध्यक्ष राम कुमार सिंह ने की। आयोजित चौपाल में किसानों को कृषि विभाग द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं एवं आधुनिक कृषि तकनीकों की विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। इस दौरान किसानों को प्राकृतिक खेती, खरीफ फसलों की उन्नत खेती, कृषि यंत्रीकरण योजना, उद्यान विकास योजना तथा सरकार द्वारा संचालित अन्य किसान हितैषी योजनाओं के बारे में जागरूक किया गया। प्रखंड तकनीकी प्रबंधक ने किसानों से वैज्ञानिक एवं आधुनिक तकनीकों को अपनाने का आह्वान किया। चौपाल के दौरान किसानों की समस्याओं एवं जिज्ञासाओं का समाधान भी किया गया। इस अवसर पर कृषि समन्वयक संजय कुमार सिंह, धनंजय सिंह, सुधीर कुमार, धर्मेंद्र दास, मनोज कुमार चौधरी सहित अन्य कृषि कर्मी उपस्थित रहे। कार्यक्रम में पंचायत के सैकड़ों किसानों ने भाग लेकर कृषि संबंधी महत्वपूर्ण जानकारियां प्राप्त कीं और योजनाओं का लाभ उठाने के प्रति उत्साह दिखाया।

तेल खरीदना महंगा

पिछले महीने भारत यात्रा के लिए रवाना होने से पहले अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने एलान किया था कि वेनेजुएला की कार्यवाहक राष्ट्रपति जल्द ही नई दिल्ली जाएंगी और भारत वेनेजुएला से अधिक तेल खरीदेगा। वेनेजुएला की कार्यवाहक राष्ट्रपति डेल्सी रोड्रिगेज पांच दिन की भारत यात्रा आईं हैं। संभावना है कि उनकी इस यात्रा के दौरान भारत वेनेजुएला से कच्चे तेल की अधिक खरीदारी का सौदा करेगा। उल्लेखनीय है कि पिछले महीने के आखिर में भारत यात्रा के लिए रवाना होने से पहले अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने इस संबंध में एलान किया था। कहा था कि रोड्रिगेज जल्द ही नई दिल्ली जाएंगी और भारत वेनेजुएला से अधिक तेल खरीदेगा। इस घोषणा की पृष्ठभूमि गौरतलब है। पिछले तीन जनवरी को वेनेजुएला पर अचानक हमला कर वहां के राष्ट्रपति निकलस मदुरो और उनकी पत्नी का अपहरण करने के बाद अमेरिका ने वहां के तेल भंडार पर अपना पूरा नियंत्रण बना लिया है। अब अमेरिकी कंपनियां वहां तेल निकालने और बिक्री करने में जुटी हुई हैं। इस बिक्री का पैसा भी अमेरिका के पास जाता है, जो उसमें से वेनेजुएला का हिस्सा अपनी मर्जी से तय कर उसके खजाने में भेज देता है। रोड्रिगेज वेनेजुएला में चाविसमो (पूर्व राष्ट्रपति उगो चावेज की समर्थक विचारधारा) का प्रमुख चेहरा रही हैं। मगर तीन जनवरी की घटना के बाद कार्यवाहक राष्ट्रपति बनने के बाद से अमेरिका द्वारा वहां थोपी गई औपनिवेशिक किस्म की व्यवस्था में उन्होंने काम करना स्वीकार किया है। इस बारे में लैटिन अमेरिकी वामपंथी समूहों में अलग- अलग राय है।

एक सोच है कि ऐसा कर रोड्रिगेज आगे और हमलों और इस क्रम में चाविसमो के सांगठनिक ढांचे को पूरी तरह नष्ट हो जाने से बचा रही हैं। इसे एक तरह की समय काटने की रणनीति बताया गया है। मगर उनके आलोचकों की संख्या भी कम नहीं है। उधर यह भी कम विचित्र नहीं है कि भारत की तेल खरीद संबंधी फैसले अमेरिका ले रहा है। रूस के बजाय वेनेजुएला से तेल खरीदना भारत को महंगा पड़ रहा है। मगर डॉनल्ड ट्रंप के काल में अमेरिका से रिश्ता रखने के लिए ऐसी कीमतें चुकाने की अनिवार्य शर्त उसके सभी कथित सहयोगी देशों को चुकानी पड़ रही है। भले बात परेशान करने वाली हो, लेकिन यही सच है कि रोड्रिगेज की भारत यात्रा का एजेंडा वॉशिंगटन से तय हुआ है।

पंडित नेहरू के इंडिया से मोदी के भारत तक

हरदीप सिंह पुरी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पिछले 10 जून को हमारे इतिहास के लगातार सबसे लंबे समय तक सेवा में रहने वाले निर्वाचित प्रधानमंत्री बन गए। इस दरमियान काफी समय तक भारतीय शासन की सेवा करने के नाते मैं कह सकता हूं कि मोदीकी उपलब्धि कार्यकाल की लंबाई नहीं है। उन्होंने इस पद पर रहते हुए जो कुछ किया, वास्तविक उपलब्धि वह है।

मोदी ने 10 जून, 2026 को प्रधानमंत्री के पद पर अपना लगातार 4399वां दिन पूरा कर लिया। उन्होंने पंडित जवाहरलाल नेहरू के 1952 में पहली निर्वाचित सरकार से 1964 में उनके निधन तक लगातार प्रधानमंत्री रहने के कीर्तिमान को पीछे छोड़ दिया। 1947 से देखें तो सबसे लंबे समय तक लगातार प्रधानमंत्री के पद पर रहने का रिकॉर्ड अब भी पंडित नेहरू के नाम ही है। लेकिन मोदीने उन्हें हमारे गणराज्य के इतिहास में लगातार सबसे लंबेसमय तक निर्वाचित शासन प्रमुख रहने के मामले में पीछे छोड़ दिया है। इस दरमियान मैंने अपना कामकाजीवन शासन के अंदर गुजारा है। इस उपलब्धि में मेरी दिलचस्पी गणित के लिहाज से कम है। मेरी ज्यादा दिलचस्पी इसमें है कि इस उपलब्धि को कैसे मापा जा सकता है। पंडित दीनदयाल उपाध्याय ने सिखाया है कि सरकार को इस बात से आंका जाना चाहिए कि कतार के आखिर में खड़े आदमी तक क्या कुछ पहुंचता है। इसे ही अंत्योदय कहते हैं। पंडित नेहरू के 'इंडियाÓ और मोदीके 'भारतÓ के बीच का फासला वह दूरी है जिसे इस आखिरी आदमी ने तय किया है।

एक निष्पक्ष मूल्यांकन करें तो देखते हैं कि पंडित नेहरू को विरासत में क्या मिला था। उन्हें विरासत में एक ऐसा विभाजित उपमहाद्वीप मिला जो इतिहास के सबसे बड़े जबरन विस्थापन से जूझ रहा था, दो सदियों के औपनिवेशिक शोषण से खोखली हो चुकी अर्थव्यवस्था मिली, ऐसी आबादी मिली जिसमें पाँच में से एक से भी कम लोग पढ़-लिख सकते थे और औसत उम्र तीस साल के आस-पास थी। उस विरासत के आधार पर उन्होंने एक ऐसा संवैधानिक लोकतंत्र खड़ा किया जो टिका रहा, जबकि एक के बाद एक स्वतंत्र हुए कई अन्य देश सेना के जनरलों या तानाशाहों के कब्जे में चले गए। योजना आयोग दिशा तय करता था, सार्वजनिक क्षेत्र की अर्थव्यवस्था पर मजबूत पकड़ थी और लाइसेंस प्रणाली यह तय करती थी कि कौन क्या उत्पादन कर सकता है। विश्वविद्यालय, प्रयोगशालाएँ, परमाणु और अंतरिक्ष कार्यक्रम - आज़ाद भारत की संस्थागत नींव उन्हीं वर्षों में रखी गई थी। मैं 1974 में विदेश सेवा में आया और जिस भारत का मैंने प्रतिनिधित्व किया, वह एक गंभीर देश था जिसने अपनी व्यवस्था की क्षमता के अनुसार पूरी गरिमा के साथ अभावों का सामना करने का रास्ता चुना था।

उस व्यवस्था की कीमत तब तक साफ दिखने लगी थी जब तक मैं अपने करियर के मध्य पड़ाव पर पहुँचा। सरकार ने योजनाओं का आवंटन करना तो सीख लिया था, लेकिन वह वितरण करना नहीं सीख पायी थी। दिल्ली में घोषित किसी योजना और गाँव में मिलने वाले लाभ के बीच का जो फ़ासला था, वहीं सारा पैसा गायब हो जाता था। एक पूर्व प्रधानमंत्री का यह मानना कि हर एक रुपये में से सिर्फ पंद्रह पैसे ही गरीबों तक पहुँच पाते हैं, इस मॉडल पर अपने आप में एक बड़ा सवाल था। सरकार योजना तो बना सकती थी, लेकिन वह लोगों तक पहुँच नहीं पाती थी। 2014 में मोदी को जो विरासत मिली, उसका भी उतना ही ईमानदार मूल्यांकन होना चाहिए। उन्होंने एक ऐसी अर्थव्यवस्था की कमान संभाली थी जिसे बाज़ार ने फ्रैजाइल फ़ाइव (पांच सबसे कमजोर अर्थव्यवस्थाओं) की श्रेणी में रखा था; जो अटकी हुई परियोजनाओं के बोझ तले दबी थी, दोहरे अंकों की मुद्रास्फीति और भ्रष्टाचार से घिरी थी जिसने शासन पर से जनता के भरोसे को ही खोखला कर दिया था। इसका समाधान उन्होंने एक बिल्कुल अलग तरह की व्यवस्था बनाकर किया।

योजना आयोगÓ की जगह नीति आयोग ने ले ली, जो राज्यों को निर्देश देने के बजाय उन्हें साथ लेकर चलता है। पहचान (पहचान पत्र), बैंक खाता और मोबाइल फोन को एक साथ जोड़ा गया और सरकार ने बिचौलियों के बजाय, जो चार दशकों से अपना कमीशन ले रहे थे, नागरिकों को सीधे भुगतान करना शुरू कर दिया। प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण एक निर्णायक माध्यम है जो बहुत साधारण लगता है लेकिन इसने शासन के इरादे की बजाय वास्तविक लाभ के मिलने पर ध्यान केंद्रित किया। इसके बाद जो हुआ, वह एक मंच के रूप में सरकार की नई परिकल्पना थी। भारत ने सार्वजनिक डिजिटल ढांचा और एक ऐसी पहचान व्यवस्था बनाई जो पूरे उपमहाद्वीप में काम करती है। एक ऐसा भुगतान नेटवर्क खड़ा किया गया जिसका आज पूरी दुनिया अध्ययन कर रही है। पचास करोड़ से अधिक जनधन खातों ने उन परिवारों के लिए औपचारिक बैंकिंग के दरवाजे खोल दिए, जहाँ यह सुविधा पहले कभी नहीं पहुँची थी। नीति आयोग के अनुमान के अनुसार, इसी दशक में लगभग पच्चीस करोड़ भारतीय गरीबी से बाहर आए हैं और जिस अर्थव्यवस्था को बाजारों ने खारिज कर दिया था, वह अब किसी भी अन्य बड़ी अर्थव्यवस्था की तुलना में तेसे बढ़ रही है। जो सरकार कभी नागरिक और उसकी जरूरत के बीच में रुकावट बन जाती थी, वह अब किनारे हटकर उसका आगे बढ़ने का मार्ग बना रही है। भारत शब्द के पीछे यही मूल भावना है।

मैं जिस पद पर हूँ, वहाँ से इस बदलाव के बारे में बात कर सकता हूँ। साल 2014 में, हमारे पेट्रोल में इथेनॉल संमिश्रण का स्तर 1.53 प्रतिशत था। इस वर्ष हम बीस प्रतिशत के स्तर पर पहुँच चुके हैं—एक ऐसा लक्ष्य जो कभी 2030 के लिए तय किया गया था और जिसे हमने आधा दशक पहले ही हासिल कर लिया है। वह पैसा जो कभी कच्चे तेल की खरीद के लिए देश से बाहर चला जाता था, वह अब हमारे किसानों तक पहुँच रहा है, जो हमें अन्न देने वाले अन्नदाता के साथ-साथ अब ऊर्जा देने वाले ऊर्जादाता भी बन गए हैं। इन्हीं वर्षों में, उज्ज्वला योजना ने पहली बार दस करोड़ से अधिक गरीब परिवारों तक रसोई गैस पहुँचाई और इसकी सब्सिडी बिना किसी बिचौलिये के सीधे लाभार्थी के खाते में भेगई। यह अंत्योदय का ही एक रूप है, जो अब लीटर और सिलेंडर के माध्यम से साकार हो रहा है। अब योजनाएँ समाज के आखिरी पायदान पर खड़े व्यक्ति को नज़रअंदाज़ नहीं करतीं, बल्कि उन्हीं को केंद्र में रखकर बनाई जाती हैं।

यही लेखा-जोखा ईंट और स्टील के क्षेत्र में भी दिखाई देता है। आवास योजना के तहत उन परिवारों के लिए लगभग चार करोड़ पक्के मकान बनाए गए हैं, जिनके पास अपना कोई घर नहीं था। 2014 में केवल पांच शहरों में मेट्रो चलती थी, आज बीस से अधिक शहरों में दौड़ रही है। हवाई अड्डों की संख्या लगभग दोगुनी हो गई है, और उड़ान योजना ने उन छोटे शहरों के लोगों के लिए भी हवाई यात्रा मुमकिन बना दी है, जहाँ के लोग पहले सिफ़र् आसमान से गुज़रते हुए हवाई जहाज़ों को देखा करते थे। रेलवे का लगभग पूरी तरह से विद्युतीकरण कर दिया गया है और अब वहां देश में ही निर्मित सेमी-हाई-स्पीड ट्रेनें चल रही हैं। ये सब कोई काल्पनिक बातें नहीं हैं। हर बदलाव का मतलब है—लंबी लाइनें खत्म हुईं, सफ़र में अब पूरा दिन बर्बाद नहीं होता और टपकने वाली छत की जगह एक मज़बूत छत मिल गई है। बाकी चीज़ों के साथ-साथ वित्तीय ढांचा भी बदला। वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) ने, अपनी शुरुआती तमाम दिक्कतों के बावजूद, देश को एक साझा राष्ट्रीय बाजार दिया—एक ऐसा बाजार जिसे बनाने के प्रयास में पिछले दो दशकों की हर वह सरकार नाकाम रही थी जिसने इसके लिए कोशिश की थी। केंद्र और राज्य अब ईज़ ऑफ डूइंग बिजनेस (व्यापार करने की सुगमता) और वितरण (सेवाओं को जनता तक पहुँचाने) की गुणवत्ता पर एक-दूसरे से प्रतिस्पर्धा करते हैं, यह आवंटन को लेकर होने वाले पुराने झगडे से कहीं अधिक स्वस्थ प्रतिस्पर्धा है। इसी भरोसे ने विदेशों में भारत की छवि को बदला है और देश का प्रतिनिधित्व करने के अपने वर्षों के अनुभव के आधार पर मैं यह बात कह सकता हूँ। पंडित नेहरू की गुटनिरपेक्षता की नीति एक ऐसे गरीब और नए देश के लिए समझदारी भरा कदम था जो किसी एक पक्ष को चुनने का जोखिम नहीं उठा सकता था। वहीं, मल्टी-अलाइनमेंट की मौजूदा नीति एक ऐसे देश का रुख है जो चाहता है कि हर पक्ष उसे अपने साथ जोड़ने की कोशिश करे। भारत अपनी जी-20 की अध्यक्षता को केवल राजधानी तक सीमित रखने के बजाय संघ के हर एक राज्य तक लेकर गया और भारत को विकासशील और अल्पविकसित देशों की आवाज के रूप में पेश करने की इस रणनीति ने एक पुरानी विकासात्मक कमजोरी को नेतृत्व के दावे में बदल दिया। जो देश अपने घरेलू स्तर पर नीतियों के क्रियान्वयन को लेकर आश्वस्त होता है, वह दुनिया के सामने एक अलग ही तरह से बात करता है। इतने बड़े पैमाने पर किये गए काम की समीक्षा तो होती ही है और हमारे देश जैसे बहस-मुबाहिसे वाले लोकतंत्र में तो यह ज़रूर होगी। लेकिन सरकार से पूछे जाने वाले सवाल स्पष्ट रूप से बदल गए हैं और यही इस सफ़र में तय की गई दूरी का पैमाना है। पंडित नेहरू के भारत में यह सवाल पूछा जाता था कि सरकार क्या दे सकती है। मोदी के भारत में यह पूछा जाता है कि सरकार क्या काम पूरा करके दिखा सकती है और साथ ही उसका सबूत दिखाने पर भी जोर दिया जाता है। इसीलिए 10 जून का दिन खास है और इसमें दिनों की गिनती उतनी अहमियत नहीं रखती। (लेखक केंद्रीय पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्री हैं।)

बलात्कारियों का सम्मान करने वाला अद्भुत समाज

निर्मल रानी

सुप्रीम कोर्ट के पूर्व न्यायाधीश और भारतीय प्रेस परिषद के तत्कालीन अध्यक्ष जस्टिस मार्कंडेय काटजू ने दिसंबर 2012 में दिल्ली में एक सेमिनार के दौरान कहा था कि मैं कह सकता हूं कि नब्बे प्रतिशत भारतीय बेवक़ूफ़ होते हैं। उनके सिर में दिमाग़ नहीं होता। उन्हें आसानी से बेवक़ूफ़ बनाया जा सकता है, उन्हें धर्म के नाम पर शरारती तत्वों द्वारा आसानी से गुमराह किया जा सकता है। परन्तु अपने इस कथन के 12 वर्षों बाद यानी 2024 में जस्टिस काटजू ने मूर्खों के प्रतिशत में और इज़ाफ़ा करते हुये कहा कि अब वे 95 प्रतिशत भारतीयों को मूर्ख कहते हैं क्योंकि भारत अब वास्तविक हिंदू राज्य बन गया है। जस्टिस काटजू के इस कथन को परखने के लिये यदि हम धर्म व अध्यात्म की ध्वजा बुलंद करने वालों की हक़ीक़त को देखें तो यह हमें केवल मूर्ख या महामूर्ख ही नहीं लगते बल्कि अत्यंत निम्न स्तरीय सोच रखने वाले तथा सनातन धर्म,भारतीय समाज व पूरे देश को बदनाम करने वाले भी नज़र आते हैं। मिसाल के तौर पर बलात्कारियों का सम्मान होते,उनका महिमामंडन होते व उनकी शोभा यात्रा निकलते कहीं नहीं देखा गया होगा। यह अद्भुत दृश्य केवल विश्वगुरु भारत के ही अद्भुत समाज में देखने को मिलेगा।

आज देश में कई स्वयंभू साधू संत बलात्कार व हत्या जैसे जुर्म में जेल में सज़ायें भुगतते देखे जा सकते हैं। देश की अदालतों ने गवाहों के बयान व साक्ष्यों के आधार पर ऐसे अलग अलग बलात्कारी बाबाओं को सज़ा सुनाने का साहस कर क़ानून की रक्षा करने का काम क्या है। परन्तु आश्चर्य है कि ऐसे धर्माचार्यों व स्वयंभू अध्यात्मवादियों की काली करतूतें जानने के बावजूद उनके भक्तजनों में उनके प्रति अभी भी मोह कम नहीं हुआ है। ऐसे लोग यही कहते नज़र आएंगे कि हमारे गुरु जी को ग़लत फंसाया गया है। मर्द भक्तों की तो छोड़िये महिलाएं भी ऐसे बलात्कारी बाबाओं की भक्ति व उनके महिमामंडन में सबसे आगे नज़र आती हैं। और अब तो संभवतः ऐसे बलात्कारी बाबाओं के महिमामंडन से ही प्रेरणा लेकर धार्मिकता का चोला पहने या धार्मिक संगठनों एवं धर्म के नाम पर अन्य रसूख़दार बलात्कारियों की भी शोभा यात्रा निकाली जाने लगी है। बलात्कार की शिकार लड़की का धर्म देखकर बलात्कारियों की पैरवी की जाने लगी है। क्या ऐसा कर अपराधियों को प्रोत्साहित नहीं किया जा रहा है ?

3 मार्च 2002 की गुजरात अहमदाबाद के नज़दीक रणधीकपुर गाँव में की वह भयानक घटना कौन भूल सकता है जिसमें मुस्लिम समाज की 21 वर्षीय युवती बिल्क़ीस बानो जोकि उस समय 5 महीने की गर्भवती भी थीं के साथ सामूहिक बलात्कार किया गया था ? बिलक़ीस बानो के परिवार के 14 सदस्यों की हत्या भी कर दी गई थी जिसमें बिलक़ीस की 3 वर्ष की मासूम बेटी भी शामिल थी । इस मामले में मुंबई में सीबीआई की विशेष अदालत ने 11 आरोपियों को आजीवन कारावास की सज़ा सुनाई थी। बॉम्बे हाईकोर्ट ने हत्यारों बलात्कारियों की दोषसिद्धि को बरक़रार रखा था । परन्तु गुजरात सरकार ने अपनी क्षमा नीति के तहत 11 दोषियों की रिहाई की मंजूरी दे दी और 15 अगस्त 2022 को ही दोषियों को रिहा कर दिया। अफ़सोस की बात यह कि इनकी रिहाई के बाद दोषियों का जेल के बाहर ही इनके समर्थकों द्वारा मिठाई खिलाकर स्वागत किया गया । जगह जगह मिठाई बांटी गयी व उनके जयकारे लगाकर उनका स्वागत किया गया । गुजरात के दाहोद ज़िले में तो वहां के लोगों ने दोषियों की शोभा यात्रा निकाली और बलात्कारियों हत्यारों का खुला समर्थन किया । आख़िरकार 7 जनवरी 2024 को सुप्रीम कोर्ट ने गुजरात सरकार के दोषियों की समय पूर्व रिहाई के फ़ैसले को पलट दिया और उन्हें जेल अधिकारियों के समक्ष आत्मसमर्पण करने का निर्देश दिया । गोया हत्यारों बलात्कारियों के साथ हमदर्दी जताने के चलते सर्वोच्च न्यायालय के समक्ष गुजरात सरकार को नीचा देखना पड़ा।

इसी तरह कश्मीर के कठुआ में जनवरी 2018 में एक 8 वर्षीय मुस्लिम लड़की आसिफ़ा बानो के साथ एक मंदिर के कमरे में पुजारी व उसके कई साथियों द्वारा सामूहिक बलात्कार किया गया था और उसकी हत्या कर लाश जंगलों में फेंक दी गयी थी। उस समय भी इन अपराधियों के समर्थन में हिंदूवादियों द्वारा तिरंगा यात्रा निकाली गई थी और भाजपा के दो मंत्रियों ने आरोपियों का समर्थन किया था और बलात्कारियों के समर्थन में होने वाले धरना प्रदर्शनों व रैलियों में हिस्सा लिया था जिससे उस समय बड़ा राजनैतिक बवाल खड़ा हुआ था। इस घटना ने पूरे देश को भावुक कर दिया था। आम आदमी से लेकर बॉलीवुड स्टार तक बच्ची को इंसाफ़ दिलाने के लिए सामने आए थे। बाद में अदालत ने फ़ैसला सुनाते हुये इन्हीं 5 आरोपियों को दोषी ठहराते हुये जेल भेजा था। इसी तरह कई मामलों में जब किसी दलित लड़की के साथ किसी कथित उच्च जाति के लोगों द्वारा बलात्कार किया गया तो बलात्कारियों के पक्ष में उसके कथित उच्च समाज के लोग खड़े देखे गये। 14 सितंबर 2020 को हाथरस में एक दलित युवती के साथ हुआ सामूहिक दुष्कर्म एवं हत्याकाण्ड इसका सबसे बड़ा उदाहरण है। उस समय यह घटना भी एक अत्यंत संवेदनशील और देशव्यापी चर्चा का विषय बन गयी थी। और अब यही दुष्प्रवृति धर्म जाति से मुक्त होकर शायद आम बन चुकी है। ग़ाज़ियाबाद के मुरादनगर में हिंदू युवा वाहिनी के निवर्तमान नगर अध्यक्ष सुशील प्रजापति जिसपर अगस्त 2025 में एक क़ानून की पढ़ाई पढ़ने वाली हिन्दू छात्रा के साथ रेप का आरोप था,जब लगभग 9 महीने जेल में रहने के बाद 17 मई 2026 को ज़मानत पर छूटा तो जेल से छूटते ही उसके समर्थकों ने बाक़ायदा उसकी शान में गाड़ियों से विजय जुलूस निकाला। और उसके समर्थन में नरेबाज़ियाँ कीं। समर्थकों ने उसे माला पहनाई और फूल बरसाए। उसे कंधे पर बैठा लिया गया। उसके समर्थक वी साइन दिखाते और घटनाक्रम को मोबाइल में रिकॉर्ड करते नज़र आए। बाद में इस शर्मनाक घटना की सर्वस्व निंदा होने पर पुलिस ने जुलूस निकालने पर आरोपी और उसके समर्थकों पर मामला दर्ज किया। इस घटना ने भी उत्तर प्रदेश में महिलाओं की सुरक्षा को लेकर बड़ा राजनीतिक सवाल खड़ा कर दिया। इस घटना के बाद सोशल मीडिया पर राज्य में भाजपा का सहयोगी सत्तासीन संगठन हिंदू युवा वाहिनी की नैतिकता और बहनों की सुरक्षा के दावे पर सवाल उठे थे। ऐसे दुर्भाग्यपूर्ण वातावरण में पूरे देश के लिये ख़ासकर देश की मां बहनों के लिये यह सोचना अनिवार्य हो गया है कि हत्यारों व बलात्कारियों के बहिष्कार करने के बजाये आख़िर इन का सम्मान करने वाला हम कैसा अद्भुत समाज तैयार कर रहे हैं।

(यह लेखिका के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

गरीबों का सशक्तिकरणः समावेशी परिवर्तन का एक दशक

पिछले बारह वर्षों में, भारत के लगातार सरकारी प्रयासों ने ज़रूरी सेवाओं तक पहुंच बढ़ाई है, जिससे वंचित परिवारों में अभाव कम हुआ है। कल्याणकारी योजनाओं और सामाजिक सुरक्षा उपायों के विस्तार से लगभग 25 करोड़ लोग बहुआयामी गरीबी से बाहर निकले हैं। ग्रामीण इलाकों में नल के पानी की सुविधा 2019 के 3.23 करोड़ घरों से बढ़कर मई 2026 तक 15.84 करोड़ घरों तक पहुंच गई है। 12.11 करोड़ से ज़्यादा घरों में शौचालय बनाए गए, जिससे ग्रामीण स्वच्छता कवरेज 2014 के 39 प्रतिशत से बढ़कर 100 प्रतिशत हो गया। पीएम उज्ज्वला योजना के तहत 10.57 करोड़ से ज़्यादा मुफ्त एलपीकनेक्शन दिए गए, जिससे महिलाओं का स्वास्थ्य बेहतर हुआ और घरों के अंदर होने वाला प्रदूषण कम हुआ। आयुष्मान भारत के तहत 43.93 करोड़ हेल्थ कार्ड जारी किए गए, जिससे आर्थिक रूप से कमज़ोर परिवारों के लिए सस्ती स्वास्थ्य सेवा तक पहुंच बढ़ी। प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना ने 81 करोड़ से ज़्यादा लाभार्थियों को मुफ्त अनाज उपलब्ध कराया, जिससे पूरे देश में गरीब परिवारों की खाद्य सुरक्षा मज़बूत हुई। प्राथमिक स्कूलों में लड़कियों के स्कूल छोड़ने की दर 2013-14 के 4.6 प्रतिशत से तेज़ी से घटकर 2024-25 में 0.3प्रतिशत रह गई। डिजिटल शासन सुधारों की मदद से आधार-आधारित राशन वितरण संभव हो पाया। आकांक्षी ज़िलों और आदिवासी इलाकों में भी पानी, स्वच्छता और आजीविका से जुड़े विशेष प्रयासों के ज़रिए कल्याणकारी योजनाओं का विस्तार किया गया।

गरीबी उन्मूलन और बहु-क्षेत्रीय कल्याण में रणनीतिक प्रतिमान

पिछले एक दशक में, भारत ने गरीबी कम करने, सामाजिक सुरक्षा और कल्याणकारी योजनाओं को लोगों तक पहुँचाने के मामले में एक बड़ा बदलाव देखा है। पब्लिक पॉलिसी को समावेश, पहुंच और आखिरी व्यक्ति तक लाभ पहुंचाने के सिद्धांतों से दिशा मिली है। इससे यह पक्का हुआ है कि आर्थिक विकास का लाभ सभी लोगों तक पहुंचे।

खास बात यह है कि औसत महंगाई दर 2004-2014 के दौरान 8.1 प्रतिशत से घटकर 2014-2025 के दौरान 5.1 प्रतिशत रह गई। इससे कीमतों में ज़्यादा स्थिरता आई और परिवारों की खरीदने की क्षमता में सुधार हुआ। साथ ही, भारत में बहुआयामी गरीबी 2013-14 में 29.17 प्रतिशत से तेज़ी से घटकर 2022-23 में 11.28 प्रतिशत रह गई। यह 17.89 प्रतिशत अंकों की कमी को दिखाता है। इस दौरान लगभग 25 करोड़ लोग बहुआयामी गरीबी से बाहर निकले। यह प्रगति कल्याणकारी योजनाओं और सामाजिक सुरक्षा उपायों के बड़े पैमाने पर विस्तार के कारण संभव हुई है। मुख्य उपायों में वित्तीय समावेश, सस्ती स्वास्थ्य सेवा, खाद्य सुरक्षा, आवास, आजीविका सहायता और डिजिटल शासन सुधार शामिल हैं। बेहतर इंफ्रास्ट्रक्चर और पब्लिक सर्विस डिलीवरी ने इन प्रयासों को और मज़बूत किया है। कुल मिलाकर, इन पहलों ने ग्रामीण और शहरी भारत के लाखों गरीब परिवारों के जीवन की गुणवत्ता को बेहतर बनाया है।

गरिमा का आधारः मूलभूत जरूरतों तक सार्वभौमिक पहुंच

सरकारी प्रयासों का ध्यान पूरे ग्रामीण और शहरी भारत में नल के पानी की कनेक्टिविटी, स्वच्छता कवरेज, एलपीकी उपलब्धता और ग्रामीण विद्युतीकरण पर केंद्रित रहा है। ये प्रयास जीवन की बेहतर गुणवत्ता, मानव विकास और बड़े पैमाने पर बुनियादी सेवाओं की डिलीवरी की दिशा में हो रहे एक व्यापक बदलाव को दर्शाते हैं।

जल, स्वच्छता और साफ सफाई (डबल्यूएएसएच) तक सार्वभौमिक पहुंच पिछले एक दशक में, स्वच्छ ऊर्जा, सुरक्षित पेयजल और बेहतर स्वच्छता तक पहुंच भारत की कल्याण और सार्वजनिक स्वास्थ्य रणनीति का एक मुख्य आधार बनकर उभरी है। बड़े पैमाने पर किए गए उपायों ने जीवन की गुणवत्ता में काफ़ी सुधार किया है और स्वास्थ्य संबंधी जोखिमों को कम किया है। इससे मानवीय गरिमा को मज़बूती मिली है, विशेष रूप से ग्रामीण और वंचित क्षेत्रों में।

जल जीवन मिशन

2019 में शुरू किया गया जल जीवन मिशन (जेजेएम), ग्रामीण परिवारों के लिए पीने योग्य पानी तक सार्वभौमिक पहुंच को संस्थागत बनाने की दिशा में एक परिवर्तनकारी बुनियादी ढांचा पहल है। इस मिशन की शुरुआत ग्रामीण महिलाओं पर पानी लाने के लिए हाथ से किए जाने वाले काम के लंबे समय से चले आ रहे बोझ को कम करने के उद्देश्य से की गई थी। यह कार्यक्रम ग्रामीण आबादी के स्वास्थ्य, शैक्षिक उपलब्धि और सामाजिक-आर्थिक स्थिति में महत्वपूर्ण सुधार लाने में सहायक है। अपनी रणनीतिक प्राथमिकता को दर्शाते हुए, 2020-21 और 2026-27 के बीच वित्तीय आवंटन में लगभग 488 प्रतिशत की वृद्धि हुई, जो 67,670 करोड़ रुपये तक पहुंच गया। अनुभव के लिहाज से, इस मिशन ने काफी बड़े पैमाने पर सफलता हासिल की है। अगस्त 2019 में 3.23 करोड़ घरों तक नल के पानी की पहुंच थी, जो मई 2026 तक बढ़कर 15.84 करोड़ हो गई। यह कुल 19.35 करोड़ घरों में से 81.87 प्रतिशत घरों तक पहुंच को दर्शाता है। इसके अलावा, हर घर जल अभियान के तहत 2.77 लाख गांवों में 100 प्रतिशत घरों तक नल का पानी पहुंचाया गया। इसके अलावा, इस पहल ने आकांक्षी ज़िलों और ब्लॉकों में लक्षित हस्तक्षेपों के माध्यम से विकास संबंधी असमानताओं को दूर किया है। आकांक्षी ज़िलों में, घरों में नल के पानी की कवरेज अगस्त 2019 में 23.62 लाख से बढ़कर मई 2026 तक 2.20 करोड़ हो गई। इसी तरह, आकांक्षी ब्लॉकों में, मई 2026 तक 1.11 करोड़ घरों को नल के पानी की सुविधा मिल गई थी। यह व्यवस्थित विस्तार सार्वजनिक स्वास्थ्य और ग्रामीण गरिमा को बढ़ाने के प्रति एक मज़बूत प्रतिबद्धता को दर्शाता है। जल जीवन मिशन के ऑपरेशनल दिशानिर्देशों में हर घर जल फ्रेमवर्क के तहत आने वाले गांवों के लिए प्रमाणीकरण की ज़रूरी शर्तें बताई गई हैं। संस्थागत स्तर पर इस फोकस की वजह से पीने के पानी की उपलब्धता में काफ़ी बढ़ोतरी हुई है। किसी गांव को प्रमाणित तभी किया जाता है, जब वहां के सभी मुख्य सामुदायिक संस्थानों और घरों तक नल के पानी की पूरी तरह से पहुंच सुनिश्चित हो जाए।

इस संदर्भ में, नल के पानी की सुविधा वाले स्कूलों की संख्या अगस्त 2019 में 29,711 से बढ़कर मई 2026 तक 9.23 लाख हो गई। साथ ही, इसी अवधि के दौरान आंगनवाड़ी केंद्रों में नल के पानी की सुविधा 15,464 से बढ़कर 9.66 लाख हो गई। इसके अलावा, ग्राम पंचायतों और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों में नल के पानी की सुविधा 3.93 लाख संस्थानों तक पहुंच गई, जिसमें ऐसी 77.27 प्रतिशत सुविधाएं शामिल हैं। साफ पीने के पानी तक बेहतर पहुंच से जल-जनित बीमारियों में कमी आई है, स्वच्छता व्यवस्था मजबूत हुई है, और बेहतर शैक्षिक परिणामों को बढ़ावा मिला है, विशेष रूप से बच्चों और किशोरियों के लिए।

स्वच्छ भारत अभियान - शहरी

2014 में शुरू किया गया स्वच्छ भारत मिशन (शहरी) एक बहुआयामी रणनीति है, जो भौतिक बुनियादी ढांचे और व्यवहारगत बदलाव—दोनों पर केंद्रित है। खुले में शौच और हाथ से मैला ढोने की प्रथा को खत्म करने के अलावा, यह पहल खराब स्वच्छता सुविधाओं को बेहतर बनाने और नगरपालिका ठोस अपशिष्ट प्रबंधन को संस्थागत रूप देने को प्राथमिकता देती है। इस प्रमुख अभियान ने सामाजिक मानदंडों में मौलिक बदलाव लाते हुए, स्वच्छता संबंधी बुनियादी ढांचे की मांग और उसके उपयोग में भारी वृद्धि को बढ़ावा दिया है। एसबीएम-यू फेज 1 (2014-2021) के तहत बजट आवंटन 62,009 करोड़ रुपये से बढ़ाकर एसबीएम-यू फेज 2 (2021-2026) के तहत 1.41 लाख करोड़ रुपये कर दिया गया।

मेष राशिः आज माता-पिता की मदद मिलने से आपका कोई खास काम पूरा होगा। आपकी सेहत में कुछ उतार-चढ़ाव बना रहेगा। आज आपको अपनी सेहत का ध्यान रखना चाहिए। आज उधार के लेन-देन से आपको बचना चाहिए। अगर आप जीवनसाथी के साथ अपने रिश्तों में संतुलन बनाकर चलेंगे, तो आपके रिश्ते मजबूत होंगे। आज किसी जरूरी काम में सफल होने से आपकी तारीफ होगी।

वृष राशिः आज परिवार वालों की सलाह आपके लिये फायदेमंद होगी। आज आपका कोई खास दोस्त आपसे मदद मांग सकता है, जिसकी आप हर संभव मदद करेंगे। आपकी भौतिक सुख-सुविधाओं में बढ़ोतरी होगी। आज आप कुछ नया करने की कोशिश करेंगे। किसी महत्वपूर्ण मामले पर कुछ खास लोगों से बातचीत करने का मौका मिलेगा, आपको इसका पूरा फायदा उठाना चाहिए।

मिथुन राशिः आज ऑफिस में आपकी ड्रेस की तारीफ होगी। इस राशि के कॉमर्स स्टूडेंट्स को अपने साथियों से सहयोग प्राप्त होगा। किसी विषय में आ रही समस्या आसानी से सॉल्व हो जायेगी। आपका दाम्पत्य जीवन खुशियों से भरा रहेगा। समाज में आपके कार्यों की चर्चा होगी। व्यापार के क्षेत्र में दूसरे लोगों से संपर्क करना फायदेमंद रहेगा।

कर्क राशिः आज कोई शुभ समाचार मिलने के योग बन रहे हैं। आपके मन में किसी व्यक्ति की मदद करने का भाव आ सकता है। आज आपकी रचनात्मक प्रतिभा खुलकर लोगों के सामने आयेगी। आपकी आर्थिक स्थिति में बढ़ोतरी होगी। माता-पिता के साथ किसी धार्मिक स्थल पर जा सकते है। यात्रा की योजना बनायेंगे। आज आप खुद को सेहतमंद महसूस करेंगे। समाज में आपका मान-सम्मान बढ़ेगा।

सिंह राशिः आज रुका हुआ धन वापस मिल सकता है। आपके अधूरे काम आसानी से पूरे होंगे। व्यापार में साझेदारी से आपको लाभ होगा। आज सामाजिक कार्यों में आप आगे रहेंगे। व्यापार में योजनाबद्ध तरीके से काम करने से आपको लाभ की प्राप्ति होगी। किसी जरूरी काम से की गई यात्रा सफल होगी। इस राशि के आर्ट्स स्टूडेंट्स को पढ़ाई-लिखाई में शिक्षकों से मदद मिलेगी।

कन्या राशिः आज संतान सुख की प्राप्ति हो सकती है। सहयोगी आपके विचारों से प्रभावित होंगे, लेकिन दूसरों के कामों में दखल देने से आपको बचना चाहिए। मन-मुताबिक काम पूरे होने से आपका मन प्रसन्न रहेगा। अधिकारी वर्ग से बातचीत करते समय आपको थोड़ी सावधानी रखनी चाहिए। दोस्तों के साथ किसी पिकनिक पर जाने की योजना बना सकते है।

तुला राशिः आज आप अपने भविष्य के बारे में सोच-विचार करेंगे। परिवार के सदस्यों के साथ आपके रिश्तें बेहतर होंगे। आपके आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। कार्य स्थल पर लोगों का सहयोग मिलने से आपका कार्य समय से पूरा हो जायेंगे। आपकी आमदनी में बढ़ोतरी होने की पूरी सम्भावना है। घर पर अचानक कोई दोस्त आ सकता है। उनके साथ किसी खास विषय पर बातचीत भी हो सकती है।

वृश्चिक राशिः आज आपकी मुलाकात किसी मित्र से हो सकती है। ये मुलाकात आपके लिये लाभदायक रहेगी। आज आपके सोचे हुए कार्य पूरे होंगे। जिससे आपका मन खुश रहेगा। किसी काम के लिए कोई बड़ा फैसला लेने में आप सफल रहेंगे। इस राशि के बच्चे पढ़ाई में मन लगायेंगे। आज आपको कोई शुभ समाचार मिल सकता है।

धनु राशिः आज रुके हुए काम पूरे होने की संभावना है। बच्चों के किसी फैसले को लेकर आप असहमत हो सकते हैं। इस राशि के विद्यार्थियों को आज शिक्षक की तरफ से विशेष मार्गदर्शन मिलेगा। घर में किसी मांगलिक कार्य का आयोजन हो सकता हैं, जिससे घर में खुशहाली का माहौल बनेगा।

मकर राशिः आपको रोजगार के नए अवसर प्राप्त होंगे। कार्य स्थल पर दूसरे लोगों से वाद-विवाद की स्थिति बनने की संभावना है। आपको किसी से भी बिना वजह उलझने से बचना चाहिए। परिवार वालों के साथ आपके रिश्ते मजबूत होंगे। उनके साथ मंदिर जाने की योजना बनायेंगे।

कुंभ राशिः आज आप किसी नए काम की प्लानिंग करेंगे। आपकी प्लानिंग सक्सेस होगी। आज परिवार वालों के साथ आप खुशनुमा पल बितायेंगे। इससे रिश्तों में नजदीकियां बढ़ेंगी। पुराने दोस्तों से मुलाकात होने की संभावना है। आपके व्यवहार से कुछ लोग बेहद प्रभावित होंगे। किसी खास मामले में आपको अनुभवी व्यक्ति से सलाह मिल सकती है।

मीन राशिः आज आप अपनी बुद्धिमानी से सब काम संभाल लेंगे। इस राशि के नौकरीपेशा लोगों को साथ काम करने वालों से मदद मिलेगी। उनका काम जल्दी पूरा होगा। आज जीवनसाथी के साथ किसी तीर्थ स्थल की यात्रा करेंगे। इस राशि के छात्रों का पढ़ाई में मन लगेगा। आप खुद को तंदुरुस्त महसूस करेंगे।

प्रकाशक एवं स्वामी सागर सूरज, द्वारा सरोतर निवास, राजाबाजार-कचहरी रोड, मोतिहारी, बिहार-845401 से प्रकाशित व प्रकाश प्रेस मोतिहारी से मुद्रित, संपादक-सागर सूरज* फोन न.9470050309 प्रसारः-9931408109 ईमेलः-bordernewsmirror@gmail.com वेबसाइटः-bordernewsmirror.com (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार) RNI. N. BIHBIL/2022/88070

दक्षिण अफ्रीका के पूर्व क्रिकेटर रोड्स ने बताया रोहित शर्मा की सफलता का राज

एजेंसी, जोहांसबर्ग

दक्षिण अफ्रीका के पूर्व क्रिकेटर जोंटी रोड्स ने भारतीय टीम के आक्रामक सलामी बल्लेबाज रोहित शर्मा की सफलता का राज बताया है। आईपीएल टीम मुम्बई इंडियंस के फील्डिंग कोच रहे रोड्स के अनुसार रोहित को जन्म से कोई असाधारण प्रतिभा नहीं मिली थी, बल्कि अपने काम करने के तरीके के साथ ही बेजोड़ निरंतरता और सहजता के कारण ही वह शीर्ष तक पहुंचे हैं। इसी कारण अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट के साथ-साथ इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीलए) में कप्तान के तौर पर भी उनका करियर बेहद सफल रहा है।

इस पूर्व क्रिकेटर के अनुसार आईपीएल में उन्होंने रोहित को बहुत करीब से अभ्यास करते देखा है। रोड्स के अनुसार, रोहित की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि वह खेल के सबसे कठिन परिस्थितियों को भी बेहद आसान बना देते हैं। रोड्स ने कहा, मैं हमेशा कहता रहता हूं कि मेरे पास दुनिया का सबसे अच्छा काम था। मुझे रोहित को अभ्यास करते हुए देखने का अवसर मिला। वह भारी-भरकम वर्कआउट सेशन की जगह मैदान के बीच में जाकर माहौल को महसूस करना ज्यादा पसंद करते थे। वह सब कुछ बहुत आसान बना देते हैं। उन्हें जन्म से ही कोई खास टैलेंट नहीं मिला था, लेकिन उनके काम करने के तरीके में हमेशा एक अद्भुत निरंतरता रही है, वह हमेशा से ऐसे ही रहे हैं।

रोड्स ने भारतीय क्रिकेट के तीन महान कप्तानों, महेन्द्र धोनी, विराट कोहली और रोहित शर्मा की तुलना करते हुए कहा कि इनकी सफलता का मूल मंत्र उनकी अपनी स्वाभाविक कार्यशैली में रहना है। उन्होंने कहा कि ये तीनों खिलाड़ी कप्तान के तौर पर हमेशा वैसे ही रहे हैं जैसे वे असल जिंदगी में हैं, उन्होंने कभी किसी और के काम करने के तरीके को अपनाने की कोशिश नहीं की। रोड्स ने रोहित के व्यक्तित्व पर प्रकाश डालते हुए बताया, उनकी कप्तानी का अंदाज हमेशा एक जैसा रहा है। वह असल में बहुत मजाकिया हैं।

स्टंप माइक पर उनकी मजेदार बातें सुनने को मिलती हैं और वह अपने साथियों की टांग खिंचाई भी करते हैं। उनका व्यक्तित्व हमेशा से ऐसा ही रहा है। बात वहीं आ जाती है। साथ ही कहा कि आपको एमएस धोनी या विराट जैसा बनने की जरूरत नहीं है। आपको बस वैसा ही रहना है जैसे आप हैं। वे तीनों बहुत अलग हैं और अपनी इसी निरंतरता की वजह से सफल हैं।रोड्स ने रोहित की तुलना भारतीय टेस्ट टीम के मौजूदा उप-कप्तान केएल राहुल से की। उनका मानना है कि दोनों ही बल्लेबाजों में अपनी सहज टाइमिंग और शानदार शॉट-प्ले से प्रशंसकों का दिल जीतने का प्रयास किया है।

अफगानिस्तान के खिलाफ दोहरा शतक नहीं लगा पाने से निराश हैं शुभमन

एजेंसी, लखनऊ

भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान शुभमन गिल अफगानिस्तान के खिलाफ दूसरे एकदिवसीय में शतक लागने के बाद भी खुश नहीं है। शुभमन के अनुसार उनका लक्ष्य दोहरा शतक लगाना था पर वह पूरा नहीं हो पाया। इस मैच में हालांकि भारतीय टीम को बड़ी जीत मिली। शुभमन ने इस मैच में कठिन हालातों के बीच भी 154 रनों की पारी खेली। शुभमन ने मैच के बाद खुलासा किया कि उनका लक्ष्य दोहरा शतक बनाना था, जो वह हासिल नहीं कर सके। मैच के बाद अपनी टीम टीम की 170 रन की जीत को लेकर शुभमन ने बल्लेबाजी पर संतोष जताया पर कहा कि वह अपना लक्ष्य पूरा नहीं कर पाये। उन्होंने कहा, मैं जहां गेंद को मारना चाह रहा था, गेंद वहीं जा रही थी। मेरा आत्मविश्वास बढ़ा हुआ था। मेरा लक्ष्य मैच जल्दी समाप्त करना और 40-45 ओवर तक बल्लेबाजी करना था। मैं 200 रन बनाना चाहता था पर लगातार शॉट खेलने के दबाव में डीप कवर पर कैच आउट हो गया। मैं चाहता था कि टीम 430 रन तक पहुंचे। शुभमन ने माना है कि तेज गर्मी के कारण उन्हें सूजन और जकड़न की समस्या का भी सामना करना पड़ा था। उन्होंने कहा, थोड़ी तकलीफ थी, शरीर में अलग-अलग जगहों पर ऐंठन हुई। बहुत गर्मी थी, लेकिन मैंने 40-45 ओवर तक बल्लेबाजी की। अब काफी बेहतर महसूस कर रहा हूं और अच्छी स्थिति में हूं। उन्होंने टीम के तेज गेंदबाजों की भी जमकर प्रशंसा। शुभमन ने कहा, टॉस से ज्यादा फर्क नहीं पड़ा। अगर हमें 310-320 रन का लक्ष्य मिला होता तो टीम पर अच्छा दबाव होता। सब कुछ अच्छी स्थिति में है। तेज गेंदबाज लगातार सही जगह पर गेंदबाजी कर रहे हैं, जो आसान नहीं है। दूसरी ओर, अफगानिस्तान के कप्तान हशमतुल्लाह शाहीदी अपनी टीम के प्रदर्शन, खासकर गेंदबाजों से निराश दिखे। उन्होंने स्वीकार किया कि उनके गेंदबाजों का प्रदर्शन उम्मीद के मुताबिक नहीं रहा। शाहीदी ने कहा, आप सब कुछ टॉस पर नहीं छोड़ सकते। हमारी गेंदबाजी अच्छी नहीं थी। हमने शुरुआती 20 ओवरों में उन्हें लय दे दी।

वैभव को स्थिति प्रबंधन प्रशिक्षण दिया जाना जरुरी : विशेषज्ञ

एजेंसी, मुम्बई

15 साल के उभरते हुए भारत ए टीम के बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी ने जिस प्रकार से श्रीलंका ए के खिलाफ मुकाबले में टीम की हार के बाद आपा खोया है, उस पर खेल विशेषज्ञों ने चिन्ता जतायी है। इन विशेषज्ञों का मानना है कि विरोधी खिलाड़ी वैभव को उकसाने को प्रयास करेंगे, इस प्रकार की स्थित से किस प्रकार से निपटना है ये उन्हें सिखाना पड़ेगा। इनका मानना है कि वैभव सूर्यवंशी की लोकप्रियता जिस तेजी से बढ़ रही है। उसको देखते हुए अब मैदान पर उनकी एकाग्रता भंग करने विरोधी टीमें छींटाकशी और मनोवैज्ञानिक दांवपेच का भी सहारा ले सकती हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि श्रीलंका में जिस प्रकार त्रिकोणीय टूर्नामेंट में उन्हें उकसाने का प्रयास हुआ है। उसको देखते हुए हालातों से बचने के लिए उन्हें विशेष स्थिति प्रबंधन प्रशिक्षण की तत्काल आवश्यकता है। साथ ही कहा कि मैदान पर अपनी भावनाओं पर नियंत्रण रखना उन्हें सीखना होगा। तभी उनका अंतरराष्ट्रीय करियर सफल होगा। हाल ही में श्रीलंका-ए के खिलाफ सुपर ओवर में भारत ए की हार के बाद, वैभव सूर्यवंशी और विपक्षी श्रीलंकाई क्रिकेटर विशेन हलाम्बागे के बीच धक्का-मुक्की और तीखी बहस देखी गई थी। यह घटना इस बात का स्पष्ट संकेत है कि युवा वैभव को खेल के मानसिक पहलुओं के लिए तैयार रहने की जरूरत है। राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी (एनसीए) इसका महत्व को पहले से ही समझती है।

कॉनवे और टिकनर सहित न्यूजीलैंड के 20 क्रिकेटरों को मिला केन्द्रीय अनुबंध

एजेंसी, क्राइस्टचर्च। न्यूजीलैंड क्रिकेट बोर्ड ने आगामी 2026-27 सत्र के लिए डेवोन कॉनवे और तेज गेंदबाज ब्लेयर टिकनर सहित 20 खिलाड़ियों को साल 2026-27 के लिए केन्द्रीय अनुबंध दिया है। वहं आदित्य अशोक और मुहम्मद अब्बास को इस सूची से बाहर कर दिया गया है। यह सूची 1 अगस्त 2026 से 31 जुलाई 2027 तक प्रभावी रहेगी। कॉनवे, जो पिछले दो साल से ही वैक्ल्पिक करार पर थे। अब केन्द्रीय अनुबुंध का हिस्सा हो गये हैं। 146 अंतरराष्ट्रीय कैप और सभी प्रारुपों में 6,000 से अधिक रन के साथ, कॉनवे टीम के लिए एक अहम खिलाड़ी बन गये हैं। मुख्य कोच रॉब वाल्टर ने उनकी वापसी पर खुशी जाहिर करते हुए कहा कि उनके जैसे काबिल खिलाड़ी का अनुबंध में वापस आना अच्छी बात है। इसका कारण है कि वे अब सभी अंतरराष्ट्रीय मैचों के लिए उपलब्ध रहेंगे। टिकनर ने सेंट्रल स्टैग्स और राष्ट्रीय टीम दोनों के लिए तीनों फॉर्मेट में लगातार शानदार प्रदर्शन कर अपनी जगह दोबारा हासिल की है। उन्होंने न्यूजीलैंड के लिए अपनी पिछली आठ पारियों में से पांच में चार या उससे अधिक विकेट लिए हैं। जैक फोल्क्स और मिच हे को भी अनुबंध में बरकरार रखा है।

प्रभसिमरन सिंह ने अर्शदीप का बचाव किया

एजेंसी, मुम्बई

इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के 19में सत्र के दौरान वायरल हुए एक वीडियो को लेकर आलोचनाप का सामना कर रहे टीम पंजाब किंग्स के तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह के बचाव में पंजाब किंग्स के विकेटकीपर-बल्लेबाज प्रभसिमरन सिंह आये हैं। जिस वीडियो को लेकर विवाद उठा है उसमें अर्शदीप हंसी मजाक के मूड में मुंबई इंडियंस के बल्लेबाज तिलक वर्मा को ओए अंधेरे कहते हुए दिखाई दिए, जिसके बाद से ही अर्शदीप की सोशल मीडिया पर नस्लीय टिप्पणी करने के आरोपों को लेकर आलोचना हो रही। ऐसे में प्रभसिमरन ने कहा वीडियो में जो कहा जा रहा है ये केवल दो दोस्ती की मजाकिया बातचीत थी और इसे तूल नहीं दिया जाना चाहिये। प्रभसिमरन ने का कि अर्शदीप और तिलक वर्मा के बीच काफी अच्छी दोस्ती है और दोनों अक्सर एक-दूसरे के साथ हंसी-मज़ाक करते रहते हैं। उन्होंने जोर देकर कहा कि यह सिर्फ दोस्तों के बीच का एक सामान्य मज़ाक था और इसे बेवजह मुद्दा नहीं बनाना चाहिए। प्रभसिमरन ने कहा कि दोनों खिलाड़ियों ने साथ में काफी क्रिकेट खेली है और वे आपस में कुछ भी कहते रहते हैं। उन्होंने लोगों से इस मामले को उन्हीं पर छोड़ देने का आग्रह किया। प्रभसिमरन ने यह भी बताया कि सोशल मीडिया पर हुई आलोचना का अर्शदीप र कोई असर नहीं पड़ा। उनके अनुसार, तेज गेंदबाज का व्यवहार पहले जैसा ही है और वह हमेशा अपने खेल पर ध्यान केंद्रित करते हैं। उन्होंने अर्शदीप की तारीफ करते हुए कहा कि उनकी सबसे अच्छी बात यह है कि वह अच्छे और बुरे समय में एक जैसे रहते हैं और बेहद मेहनती खिलाड़ी हैं। प्रभसिमरन ने तर्क दिया कि किसी निजी विवाद की वजह से उनके क्रिकेट प्रदर्शन को आंकना सही नहीं होगा।

बिजनेस

इंडिगो एयरलाइन ने 'कैब्स विद इंडिगो' एयरपोर्ट ट्रांसफर सर्विस लॉन्च की

- सिर्फ 49 रुपये में बुक होगी कैब, एयरपोर्ट ट्रांसफर के साथ आसान यात्रा का भरोसा

एजेंसी, नई दिल्ली

इंडिगो एयरलाइन ने गुरुवार को 'कैब्स विद इंडिगो' नाम से एक नई एयरपोर्ट ट्रांसफर सर्विस लॉन्च की है। यह सर्विस देश के सभी शहरों में उपलब्ध होगी और इंडिगो ब्लूचिप लॉयल्टी प्रोग्राम से जुड़ी होगी। इसके जरिए हवाई सफर करने वाले यात्रियों को 49 रुपये में कैब रिजर्वेशन, 100 फीसदी कन्फर्म राइड, बिना सर्ज प्राइसिंग, फ्री कैंसिलेशन और 30 मिनट फ्री वेटिंग जैसी सुविधाएं मिलेंगी। कंपनी ने कहा कि आसान और बिना किसी परेशानी वाली यात्रा देने के अपने वादे को पूरा करते हुए भारत की पसंदीदा एयरलाइन इंडिगो ने 'कैब्स विद इंडिगो' सर्विस शुरू की है। यह एक खास एयरपोर्ट ट्रांसफर सर्विस है, जिसे भारत के सभी शहरों में एयरपोर्ट तक और वहां से आने-जाने के लिए भरोसेमंद, समय पर और तनाव-मुक्त कनेक्टिविटी देने के लिए बनाया गया है। एयरलाइन के लॉयल्टी प्रोग्राम 'इंडिगो ब्लूचिप' के साथ आसानी से जुड़ी यह सर्विस सदस्यों को 'कैब्स विद इंडिगो' पर खर्च किए गए हर 100 रुपये के लिए 5 'इंडिगो ब्लूचिप' कमाने का मौका देगी, जिससे तेजी से पॉइंट जमा होंगे और पूरी यात्रा एक फायदेमंद अनुभव बनेगी। इंडिगो के चीफ डिजिटल और इन्फॉर्मेशन ऑफिसर नीतन चोपड़ा ने कहा कि इंडिगो में हमारा ध्यान सिर्फ उड़ानें चलाने से कहीं ज्यादा है। हम एक ऐसा आसान और पूरा ट्रैवल इकोसिस्टम बनाने के लिए प्रतिबद्ध हैं, जिस पर हमारे ग्राहक भरोसा कर सकें। उन्होंने कहा कि 'कैब्स विद इंडिगो' की शुरुआत इस विजन को और मजबूत करती है। यह पक्का करती है कि यात्रा का हर चरण, 'घर से एयरपोर्ट और फिर आखिरी मंज़िल तक' आसान, भरोसेमंद और तनाव-मुक्त हो। नीतन चोपड़ा ने कहा कि जैसे-जैसे हम अपनी ट्रैवल सेवाओं को बेहतर बना रहे हैं, यह सर्विस हमारे ग्राहकों को काम की, बिना किसी परेशानी वाली और एक जैसी ट्रैवल सुविधा देने के हमारे वादे को और मज़बूत करती है। 'कैब्स विद इंडिगो' अब इंडिगो की वेबसाइट और मोबाइल ऐप के ज़रिए बुकिंग के लिए उपलब्ध है। इंडिगो ग्राहकों के लिए शुरू से आखिर तक की यात्रा को आसान बनाने पर ध्यान देते हुए एक बेहतर ट्रैवल इकोसिस्टम में लगातार निवेश कर रही है और 'कैब्स विद इंडिगो' का लॉन्च उसी वादे का एक स्वाभाविक विस्तार है। हवाई कनेक्टिविटी देने के अलावा इंडिगो 7 लाख से ज़्यादा ठहरने के विकल्पों और चुने हुए घूमने-फिरने के अनुभवों के लिए होटल बुकिंग की सुविधा भी देती है। नई सर्विस 'कैब्स विद इंडिगो' इस इकोसिस्टम को और बेहतर बनाती है। मोजोबॉक्स द्वारा संचालित 'कैब्स विद इंडिगो' यात्रियों को हवाई यात्रा के लिए खास तौर पर तैयार की गई सुविधाओं के साथ एक भरोसेमंद और पारदर्शी मोबिलिटी समाधान देती है।

हितेश रमेश चंद्र जोशी ने जीआईसी री के चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक का पद संभाला

एजेंसी, नई दिल्ली

सार्वजनिक क्षेत्र की पुनर्बीमा कंपनी जनरल इंश्योरेंस कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया (जीआईसी री) ने बुधवार को हितेश रमेश चंद्र जोशी को अपना नया चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक (सीएमडी) नियुक्त किया है। वे 1 अक्टूबर, 2025 से ही अंतरिम तौर पर यह भूमिका निभा रहे थे। कंपनी के मुताबिक हितेश रमेश चंद्र जोशी ने 16 जून को आधिकारिक तौर पर अपना कार्यभार संभाल लिया है। वित्त मंत्रालय ने 15 जून को एक पत्र के जरिये हितेश रमेश चंद्र जोशी को चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक नियुक्त करने को मंजूरी दी है। उनकी नियुक्ति सेवानिवृत्ति तिथि 30 सितंबर, 2028 तक अथवा अगले आदेश तक, जो भी पहले हो, प्रभावी रहेगी। यह पद नारायणन रामास्वामी का दो वर्षीय कार्यकाल पूरा होने के बाद रिक्त हुआ था। हितेश रमेश चंद्र जोशी ने अपनी नियुक्ति पर कहा कि मैं जीआईसी री की टीम के साथ मिलकर कंपनी की बाजार में अग्रणी स्थिति को और मजबूत करने, वैश्विक उपस्थिति का विस्तार करने तथा हितधारकों के लिए मूल्य सृजन जारी रखने की दिशा में काम करने को लेकर उत्साहित हूं।

एनएसई ने आईपीओ लाने के लिए सेबी के समक्ष दाखिल किया डीआरएचपी

एजेंसी, नई दिल्ली

नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) ने आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के जरिए फंड जुटाने के लिए बुधवार को पूंजी बाजार नियामक भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) के समक्ष अपना ड्राफ़्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (डीआरएचपी) दाखिल किया है। सेबी के समक्ष जमा मसौदा दस्तावेज के मुताबिक एनएसई का प्रस्तावित आईपीओ पूरी तरह बिक्री पेशकश (ओएफएस) पर आधारित होगा। एनएसई के करीब 30,000 करोड़ रुपये के आकार वाला ये आईपीओ पूरी तरह मौजूदा शेयरधारकों की बिक्री पेशकश पर आधारित है, , जिसमें मौजूदा शेयरधारक कुल 14.89 करोड़ शेयर बेचेंगे। इस निर्गम के जरिए शेयरधारक सामूहिक रूप से एनएसई में अपनी करीब छह फीसदी हिस्सेदारी बेचेंगे। यह बहुप्रतीक्षित आईपीओ अक्टूबर 2024 में आए हुंडई मोटर इंडिया के 27,870 करोड़ रुपये के निर्गम के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ सकता है। इसमें प्रमुख हिस्सेदारी विक्रेताओं में स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई) शामिल है, जो अपना 2.48 करोड़ शेयर बेचेगा, जबकि एमएस स्ट्रैटेजिक (मॉरीशस) लिमिटेड 1.60 करोड़ शेयरों की बिक्री करेगा। इसके अलावा अन्य प्रमुख विक्रेताओं में कनाडा पेंशन प्लान इन्वेस्टमेंट बोर्ड (1.19 करोड़ शेयर), अरांडा इन्वेस्टमेंट्स (मॉरीशस) प्रा. लिमिटेड (1.12 करोड़ शेयर), बैंक ऑफ बड़ौदा (1.10 करोड़ शेयर) और स्टॉक होल्डिंग कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (1.09 करोड़ शेयर) शामिल हैं। हालांकि एनएसई में सबसे अधिक 10.72 फीसदी की हिस्सेदारी रखने वाली बीमा कंपनी भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) इस निर्गम में कोई शेयर नहीं बेचेगी। एनएसई के निदेशक मंडल ने छह फरवरी को प्रस्तावित आईपीओ को मंजूरी दी थी। यह मंजूरी भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) से अनापत्ति प्रमाणपत्र (एनओसी) मिलने के बाद दी गई थी। आईपीओ की तैयारी के तहत एनएसई ने 20 मर्चेंट बैंकर के अलावा कानूनी सलाहकारों और अन्य मध्यस्थों की नियुक्ति की है। एनएसई ने पहली बार 2016 में लगभग 10,000 करोड़ रुपये जुटाने के लिए आईपीओ दस्तावेज दाखिल किए थे, लेकिन सेबी ने कामकाज के संचालन और को-लोकेशन मामले से जुड़ी चिंताओं के कारण मंजूरी रोक दी थी। उल्लेखनीय है कि गैर-सूचीबद्ध बाजार में एनएसई का मूल्यांकन पांच लाख करोड़ रुपये से अधिक आंका जा रहा है। एक्सचेंज के करीब 1.8 लाख शेयरधारक हैं।

शेयर बाजार में शुरुआती गिरावट के बाद तेजी, सेंसेक्स 82.99 अंक उछला

एजेंसी, नई दिल्ली

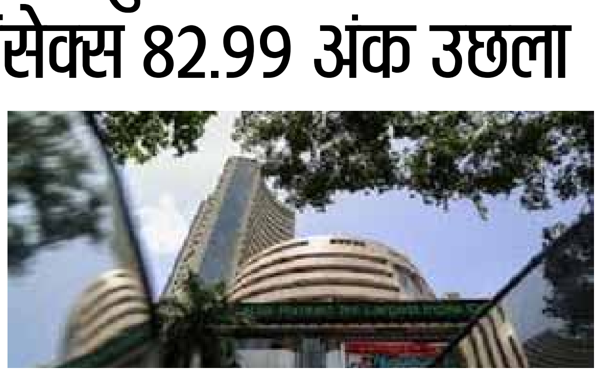

लगातार चार दिनों से चली आ रही शेयर बाजार की तेजी पर अचानक ब्रेक लग गया । हफ्ते के चौथे कारोबारी दिन गुरुवार को घरेलू शेयर बाजार में सुबह नरम शुरुआत हुई। अमेरिका और ईरान के बीच डील और कच्चे तेल की कीमत में गिरावट के बावजूद घरेलू शेयर बाजार में मामूली गिरावट आई। लेकिन, अभी सेंसेक्स और निफ्टी में तेजी है। फिलहाल, बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) का सेंसेक्स 82.99 अंक यानी 0.11 फीसदी की उछाल के साथ 77,238.61 के स्तर पर कारोबार कर रहा है। वहीं, नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी 43.85 अंक यानी 0.18 फीसदी की बढ़त के साथ 24,129.55 के स्तर पर ट्रेंड कर रहा है। बाजार में आज उतार-चढ़ाव भरे कारोबार के बीच सेंसेक्स शुरुआती कारोबार में 111.23 अंक टूटकर 77,044.39 अंक पर और निफ्टी 26.85 अंक की गिरावट के साथ 24,058.85 अंक पर पहुंच गया था। वहीं, रुपया शुरुआती कारोबार में 21 पैसे टूटकर अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 94.71 पर है। उल्लेखनीय है कि एक दिन पहले बुधवार को सेंसेक्स 347 अंक की तेजी के साथ 77,156 के स्तर पर बंद हुआ। वहीं, निफ्टी भी 97 अंक की बढ़त के साथ 24,086 पर बंद हुआ था।

केंद्र ने डॉ. सैबल चट्टोपाध्याय को राष्ट्रीय सांख्यिकी आयोग का अध्यक्ष किया नियुक्त

एजेंसी, नई दिल्ली : केंद्र सरकार ने डॉ. सैबल चट्टोपाध्याय को राष्ट्रीय सांख्यिकी आयोग (एनएससी) का अध्यक्ष नियुक्त किया है। देश की सभी मुख्य सांख्यिकी गतिविधियों के लिए एक नोडल निकाय के रूप में कार्य करने वाले इस आयोग के अध्यक्ष और सदस्यों की नियुक्ति को मंत्रिमंडल की नियुक्ति समिति (एसीसी) ने मंजूरी दे दी है। इनके साथ ही प्रो. शुभब्रता दास, सत्येन्द्र बहादुर सिंह और डॉ. माधवन मुकुंद को आयोग के नए सदस्य के रूप में नियुक्त किया गया है। डॉ. स चट्टोपाध्याय इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट, कोलकाता के पूर्व निदेशक हैं। उन्होंने अमेरिका के स्टॉर्स स्थित कनेक्टिकट विश्वविद्यालय से सांख्यिकी में पीएचडी और एमएस की उपाधि प्राप्त की है। प्रोफेसर शुभब्रता दास बैंगलोर स्थित इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट में प्रोफेसर हैं। उन्होंने चैपल हिल स्थित यूनिवर्सिटी ऑफ नॉर्थ कैरोलिना से सांख्यिकी में पीएचडी और एमएस तथा कोलकाता स्थित भारतीय सांख्यिकी संस्थान से सांख्यिकी में एम.स्टैट और बी.स्टैट की उपाधि प्राप्त की है। सत्येंद्र बहादुर सिंह भारतीय सांख्यिकी सेवा के 1987 बैच के सेवानिवृत्त अधिकारी हैं, जिनका भारत सरकार में तीन दशकों से अधिक की सेवा का करियर रहा है और उन्हें आधिकारिक सांख्यिकी, आर्थिक सांख्यिकी, श्रम और रोजगार सांख्यिकी, नीतिगत सहायता, प्रशिक्षण और प्रशासन में अनुभव है।

टाटा मोटर्स वाणिज्यिक वाहनों की कीमत में एक जुलाई से करेगी 2.5 फीसदी की वृद्धि

एजेंसी, नई दिल्ली

देश की सबसे बड़ी कमर्शियल वाहन निर्माता कंपनी टाटा मोटर्स ने अब अपने व्यावसायिक वाहनों की कीमतों में बढ़ोतरी करने का ऐलान किया है। नई कीमतें आगामी एक जुलाई से लागू होंगी। कंपनी ने गुरुवार को एक बयान में बताया कि यह मूल्य वृद्धि उसके सभी वाणिज्यिक वाहनों पर लागू होगी। हालांकि अलग-अलग मॉडल एवं संस्करण के अनुसार बढ़ोतरी की दरें अलग-अलग हो सकती है। टाटा मोटर्स के मुताबिक यह कदम कच्चे माल की बढ़ती कीमतों और अन्य लागतों के प्रभाव को आंशिक रूप से संतुलित करने के लिए उठाया जा रहा है। इससे पहले कंपनी ने पैसेंजर व्हीकल की कीमतों में बढ़ोतरी का ऐलान किया था। टाटा मोटर्स के कार के दाम में यह बढ़ोतरी भी आगामी एक जुलाई से लागू होगी। कंपनी ने बताया था कि उसकी पेट्रोल, डीजल और इलेक्ट्रिक कारों की कीमतों में 1.5 फीसदी तक की बढ़ोतरी की जाएगी। उल्लेखनीय है कि टाटा मोटर्स देश में व्यावसायिक वाहन बनाने वाली सबसे बड़ी कंपनियों में से एक है। इसका पुराना नाम टेल्को था। ये टाटा समूह की प्रमुख कंपनियों में से एक है। इसकी उत्पादन इकाइयां भारत में जमशेदपुर, पुणे और लखनऊ सहित देश के कई शहरों में हैं।

फिल्म

कीर्ति कुल्हारी ने की मानवी गगरू के अभिनय की सराहना

कॉमेडी-ड्रामा फिल्म 'हीर सारा और पुडुचेरी' के रिलीज होने के अवसर पर अभिनेत्री कीर्ति कुल्हारी ने सोशल मीडिया के माध्यम से फिल्म और इसकी टीम को शुभकामनाएं दी हैं। अभिनेत्री पत्रलेखा और मानवी गगरू अभिनीत इस फिल्म को लेकर उन्होंने एक विशेष पोस्ट साझा करते हुए मानवी गगरू की सराहना की। अभिनेत्री ने दर्शकों से फिल्म देखने की अपील भी की। कीर्ति कुल्हारी ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर फिल्म का एक क्लिप साझा करते हुए लिखा कि इस खास मौके पर वह मानवी गगरू को दिल से बधाई देती हैं और कामना करती हैं कि फिल्म को भरपूर प्यार मिले। उन्होंने पूरी टीम के लिए शुभकामनाएं व्यक्त करते हुए दर्शकों से अपने नजदीकी सिनेमाघरों में जाकर इस फिल्म का समर्थन करने का आग्रह किया। उनकी इस पोस्ट को सोशल मीडिया पर प्रशंसकों की ओर से सकारात्मक प्रतिक्रिया मिली। निर्देशक कार्तिक चौधरी के निर्देशन में बनी यह फिल्म दो महिलाओं की भावनात्मक और आत्म-खोज की यात्रा को केंद्र में रखती है। कहानी ऐसे दौर में आगे बढ़ती है जब दोनों पात्र अपने-अपने जीवन में व्यक्तिगत संघर्षों और सामाजिक दबावों का सामना कर रही होती हैं। फिल्म में पत्रलेखा द्वारा निभाया गया सारा का किरदार एक महत्वाकांक्षी बाइक राइडर का है, जो अपनी मां की तलाश में इंदौर से पुडुचेरी तक की लंबी यात्रा पर निकलती है। वहीं मानवी गगरू द्वारा निभाई गई हीर अपने जीवन की उलझनों के बीच अपने प्रेमी की शादी रोकने की कोशिश करती है। कहानी के माध्यम से महिला मित्रता, आत्मविश्वास, पहचान और सामाजिक बंधनों से मुक्त होकर अपनी राह चुनने जैसे विषयों को सामने लाने का प्रयास किया गया है। फिल्म यह संदेश देने की कोशिश करती है कि जीवन की चुनौतियों के बीच भी व्यक्ति अपने अस्तित्व और उद्देश्य को नए सिरे से खोज सकता है। फिल्म का निर्माण मेघा क्रिएशन्स, नेक्स्ट लेवल प्रोडक्शंस और ऑप्टिकस इंक के सहयोग से किया गया है, जबकि संगीत सहयोग सोनी म्यूजिक इंडिया ने प्रदान किया है। फिल्म में आरिफ जकारिया, निशंक वर्मा और श्वेता साल्वे भी महत्वपूर्ण भूमिकाओं में दिखाई दे रहे हैं। रिलीज के बाद फिल्म को दर्शकों से मिश्रित प्रतिक्रियाएं मिल रही हैं।

बॉलीवुड अभिनेत्री कृति सेनन को अपने निवेश पर मिला शानदार 107 प्रतिशत का रिटर्न

हाल ही में बॉलीवुड अभिनेत्री कृति सेनन ने अपनी मां गीता सेनन और बहन नूपुर सेनन के साथ मिलकर मुंबई में स्थित अपनी चार आवासीय संपत्तियां बेची हैं, जिससे उन्हें महज 9 वर्षों में अपने निवेश पर शानदार 107 प्रतिशत का रिटर्न मिला है। जानकारी के अनुसार, सेनन परिवार ने मुंबई के पॉश इलाके अंधेरी वेस्ट स्थित प्रीमियम रेजिडेंशियल प्रोजेक्ट रहेजा क्लासिक में मौजूद चार अपार्टमेंट्स का सौदा किया है। अप्रैल 2026 में हुए इन संपत्तियों के रजिस्ट्रेशन से कुल 8.88 करोड़ रुपये की कमाई हुई है। परिवार ने इन प्रॉपर्टीज में कुल 4.30 करोड़ रुपये का शुरुआती निवेश किया था, जिसका अर्थ है कि उन्हें लगभग 4.58 करोड़ रुपये का शुद्ध मुनाफा हुआ है। यह आंकड़ा कृति की वित्तीय दूरदर्शिता को बखूबी दर्शाता है और साबित करता है कि सही समय पर किया गया निवेश कितना फायदेमंद हो सकता है। इन संपत्तियों को सेनन परिवार ने अलग-अलग समय पर खरीदा था। सबसे पहले, जुलाई 2013 में गीता सेनन ने करीब 1.40 करोड़ रुपये में दो अपार्टमेंट खरीदे थे। इसके बाद, जून 2017 में कृति सेनन और नूपुर सेनन ने उसी प्रोजेक्ट में लगभग 2.90 करोड़ रुपये की लागत से दो और यूनिट्स अपने नाम कीं। कई वर्षों तक इन संपत्तियों को अपने पास रखने के बाद परिवार ने इन्हें बेचने का फैसला किया और अब उन्हें अपने निवेश पर 107 प्रतिशत का बेहतरीन रिटर्न मिला है, जो बाजार विशेषज्ञों के लिए भी एक मिसाल है। बेची गई चार यूनिट्स में से दो बड़े अपार्टमेंट्स प्रत्येक 3.23 करोड़ रुपये में बिके। इन अपार्टमेंट्स का बिल्ट-अप एरिया लगभग 654 वर्ग फुट और कारपेट एरिया 545 वर्ग फुट था, जिसमें एक पार्किंग स्पेस भी शामिल था। शेष दो छोटे अपार्टमेंट्स को लगभग 1.21 करोड़ रुपये प्रति यूनिट के हिसाब से बेचा गया। इन सौदों पर लाखों रुपये की स्टाम्प ड्यूटी और अन्य शुल्क भी अदा किए गए थे, जिसके बाद भी यह मुनाफा उल्लेखनीय है। यह अकेला सौदा नहीं है जो कृति की निवेश यात्रा को दर्शाता है। वह लंबे समय से रियल एस्टेट में सक्रिय रही हैं।

पिछले साल, उन्होंने मुंबई के प्रतिष्ठित पाली हिल इलाके में समुद्र के शानदार नज़ारे वाला एक आलीशान डुप्लेक्स पेंटहाउस खरीदा था, जिसकी कीमत लगभग 88 करोड़ रुपये बताई गई थी। इस घर की सह-मालकिन उनकी मां गीता सेनन भी हैं, जो परिवार की मजबूत वित्तीय साझेदारी को दर्शाता है। इसके अतिरिक्त, अभिनेत्री ने साल 2024 में अलीबाग में द हाउस ऑफ अभिनंदन लोढ़ा के प्रोजेक्ट के तहत लगभग 2,000 वर्ग फुट का एक प्लॉट भी खरीदा है। कृति ने इस निवेश को सिर्फ एक संपत्ति नहीं, बल्कि शांति, प्राइवेसी और भविष्य की एक मजबूत योजना का हिस्सा बताया था। बता दे कि कृति सेनन इन दिनों न केवल अपनी दमदार अदाकारी से दर्शकों का दिल जीत रही हैं, बल्कि उनकी वित्तीय समझदारी और निवेश कौशल ने भी उन्हें चर्चा का विषय बना दिया है।

एक्ट्रेस रश्मि देसाई ने बेहद खूबसूरत पुरानी तस्वीरें की शेयर, हुई भावुक

छोटे परदे की एक्ट्रेस रश्मि देसाई ने कुछ बेहद खूबसूरत और स्टाइलिश पुरानी तस्वीरें शेयर की हैं, जिनमें उनके बचपन से लेकर आज तक के सफर की झलक दिखती है। सोशल मीडिया पर तस्वीरों को साझा करते हुए रश्मि काफी इमोशनल नजर आईं। अपनी भावनाओं को व्यक्त करते हुए उन्होंने कहा कि जब वह छोटी थीं, तो उन्हें बिल्कुल भी अंदाजा नहीं था कि किस्मत उन्हें कहाँ ले जाने वाली है। लेकिन एक बात तय थी कि उस छोटी रश्मि ने हमेशा अपने अंदर के आत्मविश्वास और चमक को कभी कम नहीं होने दिया, जो आज भी उनके व्यक्तित्व में साफ झलकती है। रश्मि ने अपनी इस पूरी जर्नी के दौरान मिले हर एक सबक, हर उतार-चढ़ाव, मुश्किलों और भगवान से मिले आशीर्वाद का दिल से शुक्रिया अदा किया। उन्होंने कहा कि आज वह जिस मुकाम पर हैं, उसमें उनके जीवन के इन सभी पुराने अनुभवों का बहुत बड़ा हाथ है, और यही अनुभव उन्हें और मजबूत बनाते हैं। अगर रश्मि देसाई के करियर ग्राफ पर नजर डालें तो उन्होंने साल 2006 में सीरियल रावण से हिंदी टीवी की दुनिया में कदम रखा था। लेकिन उन्हें असली पहचान और घर-घर में लोकप्रियता 2000 के दशक के सुपरहिट शो उतरन में तपस्या के किरदार से मिली। तपस्या के रूप में उन्होंने दर्शकों के दिलों पर ऐसा जादू चलाया कि वह आज भी इस किरदार के लिए जानी जाती हैं। रश्मि का जादू सिर्फ सीरियल्स तक ही सीमित नहीं रहा, बल्कि उन्होंने बड़े पर्दे पर भी अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। वह सलमान खान की ब्लॉकबस्टर फिल्म दबंग 2 में एक खास और यादगार रोल में भी दिखी थीं, जिससे उनकी बहुमुखी प्रतिभा साबित हुई। छोटे पर्दे पर अपनी धाक जमाने के साथ-साथ, रश्मि ने कई बड़े रियलिटी शोज में भी अपना जलवा बिखेरा। वह बिग बॉस 13 में अपनी मजबूत पर्सनालिटी और खेल के लिए काफी सराही गईं, इसके अलावा खतरों के खिलाड़ी 6, झलक दिखला जा 5 और नच बलिए 7 जैसे लोकप्रिय शोज में भी उन्होंने अपनी काबिलियत का लोहा मनवाया। यह सभी शो उनकी प्रसिद्धि और लोकप्रियता को दर्शाते हैं। फिलहाल, 40 साल की हो चुकी रश्मि को आखिरी बार मशहूर शो वागले की दुनिया में देखा गया था, जहाँ उन्होंने एक बार फिर अपने अभिनय से दर्शकों का दिल जीता। टीवी और फिल्मों के अलावा रश्मि ने हाल में थिएटर यानी नाटकों की दुनिया में भी खूब नाम कमाया है और इसकी वकालत करती हैं। उन्होंने थिएटर कलाकारों की स्थिति पर अपनी राय रखते हुए कहा था कि हमारे देश में नाटक करने वाले कलाकारों को वह सम्मान और पहचान नहीं मिलता जिसके वे असल में हकदार हैं। रश्मि की मानें तो थिएटर आज भी सबसे कम आंका जाने वाला माध्यम है, जबकि एक थिएटर एक्टर दिन-रात बहुत कड़ी मेहनत करता है और एक छोटे से परिवार की तरह मिलजुल कर खुशी से रहता है। उन्हें अपनी कला के लिए किसी बाहरी इंसान की मंजूरी या तारीफ की जरूरत नहीं होती, क्योंकि वे अपनी कला से ही संतुष्ट होते हैं। अगर वे कभी नाकाम भी होते हैं, तो बाकी साथी उनका हाथ थामने के लिए हमेशा खड़े रहते हैं, जो इस माध्यम की सबसे खूबसूरत बात है।

खत्म हुआ इंतजार, आ गई दृश्यम 3 की ओटीटी रिलीज डेट उठने वाला है सस्पेंस से पर्दा

साउथ सिनेमा के सुपरस्टार मोहनलाल की फिल्म दृश्यम 3, 21 मई 2026 में सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी। सस्पेंस थ्रिलर फिल्म को दर्शकों और समीक्षकों दोनों से तो अच्छा रिस्पांस तो मिला ही था, लेकिन बॉक्स ऑफिस पर हिंदी में रिलीज हुए बिना ही इस फिल्म ने रिकॉर्ड कायम किया। ये जानकारी तो हमने आपके साथ पहले ही शेयर कर दी थी कि जीतू जोसेफ के निर्देशन में बनी दृश्यम 3 जून में ओटीटी प्लेटफॉर्म पर दस्तक दे देगी। अब सस्पेंस थ्रिलर फिल्म की ओटीटी पर रिलीज की तारीख भी तय हो चुकी है। मलयालम भाषा में बनी मोहनलाल की सस्पेंस थ्रिलर फिल्म दृश्यम 3 की रिलीज डेट पर से प्राइम वीडियो ने पर्दा उठा दिया है। अमेजन प्राइम वीडियो ने हाल ही में अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक दृश्यम 3 की ऑफिशियल रिलीज डेट की घोषणा करते हुए यह बता दिया है कि मूवी 18 जून को ओटीटी प्लेटफॉर्म पर रिलीज कर दी जाएगी। सिनेमाघरों में सफल प्रदर्शन करने वाली दृश्यम 3 ग्लोबल लेवल पर 200 से ज्यादा देशो में ऑडियंस के लिए स्ट्रीम किया जाएगा। दर्शक इस फिल्म का मलयालम के अलावा तेलुगु, तमिल और कन्नड़ वर्जन भी देख पाएंगे। हालांकि, हिंदी भाषा में यह फिल्म ओटीटी प्लेटफॉर्म पर उपलब्ध नहीं है। वजह ये है कि दृश्यम 3 के हिंदी राइट्स अजय देवगन के पास हैं, जो 2 अक्टूबर 2026 को मूवी सिनेमाघरों में रिलीज करने वाले हैं। दृश्यम 3 के कलेक्शन की बात करें तो, इस फिल्म ने 23 दिनों में घरेलू बॉक्स ऑफिस पर कुल 108 .23 करोड़ की कमाई की है। वर्ल्डवाइड भी दर्शकों का दृश्यम 3 को बहुत प्यार मिला है और फिल्म का बिजनेस ओवरऑल 237 .25 करोड़ पहुंच चुका है। जॉर्जकुटी इस बार खुद को और परिवार को कैसे पुलिस से बचाता है, यह देखना बहुत ही दिलचस्प होगा।

ऑनलाइन एयर फ्रायर खरीदते समय इन 5 बातों का रखें खास ध्यान, होगा सही चयन

एयर फ्रायर एक ऐसा रसोई उपकरण है, जो कम तेल में तली चीजों को कुरकुरा बनाने में मदद कर सकता है। अगर आप ऑनलाइन एयर फ्रायर खरीदने वाले हैं तो आपको कुछ खास बातों पर ध्यान देना चाहिए ताकि आपको बेहतरीन और आपकी जरूरतों के अनुसार ही मिले। आइए आज हम आपको कुछ ऐसी अहम बातें बताते हैं, जिनसे आपको सही एयर फ्रायर खरीदने में मदद मिलेगी।

एयर फ्रायर की क्षमता पर दें ध्यान

एयर फ्रायर खरीदते समय उसकी क्षमता पर ध्यान दें। बाजार में अलग-अलग आकार और क्षमता वाले एयर फ्रायर मिलते हैं। अगर आपके परिवार में चार से पांच लोग हैं तो 5 लीटर या उससे अधिक क्षमता वाला एयर फ्रायर चुनें, वहीं अगर आपका परिवार छोटा है तो 2.5 लीटर से 4 लीटर क्षमता वाला एयर फ्रायर काफी रहेगा। इसके अलावा अगर आप अक्सर मेहमानों के लिए खाना बनाते हैं तो 6 लीटर या उससे अधिक क्षमता वाला एयर फ्रायर खरीदें।

तापमान नियंत्रण होना है जरूरी

एयर फ्रायर में तापमान नियंत्रण होना बहुत जरूरी है क्योंकि इससे आप अलग-अलग व्यंजनों को सही तापमान पर पका सकते हैं। कुछ एयर फ्रायर में केवल एक डायल होता है, जिससे तापमान सेट करना आसान होता है, वहीं कुछ में डिजिटल कंट्रोल पैनल होता है, जो अधिक सटीकता प्रदान करता है। अगर आप रोजाना एयर फ्रायर का इस्तेमाल करने वाले हैं तो बेहतर होगा कि आप डिजिटल कंट्रोल वाले एयर फ्रायर को प्राथमिकता दें।

आकार और डिजाइन पर दें ध्यान

एयर फ्रायर का आकार और डिजाइन भी महत्वपूर्ण होता है। आपको ऐसा एयर फ्रायर चुनना चाहिए, जो आपके रसोईघर में आसानी से फिट हो सके और देखने में भी अच्छा लगे। बाजार में मिलते एयर फ्रायर ज्यादातर स्टाइलिश होते हैं, जिन्हें आप अपने रसोईघर की सजावट के अनुसार चुन सकते हैं। इसके अलावा अगर आप छोटे आकार का एयर फ्रायर खरीदेंगे तो इससे रसोई में अधिक जगह भी बचेगी।

अतिरिक्त सुविधाओं पर दें गौर

आजकल बाजार में ऐसे एयर फ्रायर भी उपलब्ध हैं, जिनमें अतिरिक्त सुविधाएं जैसे रोस्टिंग, ग्रिलिंग आदि शामिल होती हैं। अगर आप इन सुविधाओं का लाभ चाहते हैं तो इन्हें ध्यान में रखकर एयर फ्रायर खरीदें। इसके अलावा कुछ एयर फ्रायर में प्रीसेट्स होते हैं, जिससे आप एक बटन दबाकर ही विभिन्न व्यंजनों को आसानी से बना सकते हैं। इसके अलावा कुछ एयर फ्रायर में ऑटो शट ऑफ फीचर भी होता है, जो सुरक्षा के लिए अहम है।

ब्रांड और वारंटी पर ध्यान दें

ब्रांड का चुनाव करते समय उसकी विश्वसनीयता और ग्राहक सेवा पर ध्यान दें। अच्छे ब्रांड्स आमतौर पर बेहतर गुणवत्ता और ग्राहक सेवा प्रदान करते हैं। इसके अलावा एयर फ्रायर पर मिलने वाली वारंटी अवधि भी मायने रखती है। आमतौर पर 1 से 2 साल की वारंटी अवधि अच्छी मानी जाती है। इन सभी बातों का ध्यान रखकर आप अपने लिए सबसे उपयुक्त एयर फ्रायर चुन सकते हैं।

बॉक्स ऑफिस पर ब्लॉकबस्टर साबित हुई सूर्या-तृषा की करुप्पु

जानें-कितना किया लाइफटाइम कलेक्शन

सूर्या और तृषा कृष्णन की करुप्पु ने बॉक्स ऑफिस पर अच्छा परफॉर्म किया है और ये अभी भी कुछ जगहों पर सिनेमाघरों में चल रही है लेकिन ये अपना थिएट्रिकल सफर लगभग खत्म कर चुकी है. वहीं ये फ़िल्म पिछले हफ्ते ओटीटी पर भी रिलीज हो गई है. ऐसे में चलिए यहां जानते हैं इस फिल्म का क्लोजिंग कलेक्शन कितना रहा है? बता दें कि करुप्पु ने अपने पांचवें हफ्ते के चार दिनों में लगभग 1.75 करोड़ रुपये कमाए हैं, जिससे इसकी कुल कमाई लगभग 226 करोड़ रुपये हो गई है. अनुमान है कि यह 227 करोड़ रुपये की कमाई के साथ अपना सफ़र पूरा करेगी. वहीं इंटरनेशनल लेवल पर इस फ़िल्म ने लगभग 8.50 मिलियन यूएसडी यानी 81 करोड़ रुपये कमाए हैं, जिससे इसका दुनिया भर में बॉक्स ऑफ़िस कलेक्शन लगभग 307 करोड़ रुपये हो गया है. अनुमान है कि ये दुनियाभर में 308 करोड़ रुपये की लाइफटाइम कमाई कर सकती है. इसी के साथ सूर्या की यह फ़िल्म भारत में अब तक की नौवीं सबसे ज़्यादा कमाई करने वाली कॉलीवुड फ़िल्म बन गई है जबकि दुनिया भर में यह दसवें नंबर पर है. वहीं अपने होम टाउन तमिलनाडु में, यह 154 करोड़ रुपये के आंकड़े के करीब पहुंच रही है, जो अब तक का सातवां सबसे बड़ा कलेक्शन है. करुप्पू ने तमिलनाडु के बाहर भी अच्छा परफॉर्म किया है. खास तौर पर आंध्र प्रदेश और तेलंगाना में इसने अच्छी कमाई की है. बता दें कि इसके तेलुगु डब वर्जन ने लगभग 35 करोड़ रुपये कमाए. सूर्या का करियर लंबे समय से पटरी से उतरा हुआ था. ऐसे में करुप्पु एक्टर के लिए संजीवनी साबित हुई है. इस फिल्म ने उनकी एक अदद हिट की ख्वाहिश पूरा कर दी है. इन सबके बीच बता दें कि थलपति विजय राजनीति में जाने के लिए सिनेमा से दूर हो गए हैं. वहीं रजनीकांत उम्रदराज़ हो गए हैं, और अजित भी बहुत ज़्यादा फ़िल्में नहीं कर रहे हैं क्योंकि उनकी दिलचस्पी रेसिंग करियर में है. ऐसे समय में, सूर्या की वापसी किसी वरदान से कम नहीं है क्योंकि तमिल फ़िल्म इंडस्ट्री को बड़ी फिल्मों के लिए बड़े स्टार्स की सख्त जरूरत है.

IIT-Delhi top Indian institute in QS Rankings

New Delhi, Agency: The Indian Institute of Technology (IIT), Delhi, has retained its position as India's top-ranked university, climbing to 118th globally and matching the highest rank ever achieved by an Indian institution - a distinction first attained by IIT Bombay - in the QS World University Rankings 2027.

The Massachusetts Institute of Technology (MIT) retained the world's top position overall. IIT-Bombay, IIT-Madras, IIT-Kharagpur and IIT-Kanpur followed in the national standings, occupying the second to fifth positions, respectively.

India's presence in the rankings has expanded sharply, with 52 universities featured this year, up from 14 in 2017 - a 271 per cent increase. The country is now the fifth most represented higher education system globally, behind the US, the UK, China and Germany.

The expansion is also geographically broader. Institutions across Punjab, Himachal Pradesh, Tamil Nadu, Rajasthan, Uttar Pradesh, Telangana, Maharashtra and Delhi have posted record-high positions, signalling that performance gains are no longer concentrated in traditional IIT hubs.

According to QS, Mainland China recorded a 72 per cent improvement rate, driven by its state-backed Double First-Class University Plan. The report said India's trajectory shows similar momentum - rapid cohort expansion, stronger research output and improving employer recognition - while remaining more decentralised and institutionally diverse.

"India demonstrates particular strength in research impact and graduate outcomes, while continuing to expand the breadth and quality of its system," the official statement noted, calling it one of the most consequential shifts in global higher education.

Sanjay Raut showers cuss words like confetti

New Delhi, Agency: Long confined to street-corner arguments, village chaupals and late-night college addas, cuss words such as 'b...sdi' and 'g...u' found a place in mainstream political discourse on Wednesday, with Sena UBT's Sanjay Raut using them at a presser to describe defectors, and then telling reporters, "Don't cut it, run it."

When questioned on his language, Rajya Sabha MP Raut was unrepentant: "This is how it is used in Maharashtra... I am the editor of Saamana, I know the language."

The remark marks a new low in political discourse, though profanity has increasingly been normalised in public forums. Once used to express rage or, at times, affection, abuses have become markers of cool. They feature prominently in stand-up comedy, Bollywood films such as 'Dev D', 'Gulaal' and 'Omkara', and many OTT shows. On social media, abusive language is frequently used to target people, especially women. A 2019 Amnesty study found that one in seven tweets directed at women netas in India was either "problematic or abusive".

As reports emerged that six to seven of Sena UBT's nine LS MPs were preparing to walk out, Raut branded the suspected rebels "cowardly foxes" and mocked their flight to Delhi on a chartered plane. Yet the bravado sat oddly beside his insistence that nobody was defecting. Raut repeatedly claimed a "wrong picture is being painted"and that all 11 MPs, including two RS members, remained "100% with Thackeray".

Raut earlier alleged each MP was offered Rs 15 crore to defect. On Wednesday, he escalated the charge, claiming each defector was promised Rs 50 crore, with Rs 15 crore paid as advance. He alleged that Dharashiv MP Omraje Nimbalkar was offered a favourable verdict in his father's murder case to switch sides.

Raut, Arvind Sawant and Anil Desai met Speaker Om Birla and submitted a letter arguing that a breakaway "group" cannot merge. The letter invoked the anti-defection law and the party's pending SC battle over the "real Shiv Sena". Birla assured them rules would be followed. Meanwhile, suspected rebels remained in Delhi and were expected to seek recognition as a separate group backing the Shinde-led Sena. Minister Uday Samant said leaders from Sena (UBT) would cross over "in phases".

Father arrested for bid to kill girl over 'transgender traits

Kanpur, Agency: Auraiya police on Wednesday arrested a man for attempting to kill his 14-year-old daughter after targeting her over her transgender characteristics. The accused allegedly beat the minor with a stick, threw her into the Patna canal and fled, police said. The girl, a resident of Kotwali Shivli area of Kanpur Dehat, survived because the canal's water level was low, enabling her to drift towards the bank, where she was rescued by locals. She was taken to a nearby CHC, from where she was shifted to a hospital given her critical condition. According to police, the victim's father took her on a scooter, claiming he would drop her at her aunt's house in Bidhuna. On the way, between the villages of Baderahar and Bunchpur, he allegedly stopped the scooter, began abusing her with slurs related to her gender identity and assaulted her repeatedly. She told police he then dumped her into the canal and escaped. Bystanders who noticed the injured child and heard her cries informed the police. Inspector Lalitesh Narayan Tripathi, station house officer of Bela police station, and Santosh Kumar, in charge of the Purwa Sujan outpost, reached the spot and transported her to the CHC.

Karnataka, Madhya Pradesh & Tamil Nadu top subsidy givers, says CAG report

New Delhi, Agency: Karnataka, Madhya Pradesh, Tamil Nadu and Punjab have emerged as the biggest dole givers, with subsidies accounting for over 13.5% of their total expenditure in 2024-25, Comptroller & Auditor General has said in its latest report on state finances. In absolute terms, subsidies offered by states have jumped threefold, with 28 of them spending nearly Rs 4.4 lakh crore in 2024-25, compared with 1.4 lakh crore in 2015-16. During this period, their total expenditure rose 2.3 times.

As a proportion of revenue spending, subsidies increased from 1.1% to 1.4%, the report pointed out. Similarly, as a share of state GDP, it rose to 10.2% in FY 25, compared with 7.7% in FY16.

Comedy show fallout: Karnataka to issue norms on handling cadavers

Bengaluru, Agency: Karnataka govt will soon issue guidelines to medical students on showing appropriate behaviour and respect towards bodies donated for studies and research.

The move comes days after clips of medical students talking disrespectfully about cadavers went viral on social media, triggering a nationwide debate on ethics, professionalism, and respect for cadavers among medical students.

The ethics committee will meet next week to discuss how best to reiterate the existing guidelines with modifications on medical students' conduct while handling cadavers.

Terming body donation one of the noblest forms of donation, medical education minister Sharan Prakash Patil told Media that although the state has had no such cases, govt will still issue cadaver guidelines for students.

With anatomy forming the foundation for all clinical subjects, cadaver study is an integral part of the first-year MBBS curriculum. It helps medical students understand relationships of organs, nerves, muscles, and blood vessels before they go on to learn surgery, medicine, radiology, and other specialties. The state has 72 medical colleges with 13,000 students. According to Karnataka Medical Council, students are taught to respect cadavers and recognise the noble act of body donation in first year.

3 critical SII vaccines to cost 20% more

New Delhi, Agency: Drug price regulator National Pharmaceuticals Pricing Authority (NPPA) has approved a 20% price hike for Serum Institute of India's BCG, measles and measles-rubella vaccines.

This move is unusual since price hikes are rare when one company dominates the market.

NPPA had fixed the price ceiling in Dec 2024 based on Pharmarack data after applying monopoly reduction of 17.1% under Drugs Prices Control Order, 2013. Serum Institute filed a review application with the department of pharmaceuticals (DoP), which referred the matter to NPPA. Serum Institute had argued that the vaccines were complex, had few alternatives, and costs had been rising.

"The vaccines in question are of critical public health significance, have shown relatively stable price trends, impose minimal financial burden on citizens and are supplied by a single manufacturer at relatively low prices," read DoP's submission to NPPA. NPPA decided that ceiling price may be revised without applying reduction under monopolistic condition "to address the grievance of the applicant as well as to ensure sufficient availability of the drug in the market", the notification said.

High Court stays construction of church near Hindu temple

Chennai, Agency: Holding that mala fide intent could not be ruled out in a proposal to build a church in the vicinity of a Hindu temple, Madras HC has stayed its construction in Coimbatore.

"Coimbatore is a communally sensitive city. It witnessed bomb blasts and bloody religious riots. The proposed church would come up within a stone's throw from the existing Mariyamman Temple. There are only a handful of Christian families. If a large church is proposed to be constructed in the vicinity of the Mariyamman Temple, mala fide intentions cannot be ruled out," a division bench of Justices G R Swaminathan and V Lakshminarayanan said.

The court said it would also take on record the submission of the petitioner that since a new govt led by C Joseph Vijay was formed, "posters have appeared in some parts of Tamil Nadu calling for construction of churches in every village".

The interim order was passed on a plea by N Balasubramaniyam opposing the construction of a church at Kalapatty in Coimbatore. "The petitioner hints at the possibility of the new building being a centre of conversion activity. We are a secular nation. We are a pluralist society. Religious amity has to be preserved. If a religious right is established, then it is the duty of the state to aid in its enforcement," the judges said.

The court said the situation would have been different if the construction was proposed on a patta land whose title was beyond dispute, there was no religious structure belonging to any other community in the immediate vicinity or if there was no opposition. In the case at hand, however, revenue records indicated the site was a public road, the location was too close to an old temple, and there was vigorous resistance, the HC added.

The court also placed on record the submission of the petitioner that TN assembly speaker JCD Prabhakar quoted Bible verses in his inaugural address to the legislative assembly.

GOC White Knight Corps reviews security scenario along LoC in Rajouri district

New Delhi, Agency: A day after four soldiers were injured in an accidental grenade blast near the Line of Control (LoC) in the Nowshera sector of Rajouri district, General Officer Commanding (GOC) of the Nagrota-based White Knight Corps, Lt Gen PK Mishra, visited the area to review the operational preparedness of troops.

In a statement, the White Knight Corps said the Corps Commander, accompanied by the GOC of the Ace of Spades Division, visited forward areas in the Nowshera sector to assess the prevailing security situation and evaluate the combat effectiveness of troops deployed along the LoC. "During the visit, he was briefed on force posture, surveillance measures and ongoing initiatives aimed at strengthening operational capabilities in the sector.

Has Messi aide put Kolkata fiasco blame on TMC ex-minister?

Kolkata, Agency: On a day Lionel Messi became the joint highest goal-scorer in World Cup history and scored his first World Cup hat-trick, Kolkata was reminded of the Salt Lake stadium fiasco, with the football legend's chief adviser and consultant to last year's GOAT India Tour reportedly emailing Bidhannagar police commissioner Wednesday, flagging former sports minister Aroop Biswas's alleged interference and violation of security protocol that prompted Messi's early exit.

Reacting to the development, Kolkata police commissioner Ajay Nand, however, said: "Ye sab poochke mahaul kyun kharab karna. (Why spoil the atmosphere by asking all this?) We have no such reports. We need to check." Media tried to contact Bidhannagar CP Tripurari Atharv, but multiple calls and text messages went unanswered.

According to sources, the official clarified in the letter that the approved protocol for Messi's Dec 13 appearance at the Salt Lake stadium allowed no dignitaries on the field, while only three camera operators were to be present there.

"But the protocol was disrupted when the then sports minister entered the field and became involved in activities that were not part of the scheduled programme. This included repeated unscheduled interactions and physical contact with Messi, including placing hands on his shoulder and around his waist for photographs," the official reportedly stated.

"These actions, together with the presence of several other unauthorised individuals and approximately 40 unaccredited photographers in restricted areas... and created concerns regarding Messi's security... and made it impossible for him to interact with the individuals planned on the field," he added.